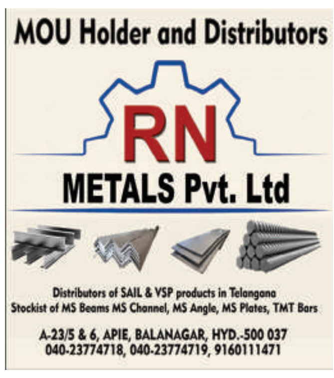

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 06 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-06

उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर अधर में

कछुआ चाल से निर्माण बना 'नरक'

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
राज्य के दो सबसे महत्वपूर्ण सड़क मार्गों का निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। ट्रैफिक के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इन रास्तों पर काम में देरी के कारण यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हैदराबाद-वरंगल राजमार्ग का हिस्सा, उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर का 70 प्रतिशत काम अभी भी बाकी है। वहीं, हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर ब्लैकस्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) सुधार का 80 प्रतिशत कार्य अधूरा है। सड़कों को खोदकर छोड़ देने और सर्विस रोड की व्यवस्था न होने के कारण इन मार्गों पर यात्रा करना किसी सजा से कम नहीं रह गया है। हालांकि, आरएंडबी मंत्री ने काम पूरा करने के कई लक्ष्य निर्धारित किए थे, लेकिन वे पूरे नहीं हो सके। अब अगले साल दशहरा तक काम पूरा करने का नया आश्वासन दिया गया है, जो वर्तमान स्थिति को देखते हुए मुश्किल नजर आ रहा है।

अधर में लटका उप्पल-नारपल्ली फ्लाईओवर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणद्वारा वर्ष 2018 में लगभग 600 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से उप्पल और नारपल्ली के बीच 6.2 किलोमीटर लंबे 6-लेन फ्लाईओवर का निर्माण शुरू किया गया था। अनुबंध के अनुसार, यह काम तीन साल में पूरा होना था। शुरुआत में भूमि अधिग्रहण की समस्या और बाद में ठेकेदार एजेंसी के दिवालिया होने से काम बीच में ही रुक गया। हालांकि अब सभी तकनीकी बाधाएं दूर हो चुकी हैं, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणऔर आरएंडबी अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी के कारण काम आगे नहीं बढ़ रहा है। कुल 142 स्लैबों में से केवल 45 ही पिलरों पर रखे गए हैं, और 143 पिलरों में से 28 का निर्माण अभी भी बाकी है। गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों में केवल 10 प्रतिशत काम ही हुआ है।

विजयवाड़ा हाईवे पर ब्लैकस्पॉट का खतरा और अधूरा सुधार कार्य

हैदराबाद-विजयवाड़ा के बीच 270 किलोमीटर के दायरे में 17 ब्लैकस्पॉट की पहचान की गई है। केंद्र सरकार ने इनके सुधार के लिए पिछले साल 325 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके तहत लेन विस्तार, अंडरपास, फ्लाईओवर और सर्विस रोड का निर्माण होना था। चौटुप्पल, चिट्याल, सूर्यापेट, कोदाड जैसे क्षेत्रों में फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाना है, लेकिन कई जगहों पर काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है। अधिकारियों ने सड़क तो खोद दी है, लेकिन वैकल्पिक मार्ग या सर्विस रोड न होने से वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर औसतन हर 20 किलोमीटर पर एक ब्लैकस्पॉट है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

▶10पर

स्थानीय निकाय चुनाव में ईवीएम पर भरोसा नहीं!

लौट आया बैलट

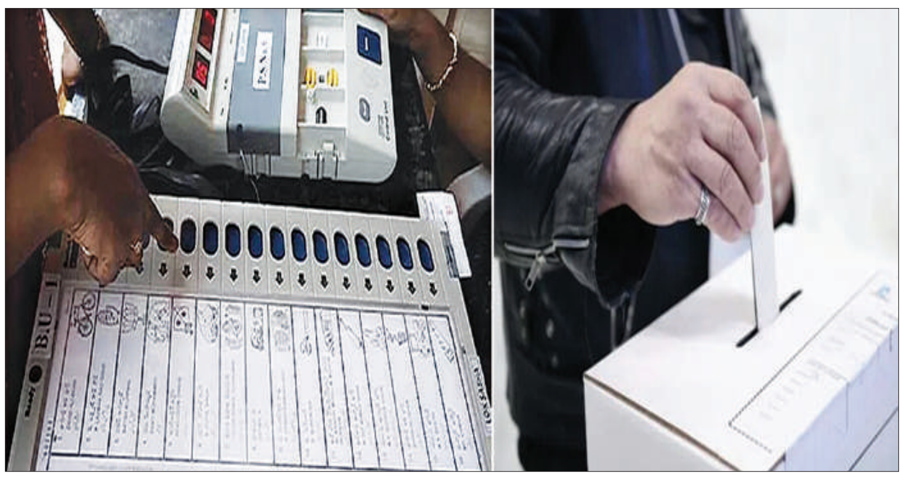

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्य सरकार ने आगामी नगर निकाय चुनावों को बैलट पेपर (मतपत्र) के जरिए ही आयोजित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस संबंध में, सरकार ने उन 117 नगर पालिकाओं और 6 निगमों के अधिकार क्षेत्र में बैलट बॉक्स तैयार रखने का निर्देश दिया है, जहाँ चुनाव होने वाले हैं। जिला कलेक्टरों और नगर निगम आयुक्तों को इन आदेशों का पालन करने को कहा गया है। सरकार के निर्देशों के बाद, संबंधित जिलों के चुनाव अधिकारियों और नगर निगम के अधिकारियों ने मतपत्रों के लिए पेपर कंपनियों को एडवांस ऑर्डर भेज दिए हैं। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि चुनाव की घोषणा होते ही तुरंत पेपर प्रिंट करके उपलब्ध कराएं।

वर्ष 2014 में तत्कालीन सरकार ने निकाय चुनाव ईवीएमके माध्यम से कराए थे। इसके बाद, 2020 में कोरोना महामारी की परिस्थितियों के कारण चुनाव बैलट पेपर से हुए थे। इस बार भी ईवीएम से चुनाव कराने की सुविधा और विकल्प मौजूद होने के बावजूद, सरकार ने बैलट पेपर की पद्धति को ही प्राथमिकता दी है। वर्तमान में राज्य में कुल 124 नगर पालिकाएं और 9 बड़े नगर निगम हैं।

इनमें से ग्रेटर हैदराबाद का कार्यकाल फरवरी में समाप्त होगा, जबकि वरंगल, खम्मम और पांच अन्य नगर पालिकाओं (सिद्दीपेट, जडचर्ला, कोत्तूर, अचमपेट, नकीरेकल) का कार्यकाल अगले साल मई तक है। अनुसूचित क्षेत्रों (मंदमरी, मनुगुरू) और इन दस स्थानों को छोड़कर शेष 117 नगर पालिकाओं और 6 निगमों का कार्यकाल इस साल जनवरी में ही समाप्त हो चुका है, जहाँ फिलहाल विशेष अधिकारियों का शासन है।

चुनाव आयोग ने 117 नगर पालिकाओं में 2,630 वार्ड और छह निगमों में 366 वार्डों को अंतिम रूप दे दिया है। अधिकारियों ने आंकलन किया है कि राज्य भर में कुल 7,500 बैलट बॉक्स की आवश्यकता होगी।

नगर पालिकाओं में प्रत्येक वार्ड के लिए दो के हिसाब से 5,260 बॉक्स और 940 अतिरिक्त बॉक्स तैयार किए जा रहे हैं। नगर निगम में 732 मुख्य बॉक्स और 568 अतिरिक्त बॉक्स की व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में लगभग 52.71 लाख मतदाताओं की ड्राफ्ट सूची घोषित कर दी गई है और आपत्तियां स्वीकार की जा रही हैं।

नगर पालिका विभाग के अधिकारी चुनाव से पहले की सभी तैयारियों में जुट गए हैं। स्टेशनरी और मतपत्रों की छपाई के लिए संबंधित पेपर कंपनियों और प्रिंटिंग प्रेस को ऑर्डर भेज दिए गए हैं। इसके अलावा, अमिट स्याही, पोलिंग किट और अन्य चुनावी सामग्रियों के संग्रह के लिए भी आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिला कलेक्टर और मुन्सिपल अधिकारी बैलट पेपर और बॉक्स के साथ चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

10 जनवरी को आएगी अंतिम वोटर लिस्ट

राज्य चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, उन सभी 117 नगर पालिकाओं और 6 निगमों में सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जाएंगी, जहाँ चुनाव होने वाले हैं। इस संबंध में नगर पालिकाओं के अधिकार क्षेत्र में आने वाले भाजपा, कांग्रेस, बीआरएस और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं को पहले ही निमंत्रण भेज दिए गए हैं। इन बैठकों का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और राजनीतिक दलों के सुझाव लेना है।

स्थानीय स्तर पर बैठकों के बाद, मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालयों में जिला स्तरीय सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके पश्चात, चुनाव आयोग की योजना के अनुसार आगामी 10 जनवरी को नगर पालिकाओं और निगमों के वार्डों व पोलिंग स्टेशनों के आधार पर अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही चुनावी सरगर्मी और तेज होने की उम्मीद है।

अधिकारियों की नियुक्ति और कर्मचारियों की सूची तैयार

चुनावों के सफल संचालन के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। चुनाव ड्यूटी के लिए आवश्यक प्रिसाइडिंग ऑफिसर, पोलिंग ऑफिसर और सेक्टर ऑफिसर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए पात्र कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है, ताकि समय रहते उन्हें प्रशिक्षण दिया जा सके और चुनाव संबंधी जिम्मेदारियां सौंपी जा सकें।

फ़ोन टैपिंग मामला : तेलंगाना सरकार को सुप्रीम झटका

हरीश राव को बड़ी राहत

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना सरकार को एक अप्रत्याशित झटके का सामना करना पड़ा है। फोन टैपिंग मामले में आक्रामक रुख अपना रही रेवंत रेड्डी सरकार की रफ्तार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने ब्रेक लगा दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह इस मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा पहले दिए गए आदेशों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने मामले में आगे की कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मांगी गई अनुमति को भी खारिज कर दिया। सिद्दीपेट विधायक और पूर्व मंत्री हरीश राव के लिए सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बड़ी राहत लेकर आया है। तेलंगाना के बहुचर्चित फोन टैपिंग मामले में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं।

▶10पर

ओएनजीसी रिग में गैस रिसाव, गांव खाली कराए गए

कोणासीमा, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
सोमवार दोपहर डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोणासीमा जिले के मल्कीपुरम मंडल के इरुसुमंडा गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब ओएनजीसी के एक कुएं में पाइपलाइन रिसाव के कारण भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। अचानक लगी इस आग और घने कोहरे की तरह फैली गैस के कारण ग्रामीणों को अपनी सुरक्षा के लिए भागना पड़ा, जबकि धुएं के गुबार ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

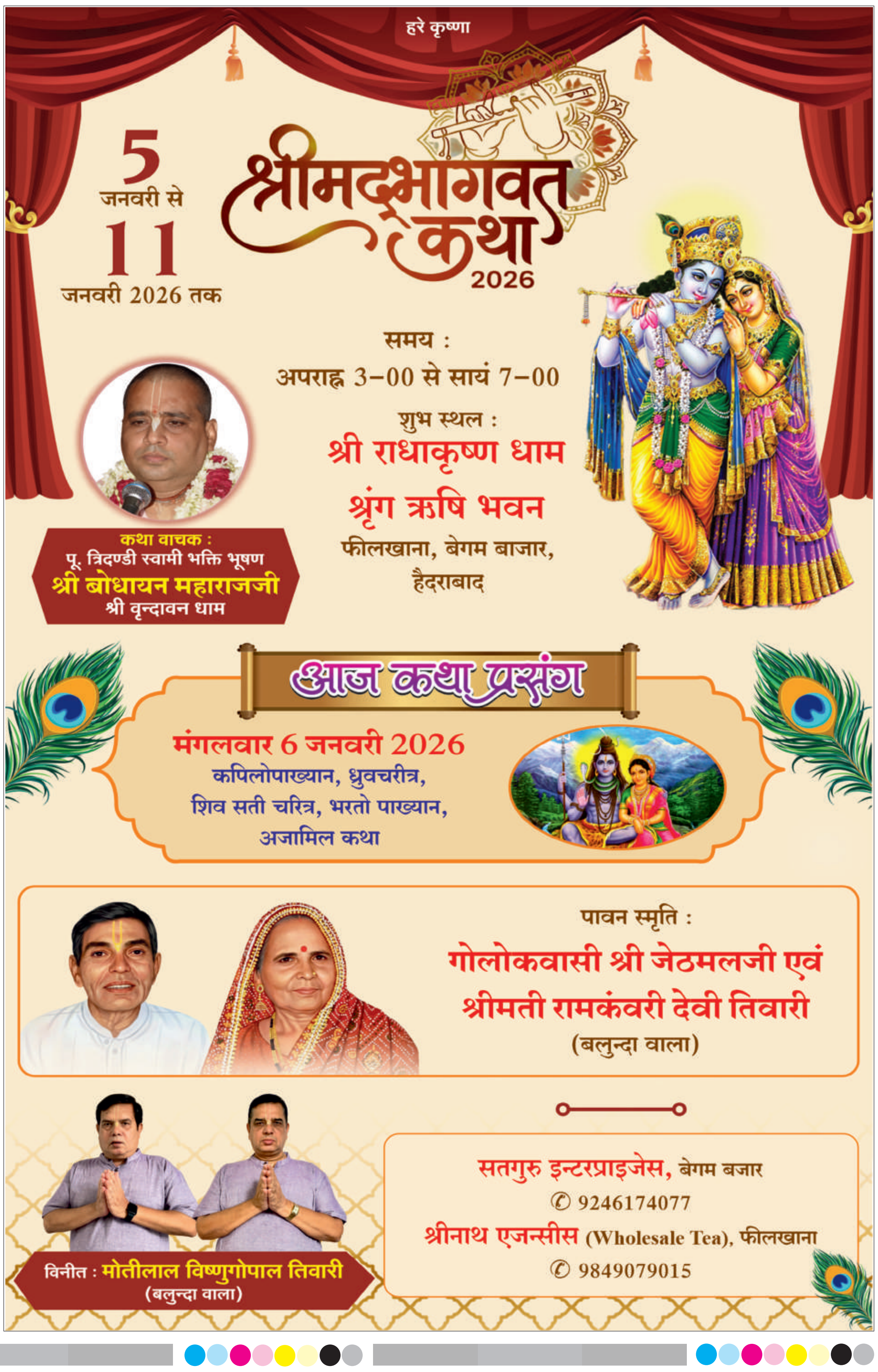

ट्रंप ने वेनेजुएला की नई नेता डेल्सी को धमकाया कहा- मादुरो से भी बुरा हाल करेंगे

वाशिंगटन,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन के बाद राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। वर्तमान में देश की कमान उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिगेज के हाथों में है, जिन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। हालांकि, रॉड्रिगेज के पद संभालते ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयानों से दबाव बनाना शुरू कर दिया है। एक हालिया साक्षात्कार में ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि रॉड्रिगेज वेनेजुएला के सुधार के लिए उचित कदम नहीं उठाती हैं, तो उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। ट्रंप ने यहाँ तक कहा कि यह परिणाम निकोलस मादुरो को भुगतनी पड़ी सजा से भी अधिक गंभीर हो सकते हैं।

ट्रंप का यह सख्त लहजा उनके उस पिछले बयान से अलग है जिसमें उन्होंने रॉड्रिगेज पर भरोसा जताया था। इससे पहले उन्होंने संकेत दिए थे कि रॉड्रिगेज वेनेजुएला की स्थिति सुधारने और उसे फिर से महान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को तैयार हैं। ट्रंप ने उन्हें एक विनम्र नेता बताया था और तर्क दिया था कि किसी ऐसे व्यक्ति को सत्ता नहीं सौंपी जा सकती जो जनता के हितों की रक्षा न कर सके। हालांकि, रॉड्रिगेज ने कड़ा रुख अपनाते हुए निकोलस मादुरो को देश से बाहर ले जाने की अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की है और उनकी वापसी की मांग की है। रॉड्रिगेज के इस प्रतिरोध ने अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव को फिर से गहरा दिया है।

दूसरी ओर, अमेरिकी प्रशासन के भीतर भी नीति को लेकर विरोधाभास नजर आ रहा है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका तेल नाकेबंदी लागू करने के अलावा वेनेजुएला के आंतरिक शासन में सीधा हस्तक्षेप नहीं करेगा। रुबियो का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के विपरीत है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मादुरो को हटाने के बाद अमेरिका अस्थायी रूप से वेनेजुएला का शासन संभालेगा। ट्रंप के बयान से ऐसी आशंकाएं पैदा हो गई थीं कि क्या वाशिंगटन अब सीधे तौर पर काराकस को नियंत्रित करेगा, जिससे लंबे समय तक विदेशी हस्तक्षेप और राष्ट्र निर्माण की एक और असफल कोशिश शुरू हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने कोलंबिया को सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में सैन्य अभियान के बाद कई देशों को धमकी दी है। उन्होंने इशारा किया है कि कोलंबिया में कभी भी सैन्य कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने मेक्सिको को भी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि वह वेनेजुएला के बेपटरी हो चुके तेल उद्योग को उबारने के लिए अमेरिकी कंपनियों पर भरोसा कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया कि वह कोलंबिया में सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेक्सिको को ड्रग्स के मामले में ठीक से काम करना होगा। अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार जितने आकर्षक लगते हैं, वे अमेरिकी कंपनियों के लिए फायदे से ज्यादा जोखिम भरे हो सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को दोबारा बनाने में अरबों डॉलर का खर्च आएगा। कच्चा तेल अभी उस तरह की कीमत नहीं दे रहा है जिससे इतना धन निवेश करना आसान हो। वेनेजुएला के खास तरह के कच्चे तेल को रिफाइन करना अपने आप में महंगा काम है। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने अमेरिकी तेल कंपनियों से बात की है। सूत्रों के अनुसार, कंपनियां फिर से निवेश करने का वादा करने से हिचकिचा रही हैं।

ईरान में हालात नहीं सुधरे तो खामेनेई भाग सकते हैं रूस, नहीं थम रहा विरोध

तेहरान (ईरान)। ईरान में आठ दिन से चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम 19 नागरिकों और

सुरक्षा बल के एक जवान की जान चली गई। देश के 222 स्थानों पर रातभर प्रदर्शन हुआ है। 26 प्रांतों के 78 शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। महंगाई के खिलाफ शुरू आंदोलन ने देश के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई का तख्त-ओ-ताज हिला दिया है। अशांति की लपटें पवित्र शहर कोम तक पहुंच चुकी हैं। खामेनेई कभी भी देश छोड़कर रूस जा सकते हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में अमेरिका की ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) और द टाइम्स के हवाले से यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अशांति बढ़ती है तो सुप्रीम लीडर अली खामेनेई देश छोड़ सकते हैं। अगर सुरक्षा बल विरोध प्रदर्शनों को दबाने में नाकाम रहते हैं तो वह अपने करीब 20 सहयोगियों और परिवार के साथ मॉस्को भाग जाएंगे। विरोध प्रदर्शन के आठवें दिन रविवार को मध्य तेहरान में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुई हैं। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए राजधानी के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया। सारी रात विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। यूनिवर्सिटी, बाजार और प्रांतीय शहर अशांति के केंद्र बने रहे। पश्चिमी शहर मालेकशही में शनिवार रात सुरक्षा बलों की गोलीबारी में कम से कम पांच प्रदर्शनकारी मारे गए और लगभग 30 अन्य घायल हो गए।

प्रीडायबिटीज को नियंत्रित करना हार्ट फेलियर के जोखिम को करता है कम

लंदन। प्रीडायबिटीज को नियंत्रित करना या ठीक करना दिल की गंभीर बीमारियों, हार्ट फेलियर और कार्डियोवैस्कुलर मौत के जोखिम को लगभग 60 प्रतिशत तक कम कर सकता है। एक ताजा अध्ययन में बताया गया कि जिन लोगों ने ब्लड ग्लूकोज को नॉर्मल स्तर पर लाया, उनमें हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर से हॉस्पिटल में भर्ती होने का खतरा 58 प्रतिशत तक घट गया। यूके के किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि ग्लूकोज स्तर को नियंत्रित करने का यह प्रभाव दशकों तक बना रहता है। यह खोज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले के अध्ययन बताते थे कि केवल लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे वजन कम करना, एक्सरसाइज करना और हेल्दी डाइट अपनाना प्रीडायबिटीज वाले लोगों में हार्ट रिस्क को पर्याप्त रूप से कम नहीं कर पाता। किंग्स कॉलेज लंदन और यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ट्यूबिंजन के डायबिटीज रीडर और अध्ययन के लीड लेखक डॉ. एंड्रियास बिर्केनफेल्ड ने बताया, 'प्रीडायबिटीज वाले लोगों को सालों से यही सलाह दी जाती रही है कि वे वजन घटाएं, एक्सरसाइज करें और हेल्दी डाइट अपनाएं ताकि हार्ट अटैक और जल्दी मौत से बचा जा सके।

अमेरिका में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को अदालत में पेश करने की तैयारी

वाशिंगटन,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को सोमवार को संघीय अदालत में पेश किया जाएगा। वेनेजुएला पर सैन्य हमले के बाद गिरफ्तार कर अमेरिका लाए गए मादुरो और फ्लोरेस को नार्को-टेररिज्म के आरोपों का सामना करना होगा। उधर, वेनेजुएला में लोग डरे हुए हैं। वह भविष्य को लेकर आशंकित हैं। सड़कों पर सन्नाटा है। लोग रोजमर्रा का जरूरी सामान और दवाएं जुटा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वेनेजुएला के तानाशाह निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सोमवार को एक संघीय जज के सामने पेश होंगे। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में अमेरिकी जिला अदालत के एक प्रवक्ता ने रविवार को इसकी पुष्टि की। प्रवक्ता ने बताया कि मादुरो और सीलिया फ्लोरेस सोमवार दोपहर 12 बजे संघीय अदालत में पेश होंगे। शनिवार को काराकस में अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान वेनेजुएला से निकाले जाने के बाद आपराधिक आरोपों में अदालत में यह उनकी पहली पेशी होगी। मादुरो शनिवार रात लगभग 8:52 बजे ब्रुकलिन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर पहुंचे। उनकी पत्नी को किसी अज्ञात स्थान पर रखा गया है। कांग्रेस को दी जाएगी जानकारी: रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के अधिकारी कुछ सदस्यों को वेनेजुएला पर गोपनीय जानकारी देंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, विदेश सचिव मार्को रुबियो, युद्ध सचिव पीट हेगसेथ, अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ और जॉइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन कांग्रेस को पूरे सैन्य अभियान की जानकारी देंगे। वेनेजुएला में चार अमेरिकी अब भी हिरासत में: एक वकील के अनुसार, वेनेजुएला में कम से कम चार अमेरिकी हिरासत में हैं। अमेरिकी सरकार को पता है कि छुट्टियों से पहले वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कुछ अमेरिकी अभी भी वहीं हैं। सीनेटर क्रिस वैन होलेन ने कहा कि हमें हर उस अमेरिकी को वापस लाने के लिए काम करना चाहिए जिसे विदेश में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया है। वेनेजुएला मादुरो के साथ: फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वेनेजुएला के एक उच्च अधिकारी ने रविवार को कहा कि देश मादुरो के पीछे एकजुट है। एक रिकॉर्डिंग में गृहमंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने कहा कि क्रांतिकारी ताकत की एकता पूरी तरह से पक्की है।

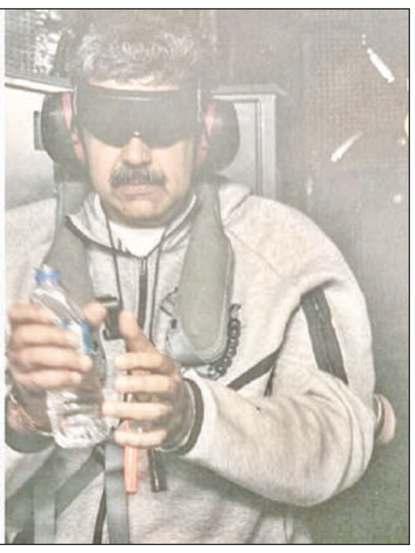

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली चीन पहुंचे, जिनपिंग से करेंगे मुलाकात

बिजिंग (चीन),05 जनवरी (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर वार्ता करने वाले हैं। उम्मीद है कि दोनों नेता उत्तर कोरिया के अलावा आर्थिक संबंधों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। यह बातचीत नवंबर की शुरुआत में ग्योंगजू में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन के मौके पर दोनों नेताओं की मुलाकात के लगभग दो महीने बाद हो रही है।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ली रविवार को चीन की चार दिवसीय राजकीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे। इससे कुछ घंटे पहले उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ली की पिछले साल जून में पद संभालने के बाद चीन की पहली यात्रा है और 2019 के बाद किसी दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की चीन की यह पहली यात्रा है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली इस दौरान प्योंगयांग के साथ तनावपूर्ण संबंधों को बेहतर बनाने और कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निशस्त्रीकरण में प्रगति करने के लिए चीन से समर्थन मांगेंगे। शिखर सम्मेलन से पहले ली बीजिंग में कोरिया-चीन आर्थिक फोरम में शामिल होंगे। इस फोरम में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चेयरमैन ली जे-योंग, एसके ग्रुप के चेयरमैन चेई ताए-वोन और एलजी ग्रुप के चेयरमैन कू क्वांग-मो प्रमुख रूप से हिस्सा लेंगे।

व्हाइट और ब्राउन फैट दोनों की जरुरत होती है शरीर में

लंदन। हैल्थ विशेषज्ञों के अनुसार शरीर में दो प्रकार की वसा पाई जाती है - व्हाइट फैट और ब्राउन फैट। दोनों ही आवश्यक हैं, लेकिन संतुलित मात्रा में। व्हाइट फैट शरीर में ऊर्जा का स्टोर करता है, जबकि ब्राउन फैट ऊर्जा को बर्न करके शरीर को सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखता है। इसे ब्राउन एडिपोज टिश्यू भी कहा जाता है। यह शरीर के लिए मोटापा घटाने वाला फैट है और मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करता है। विशेष रूप से सर्दियों में ब्राउन फैट शरीर को गर्म रखने का काम करता है, क्योंकि इसमें माइटोकॉन्ड्रिया की मात्रा अधिक होती है, जो कैलोरी बर्न करके ऊष्मा पैदा करता है। ब्राउन फैट के फायदे कई हैं। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है, इंसुलिन सेंसिटिविटी सुधारता है और ठंड में शरीर को गर्म रखता है। इसके अलावा यह मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को कम करने में मदद करता है। रिसर्च से पता चला है कि जिन लोगों में मोटापा कम होता है, उनके शरीर में ब्राउन फैट की मात्रा अधिक होती है और वे अधिक एक्टिव रहते हैं। इसके विपरीत, ब्राउन फैट की कमी से शरीर में व्हाइट फैट बढ़ जाता है।

भारत की निकिता को अमेरिका में चाकू से गोदा, एक्स ब्वॉयफ्रेंड के घर से मिली लाश

वाशिंगटन,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका के मैरीलैंड से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ कई दिनों से लापता 27 वर्षीय भारतीय महिला, निकिता गोडिशला का शव बरामद हुआ है। पुलिस को निकिता की लाश उसके पूर्व बॉयफ्रेंड अर्जुन शर्मा के अपार्टमेंट से मिली। शुरुआती जांच में शव पर चाकू से किए गए गहरे घावों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला सीधे तौर पर हत्या का लग रहा है। इस घटना के बाद हावर्ड काउंटी पुलिस ने अर्जुन शर्मा को मुख्य संदिग्ध मानते हुए उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब जांच के दौरान अर्जुन शर्मा की भूमिका संदिग्ध पाई गई। दरअसल, अर्जुन ने खुद ही 2 जनवरी को पुलिस में निकिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने अधिकारियों को बताया था कि उसने निकिता को आखिरी बार 31 दिसंबर को अपने अपार्टमेंट में देखा था। हालांकि, जांच में यह तथ्य सामने आया कि पुलिस को गुमराह करने के लिए रिपोर्ट लिखवाने के तुरंत बाद अर्जुन भारत के लिए रवाना हो गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसने उसी दिन अमेरिका से फ्लाइट पकड़ ली थी।

अधिकारियों का अनुमान है कि निकिता की हत्या 31 दिसंबर की शाम को ही कर दी गई थी। पुलिस ने अब अर्जुन शर्मा पर फर्स्ट और सेकंड डिग्री मर्डर के आरोप लगाए हैं और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। हालांकि हत्या के सटीक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन पुलिस इसे एक सोची-समझी साजिश मान रही है। वर्तमान में अमेरिकी जांच एजेंसियां और स्थानीय पुलिस आपसी समन्वय के साथ आरोपी का पता लगाने और उसे कानून के शिकंजे में लाने का प्रयास कर रही हैं। यह घटना विदेश में रह रहे भारतीय समुदाय के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है।

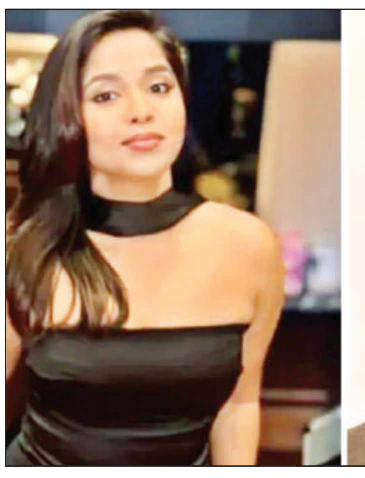

ट्रंप बोले- पीएम मोदी जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं और..., रूसी तेल पर फिर नई धमकी

वाशिंगटन,05 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद और उस पर लगाए गए भारी टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। एयरफोर्स वन पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूसी तेल के मुद्दे पर उन्हें खुश करने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक बहुत अच्छा व्यक्ति बताया, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि व्यापारिक हितों और तेल खरीद के मामले में वह अपनी नीतियों पर अडिग हैं। ट्रंप के अनुसार, भारतीय नेतृत्व को इस बात का आभास था कि रूस से तेल की निरंतर खरीद से अमेरिकी प्रशासन असंतुष्ट है, और इसी असंतोष को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए गए।

अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल की खरीद के कारण कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इसकी शुरुआत पहले 25 फीसदी टैरिफ और जुर्माने के साथ हुई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया। भारत ने इस पर अपना कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया था कि रूसी तेल की खरीद के मुद्दे पर उसे अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा अनुचित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। ट्रंप का कहना है कि व्यापारिक संबंधों में अमेरिका के लिए यह आवश्यक है कि दूसरे देश उनकी चिंताओं का सम्मान करें। उन्होंने संकेत दिया कि यदि व्यापारिक संतुलन नहीं बना, तो अमेरिका बहुत तेजी से टैरिफ बढ़ाने की क्षमता रखता है।

वर्ष 2025 में भारत और अमेरिका के संबंधों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। साल की शुरुआत काफी सकारात्मक रही, जब प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी में वॉशिंगटन की यात्रा की और व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की थी। हालांकि, जैसे-जैसे समय बीता, व्यापार और टैरिफ को लेकर मतभेद गहराते गए। ट्रंप ने भारत की उच्च शुल्क नीति की आलोचना करते हुए उसे अत्यधिक शुल्क लगाने वाला देश करार दिया, जबकि उनके सलाहकारों ने भारत को शुल्कों का महाराजा तक कह डाला।

ट्रंप प्रशासन के इन सख्त फैसलों का अमेरिका के भीतर भी विरोध हो रहा है। तीन प्रभावशाली सांसदों—डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को खत्म करने का प्रस्ताव पेश किया है। इन सांसदों का तर्क है कि इस तरह की आक्रामक शुल्क रणनीति से भारत जैसी अहम रणनीतिक साझेदारी कमजोर हो सकती है, जिसके परिणाम भविष्य में नकारात्मक होंगे। व्यापारिक बाधाओं के अलावा, अमेरिका ने आव्रजन नीतियों पर भी कड़ा रुख अपनाया है। एच-1बी जैसे महत्वपूर्ण वीजा पर नए प्रतिबंधों ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ाने का काम किया है। वर्तमान में स्थिति यह है कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्यक्तिगत स्तर पर मधुर संबंध दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी तरफ आर्थिक और व्यापारिक मोर्चे पर दोनों राष्ट्र एक जटिल संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं।

शुद्ध मतदाता सूची ही लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव : सीईसी ज्ञानेश कुमार

देवघर/दुमका,05 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है और इसमें किसी भी गैर-नागरिक का नाम होना संविधान के खिलाफ है। ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को झारखंड के देवघर और दुमका जिले में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर्स) से संवाद के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया फिलहाल देश के 12 राज्यों में शुरू की गई है, जिसे आने वाले समय में पूरे देश में लागू किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र का अगला पर्व 'आम चुनाव' शुद्ध मतदाता सूची के साथ ही मनाया जाएगा। दो दिवसीय दौरे पर देवघर-दुमका आए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बूथ लेवल ऑफिसर्स के साथ संवाद के दौरान चुनाव

प्रक्रिया, मतदाता सूची के शुद्धिकरण और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सरल है, जिसमें जिला स्तर पर तैयार सूची के बाद भी दावा (क्लेम) और आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति उस चरण में शामिल नहीं हो पाता तो उसे निरीक्षण और अपील के लिए लगभग एक महीने का अतिरिक्त समय मिलता है। इसी क्रम में भविष्य में झारखंड में भी एसआईआर लागू किया जाएगा।सीईसी ज्ञानेश कुमार ने देवघर के तपोवन स्थित श्रीश्री मोहनानंद विद्यालय में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे लोकतंत्र का आधार शुद्ध मतदाता सूची है, वैसे ही शुद्ध मतदाता सूची का आधार उसे तैयार करने वाले बीएलओ हैं। उन्होंने बीएलओ को लोकतंत्र के 'अदृश्य नायक' बताते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

उन्होंने एसआईआर में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले कई बार डोर-टू-डोर सत्यापन के दौरान बीएलओ के पास पहचान पत्र नहीं होते थे, जिससे लोगों में संशय रहता था। अब भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें आधिकारिक पहचान पत्र उपलब्ध कराए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दो दिवसीय प्रवास के दौरान उन्होंने झारखंड में चुनावी व्यवस्थाओं की तैयारियों को करीब से देखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जब भी राज्य में गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा होगी, उसे पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाएगा।

दिल्ली ब्लास्ट मामला: यासिर अहमद डार की हिरासत बढ़ी, कोर्ट ने 16 जनवरी तक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी यासिर अहमद डार की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। कोर्ट ने सोमवार को आरोपी की हिरासत बढ़ाते हुए 16 जनवरी तक राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेजने के आदेश दिए। यासिर अहमद डार की एनआईए हिरासत खत्म होने के बाद सोमवार को उसे पाटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान एनआईए ने रिमांड बढ़ाने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश दिए, ताकि एजेंसी उससे विस्तृत पूछताछ कर सके। एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी

से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई।

इस मामले में एनआईए की जांच के अनुसार, उमर-उन-नबी 10 नवंबर को लाल किला में विस्फोटक से भरी कार चला रहा था। वह इस आतंकवादी हमले का षड्यंत्रकारी था। इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में अब तक डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राथेर, डॉ. शाहीन सईद समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

यह धमाका एक हुंडई आई 20 कार में हुआ था, जिसमें आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी ड्राइविंग सीट पर था। विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई थी और 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे। एनआईए की जांच से यह मामला एक बड़े आतंकी नेटवर्क से जुड़ा लग रहा है, जिसमें फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े कई डॉक्टर शामिल हैं।

एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं।

आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा, सबरीमाला सोना चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के मामले में देवास्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शंकर दास ने केरल हाईकोर्ट के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि देवास्वोम बोर्ड के सदस्य के तौर पर शंकर दास की जिम्मेदारी बनती है और वे चोरी के मामले में अपनी भूमिका से पल्ला नहीं झाड़ सकते, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में शंकर दास की उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए केवल उस आधार पर नरमी बरती थी।शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को उचित ठहराते हुए उन्हें हटाने से इनकार कर दिया।

दरअसल, केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मामले में केपी शंकर दास और के विजयकुमार आपराधिक साजिश से बच नहीं सकते।

हाईकोर्ट की इसी टिप्पणी को हटाने की मांग को लेकर शंकर दास ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार करने से इनकार करते हुए अपील खारिज कर दी।

सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर से कई किलो सोने की चोरी और कुछ कीमती सामानों के गायब होने की खबर मुख्य मुद्दा बनकर उभरी। यह सोना 1998-99 में यूबी ग्रुप के चेयरमैन विजय माल्या द्वारा दान की गई द्वारपाल मूर्तियों पर लगी परत का हिस्सा था।

मामले में केरल हाईकोर्ट के दखल के बाद एक उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी।जांच के बाद एन. वासु और ए. पद्मकुमार को गिरफ्तार किया गया, जो त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी के वरिष्ठ नेता हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यूएई में भारतीय राजदूत से की मुलाकात

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आधिकारिक दौरे पर हैं। उनकी यह आधिकारिक यात्रा सोमवार को प्रारंभ हुई। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यूएई में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल से एक महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच बढ़ते सामरिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और सैन्य कूटनीति को और मजबूत बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान भारत और यूएई के बीच सैन्य स्तर पर पारस्परिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक, सेना प्रमुख की यह यात्रा काफी महत्वपूर्ण है। इस दौरान संयुक्त अभ्यासों के दायरे को विस्तृत करने, रक्षा प्रौद्योगिकी तथा लॉजिस्टिक सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में नई संभावना तलाशने तथा रणनीतिक साझेदारी को अगले चरण तक ले जाने पर विशेष ध्यान दिया जा सकता है। बता दें कि भारत और यूएई के संबंध पिछले कुछ वर्षों में अत्यंत मजबूत हुए हैं। दोनों देशों

के बीच रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठता लगातार बढ़ रही है। जनरल द्विवेदी की यह यात्रा दोनों देशों की सामरिक प्रतिबद्धता और क्षेत्रीय सुरक्षा में संयुक्त योगदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की यह यात्रा विदेशी मित्र राष्ट्रों के साथ रक्षा सहयोग एवं सैन्य संबंधों को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वह 5 से 8 जनवरी तक संयुक्त अरब अमीरात एवं श्रीलंका की यात्रा पर हैं।

यूएई की यात्रा के बाद जनरल उपेंद्र द्विवेदी 7 और 8 जनवरी को श्रीलंका की यात्रा करेंगे। यूएई में जनरल द्विवेदी के आगमन पर यूएई थल सेना द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अपने यूएई प्रवास के दौरान, सेना प्रमुख यूएई सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। इनमें यूएई थल सेना के कमांडर भी शामिल हैं। वह यूएई सेना की संरचना, भूमिकाओं एवं क्षमताओं की जानकारी भी प्राप्त करेंगे।

जनरल द्विवेदी यहां प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। आर्मी चीफ यूएई के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय भी जाएंगे। यहां भारतीय सेना प्रमुख सभी अधिकारियों को संबोधित करेंगे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, पेशेवर सैन्य संबंध एवं रणनीतिक समझ को और मजबूत करना है।

बीते दिनों संयुक्त अरब अमीरात की थलसेना के कमांडर मेजर जनरल यूसुफ मयूफ सईद अल हल्लामी आधिकारिक यात्रा पर भारत आए थे। उनकी यह आधिकारिक अक्टूबर महीने के अंत में हुई थी। उनकी यह यात्रा दोनों सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने में एक अहम मील का पत्थर रही। अपनी इस यात्रा के दौरान मेजर जनरल अल हल्लामी ने भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की थी।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का सपना अब पीएम मोदी के कार्यकाल में हो रहा है पूरा : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, 05 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति और सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक पुनर्निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के समय जो समृद्धि का सपना देखा गया था, वह आज वर्तमान सरकार के कार्यकाल में धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। साल 2026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले बड़े हमले को 1000 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर को मंदिर की अडिग भावना और भारत की सांस्कृतिक ताकत के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है। इतिहास में देखा जाए तो मंदिर कई बार हमलों के बावजूद हमेशा फिर से खड़ा हुआ। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, मैं याद दिलाना चाहता हूं कि सोमनाथ के पुनर्निर्माण के दौरान भारत के पहले राष्ट्रपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ के अभिषेक की सच्ची पूर्णता तब होगी जब इसकी समृद्धि उस स्तर पर बहाल हो जाएगी जिसने कभी हमले को आकर्षित किया था।त्रिवेदी ने कहा कि अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत उस समृद्धि की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। देश का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना इस लंबे समय से रखे गए सपने का असली प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि 1951 में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था, जबकि उस समय प्रधानमंत्री जवाहरलाल

नेहरू ने इस पर आपत्ति जताई थी। आज यह सपना डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति का प्रमाण है, जिन्होंने पीएम की आपत्ति के बाद भी मंदिर का पुनर्निर्माण होने दिया।

उन्होंने आगे कहा, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत समृद्धि की दिशा में बढ़ रहा है और यह सपना अब लगभग पूरा होने के कगार पर है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में जो दृष्टि थी, वह अब हकीकत बनने वाली है।इससे पहले, पीएम मोदी ने अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की पवित्र जिम्मेदारी सरदार वल्लभभाई पटेल पर थी। 1947 में दीपावली के समय सरदार पटेल का मंदिर स्थल पर जाना उन्हें बहुत प्रभावित कर गया था और इसी वजह से मंदिर को उसी स्थान पर फिर से बनाने का निर्णय लिया गया।मोदी ने लिखा, 11 मई 1951 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में एक भव्य सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। महान सरदार साहब इसे देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनके सपने की पूर्ति पूरे देश के सामने थी। उस समय प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस विकास को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि राष्ट्रपति और मंत्री इस विशेष कार्यक्रम से जुड़ें। उनका कहना था कि यह घटना भारत की छवि पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। लेकिन डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मजबूती से निर्णय लिया और इतिहास बन गया।उस समय पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, सरदार पटेल, के.एम. मुन्शी और राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद मंदिर के पुनर्निर्माण के बड़े समर्थक थे। मंदिर का निर्माण जनता के दान से किया गया, सरकार के फंड का इस्तेमाल नहीं हुआ।प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 2026 में सोमनाथ मंदिर पर पहले हमले को 1000 साल पूरे हो रहे हैं। मंदिर आज भी भारतीय आत्मा की शाश्वत घोषणा की तरह खड़ा है। उन्होंने कहा कि नफरत और कट्टरता भले ही किसी पल के लिए कुछ नष्ट कर सकती है, लेकिन अच्छाई में विश्वास और दृढ़ संकल्प हमेशा के लिए निर्माण करने की ताकत रखते हैं।

त्रिवेदी और भाजपा ने इस अवसर को देश की सांस्कृतिक ताकत और आर्थिक प्रगति के प्रतीक के रूप में देखा। उन्होंने कहा कि जिस तरह सोमनाथ मंदिर को बार-बार विनाश के बाद फिर से बनाया गया, उसी तरह भारत भी कठिनाइयों के बावजूद विकास और समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को साइबर ठगों से किया सावधान, कहा- बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

लखनऊ,05 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश की जनता के नाम एक पत्र 'योगी की पाती' लिखा। इस पत्र के जरिए उन्होंने 'साइबर अपराध की चुनौतियों' को लेकर प्रदेश की जनता को आगाह किया है। सीएम योगी ने बताया कि इसे रोकने के लिए सरकार कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। सीएम योगी ने पत्र में लिखा, मोबाइल और कंप्यूटर ने हमारे जीवन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाया है, परंतु इसके साथ ही साइबर अपराध की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आपकी सरकार इसकी रोकथाम के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि 2017 से पूर्व प्रदेश में केवल 2 साइबर क्राइम थाने थे। आज सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने क्रियाशील हैं। साथ

ही सभी जनपदीय थानों में साइबर हेल्प डेस्क बनाई गई है। साइबर ठगों के विरुद्ध सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़े शस्त्र हैं। ये अपराधी 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे झूठे और भ्रामक शब्दों का प्रयोग कर निर्दोष नागरिकों को डराते-धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। देश के किसी भी कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। पुलिस या अन्य कोई सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल, वॉट्सऐप, या सोशल मीडिया के माध्यम से किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है।

सीएम योगी ने पत्र में कहा कि सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर भी सावधान रहना होगा। आप जो तस्वीरें, वीडियो या लोकेशन सार्वजनिक करते हैं, उसके माध्यम से अपराधी पहले आपके बारे में सूचनाएं जुटाते हैं और इन्हीं सूचनाओं को आपके विरुद्ध प्रयोग करते हैं। अपनी व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। सावधानी के पश्चात भी यदि आपके साथ साइबर अपराध हो जाता है, तो सर्वप्रथम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर रिपोर्ट करें।

सीएम योगी ने आगे कहा कि जितना जल्दी आप पुलिस को सूचित करेंगे, बचाव की संभावना भी उतनी ही अधिक होगी। जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को।

पीएम मोदी का लेख आने वाली पीढ़ियों में जगाएगा इतिहास-बोध और राष्ट्र-गौरव : अवधेशानंद गिरि

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)। पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने सोमवार को सोमनाथ विध्वंस के 1,000 साल पूरे होने पर पीएम मोदी के पोस्ट पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि आपका यह लेख आने वाली पीढ़ियों में इतिहास-बोध और राष्ट्र-गौरव के जागरण का सबल माध्यम सिद्ध होगा। पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री, आपका यह आलेख स्मरण कराता है कि सोमनाथ केवल एक तीर्थ ही नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा का प्रतीक है। समय-समय पर आए प्रहारों के बीच भी जिस श्रद्धा और समर्पण ने इसे पुनः उठाया, वही हमारी सभ्यता का अदम्य साहस है। आपका यह लेख आने वाली पीढ़ियों में इतिहास-बोध और राष्ट्र-गौरव के जागरण का सबल माध्यम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि एक हजार साल पहले विदेशी आक्रमणकारी गजनी के महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया था। ये आक्रमण हमारे मंदिर पर नहीं था, ये हमारी संस्कृति और उस संस्कृति पर था जो पूरा देश अपना मानता है। तब से मंदिर निर्माण के अनेक प्रयास हुए हैं। लगभग 75 वर्ष पहले इसका निर्माण हो पाया था। आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लेख भारत के गौरवशाली अतीत का स्मरण करता है।

मशहूर आध्यात्मिक गुरु और पद्म भूषण से सुशोभित श्री एम ने कहा कि सोमनाथ का ज्योतिर्लिंग शुद्ध प्रकाश से बना है और उसे कोई भी नष्ट नहीं कर सकता। लगभग 1,000 वर्ष पूर्व, महमूद गजनी ने सोमनाथ को तोड़ा और उजाड़ा था, जिस दिन को हम आज पीड़ा के साथ स्मरण करते हैं। लेकिन क्या सोमनाथ को, जो स्वयं एक ज्योति है, नष्ट किया जा सकता है? आज भी हम गुजरात में सोम के भगवान को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी के विचार से सहमत हूं।

सनातन की अटूट शक्ति का संदेश देगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सरदार पटेल के संकल्प से खड़ा हुआ मंदिर आज भी आस्था का केंद्र

सोमनाथ, 05 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय पूरा होने जा रहा है। वर्ष 1026 ईस्वी में सोमनाथ मंदिर पर हुए विदेशी हमले को जनवरी 2026 में पूरे 1,000 वर्ष हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत सरकार की ओर से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का स्थानीय ब्राह्मण समुदाय, तीर्थ पुरोहितों और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं ने खुले दिल से स्वागत किया है। सोमनाथ मंदिर के तीर्थ पुरोहितों और सोमपुरा ब्राह्मण समुदाय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पहल की प्रशंसा की है। उनका कहना है कि एक हजार साल पहले सोमनाथ की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों को स्मरण करना केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। पुरोहितों के अनुसार, इस कार्यक्रम से युवाओं में भारतीय संस्कृति, परंपरा और सनातन धर्म की समझ

गहरी होगी। सोमनाथ मंदिर का इतिहास केवल एक मंदिर का इतिहास नहीं है, बल्कि यह सनातन धर्म की अटूट शक्ति और निरंतर पुनर्जन्म की कहानी है। इतिहास गवाह है कि कई बार यवन आक्रमणकारियों ने इस पवित्र स्थल को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन हर बार यह मंदिर पहले से अधिक भव्य रूप में खड़ा हुआ। यही कारण है कि आज भी सोमनाथ मंदिर दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।स्कंद पुराण के अनुसार, प्रभास क्षेत्र का विशेष महत्व है। यह क्षेत्र उत्तर में 126 किलोमीटर, पूर्व में तुलसीश्याम तक 111 किलोमीटर, पश्चिम में माधवपुर और दक्षिण में समुद्र के दक्षिणी ध्रुव तक फैला हुआ माना जाता है। मान्यता है कि यही वह भूमि है जहां भगवान श्रीकृष्ण 56 करोड़ यदुवंशियों के साथ आए थे और यहीं देहोत्सर्ग किया था। दक्षिण दिशा को पितृलोक से जोड़े जाने के कारण इस स्थान को 'मोक्षस्थल' भी कहा जाता है। भारत की आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने लिया था। वर्ष 1947 में उन्होंने समुद्र का जल हाथ में लेकर यह प्रण किया कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाएगा। जनता के सहयोग और जन-धन से बना यह भव्य मंदिर आज लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। स्थानीय लोग गर्व से कहते हैं, सोमनाथ दादा के दर पर जो रोता हुआ आता है, वह मुस्कुराता हुआ जाता है।

भस्त्रिका से लेकर भ्रामरी तक, मलाइका अरोड़ा ने बताया कैसे ये प्राणायाम बदल सकते हैं सेहत

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और योग से जुड़ी जानकारी साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में सोमवार को मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्राणायाम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने उन महत्वपूर्ण प्राणायामों का जिक्र किया जो तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कैप्शन में पांच प्रमुख प्राणायामों के नाम साझा किए। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जिन पांच प्रमुख प्राणायाम का जिक्र किया, उनमें भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ शामिल हैं। ये सभी प्राणायाम वह वीडियो में करती नजर आ रही हैं, साथ ही इनके फायदों को भी बता रही हैं।

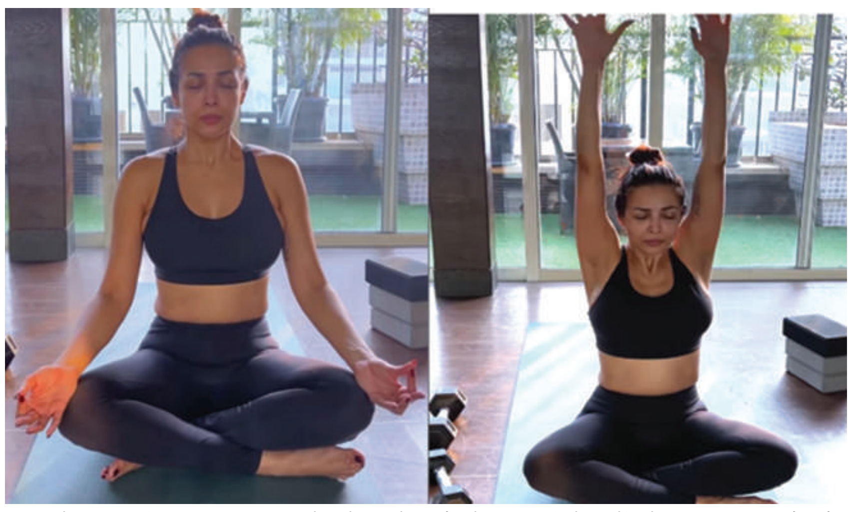

भस्त्रिका प्राणायाम– भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है, शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। लेकिन ध्यान रहे कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या सांस की समस्या वाले लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न करें, क्योंकि इसमें तेज सांस लेने से सिर में चक्कर, कमजोरी या सांस फूलने की समस्या हो सकती है।

कपालभाति– कपालभाति में सांस जोर से बाहर निकाली जाती है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यह पाचन सुधारता है, पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन पेट या डायफ्राम की समस्या वाले लोग, या गर्भावस्था के दौरान, यह अभ्यास न करें; इससे पेट या छाती में तकलीफ बढ़ सकती है।

अनुलोम विलोम– अनुलोम विलोम में नाक से धीरे-धीरे सांस ली और छोड़ी जाती है। यह प्राणायाम मानसिक शांति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद सुधारने में मदद करता है। लेकिन अगर किसी को सांस की समस्या, ब्लड प्रेशर या हृदय रोग है, तो बिना प्रशिक्षक की मदद के अनुलोम विलोम करना सही नहीं है। गलत तरीके से अभ्यास करने पर चक्कर, सांस फूलना या थकान हो सकती है।

भ्रामरी– भ्रामरी में सांस छोड़ते समय भौंरे के गुंजन जैसी आवाज निकलती है। यह दिमाग को शांत करता है, सिरदर्द और मानसिक तनाव कम करता है। इसके फायदे अनेक हैं, लेकिन कान में समस्या, अत्यधिक शोर या सिर सिरदर्द होने पर इसे करने से नुकसान हो सकता है। तेज आवाज के साथ करना या बहुत ज्यादा देर तक करना सिरदर्द बढ़ा सकता है।

उद्गीथ– उद्गीथ में गहरी सांस लेकर धीरे-धीरे आवाज के साथ छोड़ी जाती है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है। हालांकि, अगर किसी को सांस लेने में तकलीफ है या गले में समस्या है, तो उद्गीथ प्राणायाम करने से गले में जलन, खांसी, या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है।

'द अमेजिंग अप्सरा' ने जीती 'इंडियाज गॉट टैलेंट' सीजन 11 की ट्रॉफी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के लोकप्रिय रियलिटी शो इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 11 का ग्रैंड फिनाले धूमधाम से संपन्न हो चुका है। मेकर्स ने इस सीजन के विनर की घोषणा कर दी है। कोलकाता के डांस ग्रुप 'अमेजिंग अप्सरा' के सिर जीत का ताज सजा है। अपनी अनोखी और हैरतअंगेज परफॉर्मेंस से जजों और दर्शकों का दिल जीतने वाली द अमेजिंग अप्सरा को विनर ट्रॉफी के साथ 15 लाख रुपए की नकद इनामी राशि, स्कोडा कार के साथ स्पॉन्सर्स की ओर से कई आकर्षक गिफ्ट्स मिले हैं। सिक्किम का म्यूजिक बैंड 'साउंड ऑफ सोल्स' इस रेस में दूसरे स्थान पर और हिडेन फायर तीसरे स्थान पर रहा। इस सीजन में फाइनल तक का सफर काफी रोमांचक रहा। टॉप 7 फाइनलिस्ट्स में अमेजिंग अप्सरा के साथ वी कंपनी, आकाश और अभिषेक, नेपाल टाइगर्स, क्लासिक क्वींस, विक्की कृष्णा और कैलिबॉयज शामिल थे। ये सभी प्रतिभागी अलग-अलग तरह के हुनर लेकर आए थे। कोई डांस ग्रुप था, तो कोई स्टंट और एक्रोबैटिक एक्ट्स में माहिर। लेकिन अंत में अमेजिंग अप्सरा ने बाजी मार ली।

अमेजिंग अप्सरा का अनोखा और चौंकाने वाला डांस एक्ट देखकर दर्शकों के साथ ही जज भी हैरान हुए। ऑडिशन से लेकर फिनाले तक उन्होंने हर बार कुछ नया और शॉकिंग दिखाया। जजों ने उनकी परफॉर्मेंस को अद्भुत और अकल्पनीय बताया।

शो के जज थे नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान। इन तीनों ने पूरे सीजन में प्रतिभागियों को सही फीडबैक दिया और मोटिवेट किया। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने मजेदार कमेंट्स से माहौल को हल्का रखा, मलाइका अरोड़ा डांस एक्ट्स पर गहराई से राय देती थीं, जबकि शान संगीत और परफॉर्मेंस की बारीकियां समझाते थे। होस्ट थे हर्ष लिंबाचिया, जो अपनी कॉमेडी से शो को और मजेदार बनाते रहे।

ग्रैंड फिनाले को और खास बनाने के लिए स्पेशल गेस्ट के तौर पर कई सितारे पहुंचे। इनमें अभिनेत्री करिश्मा कपूर, अभिनेता इमरान हाशमी, मशहूर शेफ रणवीर बरार और विकास खन्ना शामिल थे। इन गेस्ट्स ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की और अपने परफॉर्मेंस से स्टेज पर रौनक बिखेरी। वहीं, करिश्मा कपूर ने पुराने हिट गानों पर डांस किया।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर : डायना पेंटी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने आईएएनएस से बात की। अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, ''एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।''

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है।

डायना ने कहा, ''इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।''

तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, ''हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है।''

उन्होंने कहा, ''मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है।''

डायना ने कहा, ''कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

सिंगल पापा का आ रहा है दूसरा सीजन फैमिली कॉमेडी का मजा होगा दोगुना

फैमिली कॉमेडी वेब सीरीज 'सिंगल पापा' दर्शकों के बीच मजेदार कहानी और किरदारों के कारण लोकप्रिय हो रही है। कुणाल खेमू के मुख्य किरदार गौरव और छोटे से बच्चे अमूल के साथ गहलोत परिवार की कहानी ने दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ा है। शो की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह नेटफ्लिक्स पर दो हफ्ते तक लगातार ट्रेंड करता रहा। इस बीच अब 'सिंगल पापा' के दूसरे सीजन की चर्चा शुरू हो गई है, यानी दर्शकों को जल्द ही गौरव और उसके परिवार के नए रोमांच देखने को मिलेंगे। 'सिंगल पापा' के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शशांक खेतान ने बताया कि यह कहानी शुरू से ही परिवार को केंद्र में रखकर सोची गई थी। उन्होंने कहा, ''दर्शकों का प्यार और जुड़ाव इस बात का सबूत है कि यह कहानी केवल एक सीजन में खत्म नहीं हो सकती। सीजन 2 में दर्शकों को परिवार की नई चुनौतियां, रिश्तों की मिठास और खुशियों का विस्तार देखने को मिलेगा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना काफी मजेदार रहा।''

इस सीरीज में कुणाल खेमू के अलावा, प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहैल नय्यर, दयानंद शेट्टी, आयशा अहमद, ध्रुव राठी, और ईशा तलवार जैसे कई कलाकार भी हैं। यह पूरी टीम मिलकर शो को और मजेदार और दिलचस्प बनाती है।

कहानी कुणाल खेमू के किरदार गौरव गहलोत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कभी-कभी बच्चे जैसा व्यवहार करता है। कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आता है जब गौरव अपने तलाक के तुरंत बाद एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार चौंक जाता है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, ''दर्शकों का प्यार और उनकी प्रतिक्रिया ने दिल को छू लिया। लोगों ने शो देखकर हंसी, भावनाएं, गोद लेने, प्यार और परिवार जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस कहानी का इतनी जल्दी नंबर 1 बनना और ग्लोबल ट्रेंड करना यह दिखाता है कि सच्ची और सरल भावनाएं हमेशा दर्शकों से जुड़ती हैं।''

मास्टरशेफ इंडिया का नया सीजन इस थीम पर होगा आधारित

मिलेगा कुकिंग और एंटरटेनमेंट का नया अनुभव

लोकप्रिय रियलिटी शो 'मास्टरशेफ इंडिया' का सीजन 9 सोमवार से सोनी टीवी पर ऑन एयर हो गया है। यह सोनी लिव पर भी उपलब्ध होगा। इस सीजन में दर्शकों को पहले से भी अधिक रोमांचक और मनोरंजक कंटेंट देखने को मिलेगा। शो की शुरू से खासियत रही है कि इसमें केवल कुकिंग की प्रतियोगिता नहीं होती, बल्कि प्रतिभागियों की मेहनत, रचनात्मकता और संघर्ष की कहानियां भी सामने आती हैं। सीजन 9 में इस पर और फोकस किया गया है। शो में प्रतिभागी अपने क्षेत्र, परिवार और अपनी परंपराओं का प्रतिनिधित्व करेंगे और हर चुनौती के जरिए भारत की विविधता को दिखाने की कोशिश करेंगे। सीजन 9 का थीम 'प्राइड ऑफ इंडिया' है, जिसका मकसद सिर्फ स्वाद को ही नहीं, बल्कि उनके पीछे की वैल्यूज और यात्राओं को भी दिखाना है।

इसमें प्रतियोगियों को चुनौती दी जाएगी कि वे नए-नए और क्रिएटिव तरीके से व्यंजन बनाएं। प्रतियोगियों को हर एपिसोड में अलग-अलग टास्क और चैलेंज दिए जाएंगे, जिनमें उनकी कुकिंग स्किल, क्रिएटिविटी और टाइम मैनेजमेंट की परीक्षा ली जाएगी। शो में जजों की भूमिका इस बार भी महत्वपूर्ण है। रणवीर बरार, विकास खन्ना और कुणाल कपूर जज रहेंगे। इस सीजन में कुणाल कपूर की वापसी ने दर्शकों को और ज्यादा उत्साहित कर दिया है।

शो के हर एपिसोड में दर्शकों को रोमांचक चैलेंज, प्रतियोगियों की मेहनत और नए व्यंजनों की रेसिपी देखने को मिलेंगी। इस बार शो में कई ऐसे टास्क होंगे, जहां प्रतिभागी जोड़ी बनाकर काम करेंगे। यह साझेदारी, टीमवर्क और रचनात्मक सोच का एक नया अध्याय लेकर आएगा।इस बार का सीजन न केवल प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देगा, बल्कि दर्शकों को खाना बनाने की नई प्रेरणा भी देगा। प्रतियोगियों की मेहनत, उनकी क्रिएटिविटी और जजों के सुझाव के साथ यह शो दर्शकों को कुकिंग के प्रति प्रेरित करता है।शो को लेकर रणवीर बरार ने कहा, ''मैं चाहता हूं कि हर प्रतिभागी अपने खाने में अपने भारत की झलक दिखाए, वो भारत जो परंपरा और आधुनिकता, सरलता और विविधता, साहस और जिज्ञासा इन सभी का मेल है।

सात समंदर पार भी सुरभि चंदना को सता रही मुंबई की याद, कहा

मेरा मन वापस शहर लौटने का कर रहा है

मुंबई सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यहां रहने वालों के लिए एक एहसास है। जो एक बार मुंबई में रह लेता है, वह चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, इस शहर की याद उसे खींच ही लाती है। कुछ ऐसा ही लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना के साथ हुआ। सात समंदर पार विदेश यात्रा पर गई सुरभि अपने शहर और खासतौर पर मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को याद कर इमोशनल हो उठी, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा की। सुरभि चंदना ने रविवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से देश से बाहर हैं और अब उन्हें मुंबई की छोटी-छोटी चीजों की बहुत याद आने लगी है। इस वीडियो में सुरभि ने मजेदार अंदाज में दिखाया कि कैसे विदेश की शानदार जगहों और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी उनका दिल मुंबई के ट्रैफिक, वड़ा पाव और सड़कों के गड्ढों तक को मिस कर रहा है। वीडियो में सुरभि ने साल 2006 में आई फिल्म 'शादी से पहले' के एक मशहूर डायलॉग का इस्तेमाल किया। इस फिल्म में सुनील शेट्टी का किरदार अपने शहर के लिए तड़पता हुआ दिखता है, और उसी भावना को सुरभि ने मजेदार ट्विस्ट के साथ पेश किया।

वीडियो में वह कहती नजर आती कि अब उनका मन वापस मुंबई लौटने का कर रहा है, ताकि वह अपने शहर की रौनक और वहां की जिंदगी को फिर से जी सकें। वीडियो के ऊपर उन्होंने टेक्स्ट में लिखा, ''15 दिन विदेश में बिताने के बाद अब मुंबई की असली पहचान याद आने लगी है। ट्रैफिक, वड़ा पाव और गड्ढे देखने की तलब लग रही है।''

सुरभि ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, मुंबई, वड़ा पाव, तेरी याद आ गई।सुरभि के पोस्ट पर दिशा परमार ने लिखा– 'बहुत अच्छे।'

मोनालिसा ने लिखा, 'ट्रैफिक और गड्ढे देखने की तलब... हाहाहा मजेदार वीडियो है।'

सूर्य-चंद्रमा का दुर्लभ योग से इन राशियों को होगा अपार धन लाभ

आज यानी 6 जनवरी, मंगलवार के दिन सूर्य और चंद्रमा मिलकर बेहद ही शुभ सम योग का निर्माण कर रहे हैं। वैदिक ज्योतिष में इस बहुत प्रभावशाली योग माना जाता है। सूर्य इस समय धनु राशि में हैं, जबकि चंद्रमा कर्क राशि में गोचर करते हुए सूर्य से अष्टम भाव में संचार करेगा। ग्रहों की इस स्थिति के कारण कल दिन के पहले भाग में सम योग बनेगा। इस योग के प्रभाव से करियर में तरक्की, मान-सम्मान, धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। मेष, मिथुन, सिंह सहित कई राशियों के जातकों के लिए यह समय दोनों हाथों से लाभ बटोरने का है। दिन के शुरुआत में सोच-समझकर किया गया कार्य लाभ देगा, जबकि जल्दबाजी में लिया गया कोई गलत फैसला नुकसान का कारण बन सकता है।

मेष –मेष राशि वालों के लिए करियर के लिहाज से आज का दिन समझदारी से काम लेने का है। काम को योजनाबद्ध तरीके से करेंगे तो व्यापार या नौकरी से जुड़ी परेशानियों पर आसानी से नियंत्रण पा सकेंगे। कार्यक्षेत्र में जो लोग आपका विरोध करते हैं जरूरत पड़ने पर वही आपके लिए खड़े नजर आएंगे। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि किसी से भी बेवजह उलझने से बचें। छोटे-छोटे काम भविष्य में बड़े लाभ लेकर आएंगे। हालांकि, आपको जल्दबाजी से बचना होगा।

वृष –वृष राशि वालों के लिए आज का दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। कई जिम्मेदारियों के एक साथ सामने आने से मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। दिन आपके लिए मिली जुला फल देने वाला है। कुछ मामलों में जोखिम उठाने से लाभ के द्वार खुलेंगे। सोच-समझ कर लिया गया फैसला भविष्य में लाभ देगा।

मिथुन –आज आपको अपने निजी जीवन पर ध्यान देने का समय मिलेगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए काम करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अभी की हुई आपकी छोटी-छोटी तैयारियां आगे बड़े काम की साबित होंगी। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम रहेगा। इससे खुद के लिए भी समय निकालने का अवसर मिलेगा।

कर्क –आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए काफी व्यस्त रहने वाला है। किसी यात्रा की योजना बनानी पड़ सकती है। इससे आपके नए संपर्क भी बनेंगे। भागदौड़ के बावजूद दिन आपके लिए उपयोगी साबित होने वाला है। सही लोगों से संपर्क आपके करियर को नई दिशा देगा।

सिंह –सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन काम और निजी इच्छाओं के बीच संतुलन बनाने का है। लगातार मेहनत के कारण मन कभी ऊब सकता है। ऐसे में मनोरंजन की ओर झुकाव बढ़ेगा। भाग्य का धीरे-धीरे आपको साथ मिलेगा। इसके लिए आपको सही दिशा में प्रयास करते रहना होगा। काम के साथ खुद के लिए भी समय निकालना होगा।

कन्या –कन्या राशि वालों को प्रेम, रोमांस और भाग्य पर थोड़ा कम ध्यान देना होगा। इसका असर आपके करियर और पारिवारिक जीवन पर भी पड़ता दिख रहा है। अगर आप मन लगाकर काम करेंगे तो घर के लोगों को का समर्थन मिलेगा। करीबी लोग आपसे थोड़े नाराज रह सकते हैं। बेहतर होगा कि अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लें।

तुला –तुला राशि वालों को आज अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ कर्मचारियों के प्रति जिम्मेदारियों पर भी ध्यान देना होगा। लापरवाही करने पर कोई समस्या खड़ी हो सकती है। करियर में स्थिरता बनाए रखने के लिए अन-ुशासन जरूरी है। समय पर लिए गए फैसले आपको अनावश्यक तनाव से बचाएंगे।

वृश्चिक –आपको जीवन में इस समय उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मन में कई तरह की उलझन पैदा हो सकती हैं। आपके स्वभाव के कारण मन कभी प्रेम तो कभी विरोध की भावना में उलझा रहेगा। इससे कामकाज में अस्थिरता आ सकती है। जरूरी है कि भावनाओं पर नियंत्रण रखें और फैसले सोच-समझकर लें। स्थिरता बनाए रखने से ही करियर में सही दिशा मिल पाएगी।

धनु –धनु राशि वालों को अपने पारिवारिक और दांपत्य जीवन को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। करियर पर इसका असर भी दिख सकता है। कुछ जातक अपने प्रेम संबंधों को विवाह में बदलने की दिशा में सोच सकते हैं। समझदारी से लिए गए निर्णय आगे चलकर स्थायित्व और संतोष देंगे।

मकर –मकर राशि वालों के लिए आज का दिन करियर और पारिवारिक जीवन दोनों पर ध्यान देने का है। नौकरीपेशा लोगों को सराहना या पुरस्कार मिल सकता है। घर का माहौल शांत और सकारात्मक रहेगा। यह संतुलन आगे चलकर आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। जिम्मेदारियों को निभाते हुए आगे बढ़ने का यह अच्छा समय है।

कुंभ –कुंभ राशि वालों को आज अपने मन और वाणी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसी साथी या पड़ोसी की बात आपको अचानक उत्तेजित कर सकती है। ऐसे में विवाद से बचना ही बेहतर रहेगा। यदि मतभेद हो भी जाएं, तो सुलह का रास्ता खुला रखें। संयम और समझदारी से काम लें।

मीन –मीन राशि वालों को बृहस्पति का सहयोग मिलेगा। इससे कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और पहचान बढ़ सकती है। मेहनत और लगन के साथ काम करने से उन्नति के बड़े अवसर मिलेंगे। मजबूत इच्छाशक्ति से आप सफलता की नई-नई ऊंचाइयों को छू पाएंगे। इस समय मेहनत का फल अब धीरे-धीरे सामने आने लगेगा।

मकर संक्रांति से पहले शुक्र गोचर मकर राशि में, मेष सहित ये पांच राशियां पाएंगी नौकरी व्यापार में लाभ

शुक्र गोचर मकर राशि में होने जा रहा है। 13 जनवरी मकर संक्रांति से पहले शुक्र मकर राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शुक्र का यह गोचर कई राशियों के लिए बहुत ही शुभ रहने वाला है। दरअसल, शुक्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करेंगे और ज्योतिष शास्त्र में शुक्र और शनि के मित्रतापूर्ण संबंध बताए गए हैं। ऐसे में यह गोचर मेष, वृषभ सहित 5 राशियों के लिए बहुत ही शुभ रहेगा। इन राशियों को मान सम्मान के साथ साथ कोई अधूरी इच्छा पूरी हो सकती है। साथ ही इन राशियों की कोई अधूरी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। साथ ही आपको भाग्य का भी साथ मिलेगा। इन राशियों को यात्रा से लाभ भी मिलेगा।

मेष राशि को मिलेगा साढ़ेसाती से राहत

शुक्र का गोचर मेष राशि के लोगों के दसवें भाव में हो रहा है। वैसे तो इस समय मेष राशिवालों की साढ़ेसाती चल रही है। ऐसे में शुक्र के गोचर से आपको आराम मिलने लगेगा। साथ ही तनाव में भी कमी आएगी। इस दौरान आपको भाग्य का साथ मिलने लगेगा। करियर के लिहाज से देखें तो आपको नई पहचान मिल सकती है। वैसे तो इस दौरान आपके खर्चे रहेंगे लेकिन, आपकी कमाई के साधन भी बने रहेंगे। इस गोचर के दौरान आपको समय समय पर लाभ भी मिलता रहेगा।

वृषभ राशि को मिलेगा भाग्य का साथ

वृषभ राशि के लोगों के लिए शुक्र का गोचर आपके 9वें भाव में होने वाला है। भाग्य आपका साथ देगा। आपकी राशि स्वामी शुक्र आपकी राशि में बैठकर आपको विदेश यात्रा का सुख दे सकते हैं। इस दौरान आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। साथ ही करियर में भी सफलता मिलने की संभावनाएं हैं। आपको प्रमोशन मिलने के साथ साथ सीनियर्स ज्यादा पहचान मिलेगी। शुक्र की कृपा से आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आर्थिक रुप दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इस दौरान आपको सलाह है कि अपने जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा साथ ही आपको आर्थिक रुप से आप काफी मजबूत महसूस करेंगे।

कर्क राशि मिलेगी अच्छी ग्रोथ

कर्क राशि के लोगों के लिए शुक्र का गोचर 7वें भाव में होने जा रहा है। शुक्र के इस गोचर से कर्क राशि के लोगों को एक के बाद एक कई यात्रा करना का मौका मिलेगा। आप इस अवधि कई यात्राएं कर सकते हैं। आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होने की संभावनाएं भी हैं। करियर में आपको अच्छी ग्रोथ मिल सकती है। साथ ही नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को नए मौके मिल सकते हैं। व्यापारी वर्ग के जातक नई डील्स भी कर सकते हैं। आपको इस अवधि में पहले से ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। आप पर काम भी पहले के मुकाबले अब ज्यादा रहेगा।

कन्या राशि मिलेगा अच्छा मुनाफा

शुक्र का गोचर आपकी राशि से पांचवें भाव में होने जा रहा हैं। ऐसे में बिज़नेस में मुनाफे और नए अवसरों से संतुष्टि मिल सकती है। आर्थिक रूप से देखें तो इस गोचर के दौरान आप ज्यादा पैसा जमा कर सकते हैं और इसके अच्छे मौके मिल सकते हैं। जो लोग निवेश आदि से संबंधित काम करते हैं उन्हें अच्छा लाभ मिल सकता है। साथ ही रिश्ते को मामले में देखे तो आपके रिश्ते अपना करीबियों के साथ पहले से काफी अच्छे होंगे। सेहत के लिहाज से देखें तो आपकी सेहत पहले के मुकाबले काफी अच्छी रहेगी। आपका स्टेमिना और रोग प्रतिरोधक क्षमता पहले से काफी अच्छी रहेगी।

मकर राशि आपकी इच्छाएं होंगी पूरी

शुक्र का गोचर मकर राशि में पहले भाव में यानी लग्न भाव में होने जा रहा है। आपकी सारी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। साथ ही आप अपने सहकर्मियों और सीनियर्स का भी आपको सहयोग मिलेगा। वहीं, आपको काफी बड़ा मुनाफा मिल सकता है। साथ ही करियर के लिहाज से देखें तो आपको नौकरी में नए मौके मिल सकते हैं। आपको अपने सीनियर्स और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। यह समय आपके लिए मुनाफा बढ़ाने के साथ साथ आपकी कमाई को बढ़ाने के लिए भी काफी अच्छा रहेगा। आपको कमाई के ज्यादा मौका मिलेंगे। इस अवधि में आप पहले से ज्यादा बचत कर पाएंगे।

विघ्न विनाशन को प्रसन्न करने का अद्भुत दिन, ऐसे करें पूजन

सनातन धर्म में माघ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सकट चौथ या संकष्टी चतुर्थी का पर्व श्रद्धा-भक्ति से मनाया जाता है। यह व्रत विघ्नहर्ता और सुख-समृद्धि के दाता गौरी-पुत्र भगवान गणेश को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से गणेश जी की पूजा और उपवास करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। माताएं विशेष रूप से संतान की लंबी आयु और कल्याण के लिए यह व्रत रखती हैं। चंद्रोदय के बाद चंद्र दर्शन और अर्घ्य देने से व्रत पूर्ण होता है। इस पर्व से संकटों से मुक्ति और परिवार में खुशहाली की कामना की जाती है। दृक पंचांग के अनुसार, इस साल सकट चौथ मंगलवार, 6 जनवरी को मनाई जाएगी। चतुर्थी तिथि 6 जनवरी को सुबह 8 बजकर 1 मिनट से शुरू होकर 7 जनवरी को सुबह 6 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। इस दिन चंद्रोदय रात 8 बजकर 54 मिनट पर होगा।

सकट चौथ का व्रत मुख्य रूप से माताएं अपने पुत्रों की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। उत्तर भारत में इसे सकट चौथ या तिलकुट चौथ भी कहा जाता है, जबकि महाराष्ट्र में लंबोदर संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। इस पर्व का विशेष महत्व है क्योंकि कृष्ण पक्ष की चतुर्थी भगवान गणेश को प्रसन्न करने वाली मानी जाती है।

सकट चौथ पर गौरी पुत्र की पूजा से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। माताएं सकट माता की भी पूजा करती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं। इस दिन उपवास रखकर भक्त संकटों से मुक्ति की कामना करते हैं।

धर्मशास्त्रों में उल्लेखित है कि भगवान गणेश को समर्पित व्रत कैसे रखें। सकट चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है। कई भक्त निर्जला उपवास करते हैं, जबकि कुछ फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके लिए सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और व्रत का संकल्प लें। दिन भर भगवान गणेश का स्मरण करें। शाम को विधिवत पूजन के बाद चंद्र दर्शन करें और दूध, जल से अर्घ्य दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। निर्जला व्रत कठिन लगे तो फल, दूध या अन्य हल्का सात्विक भोजन ले सकते हैं, लेकिन नमक से परहेज करना चाहिए।

संकष्टी चतुर्थी पर भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें। गणेश जी को पंचामृत और जल से स्नान कराने के बाद घी और सिंदूर का लेप लगाएं। इसके बाद जनेऊ, रोली, इत्र, दूर्वा, फूल, चंदन, अबीर, लौंग चढ़ाकर धूप-दीप दिखाएं। गौरी पुत्र को तिल-गुड़ के लड्डू, मोदक या तिलकुट अतिप्रिय हैं, इसका भोग जरूर लगाएं।

पूजन के बाद भगवान गणेश के सामने गं गण गणपतये नमः मंत्र का जाप करें और संकट नाशन गणेश स्त्रोत, गणेश अथर्वशीर्ष स्तोत्र का पाठ करें। व्रत कथा पढ़ें या सुनें। शाम को चंद्रोदय के समय चंद्रमा को दूध मिश्रित जल से अर्घ्य दें। पूजा के बाद भोग प्रसाद बांटें और व्रत का पारण प्रसाद ग्रहण कर करें।

माघ स्नान का क्या है महत्व? माघ मास में जरूर करें ये काम, अनंत फल होगा प्राप्त

माघ स्नान का आरंभ 3 जनवरी, शनिवार को पौष पूर्णिमा के साथ हो चुका है। इस दौरान संगम में स्नान करने का खास महत्व होता है। साथ ही, माघ मास के दौरान दान-पुण्य आदि करने से बेहद उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इसमें स्नान-दान करने से जातक को पापों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, जीवन में हर प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। वहीं, शास्त्रों के अनुसार माघ मास के दौरान कुछ कार्य अवश्य करना चाहिए।

माघ स्नान का महत्व

माघ स्नान का हिंदू धर्म में खास महत्व है। पुराणों में माघ, कार्तिक और वैशाख को बहुत पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इन माह के दौरान तीर्थ स्थान पर स्वदेश में रहकर नित्यप्रित स्ननादि करने से अनंत फल की प्राप्ति होती है। माघ महीने में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर तीर्थराज प्रयागराज में एक माह के कल्पवास से एक कल्प यानी ब्रह्मा के एक दिन का पुण्य प्राप्त होता। साथ ही, माघ मास में संगम में स्नान करना भी बेहद पुण्यकारी माना जाता है।

माघ मास में क्या करना चाहिए

पुराणों के अनुसार, माघ मास के दौरान तीर्थ स्थान पर स्नान और दान अवश्य करना चाहिए। स्नान करने के लिए सबसे श्रेष्ठ समय सूर्योदय का होता है। मान्यता है कि स्नान में जितना विलंब हो उतना ही न्यून फल प्राप्त होता है।

माना जाता है कि स्नान करने के लिए काशी और प्रयागराज सबसे उत्तम है। अगर वहां जाना संभव न हो तो जहां भी स्नान करें वहां इन स्थानों का स्मरण करना चाहिए।

स्नान करते समय 'पुष्करादीनि तीर्थानि गंगाद्याः सरितस्तथा, आगच्छन्तु पवित्राणि स्नानकाले सदा मम।' 'हरिद्वारे कुशावर्ते बिल्वके नीलपर्वते, स्नात्वा कनखले तीर्थे पुनर्जन्म न विद्यते।', 'अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवन्तिका, पुरी द्वारावती ज्ञेयाः सप्तैता मोक्षदायिकाः।', 'गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति, नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् संनिधिं कुरु।' का उच्चारण करें।

माघ मास में वेग से बहने वाली किसी नदी के जल से स्नान किया जा सकता है। इसके अलावा, घर पर नहाने वाले पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं। स्नान करने से पहले 'आपस्त्वमसि देवेश ज्योतिषां पतिरेव च, पापं नाशय मे देव वायनः कर्मभिः कृतम्।' से जल की और 'दुःखदारिद्रयनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च, प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशनम।' से भगवान का ध्यान करें।

स्नान कर के पश्चात, 'सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम, त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्त्रधा।' का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर हरि का पूजन या और ध्यान करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

माघ मास में भगवान का भजन-कीर्तन कराना शुभ माना जाता है। इस दौरान ब्राह्मणों को भोजन कराएं। साथ ही, माघ मास में कंबल, वस्त्र, चादर, जूते, धोती आदि का दान करना अच्छा माना गया है।

माघ मास में क्रोध, मदिरा, तामसिक भोजन आदि का त्याग कर देना चाहिए। इस दौरान भक्ति, पूजा-पाठ और विश्वास भाव के साथ स्नान करें तो अश्वमेधादि के समान फल प्राप्त होता है। साथ ही, सभी प्रकार के पापों का नाश हो सकता है।

घर में खिड़की बनवाते समय न करें ये भूल, वास्तु के इन नियमों का जरूर रखें ख्याल, वरना बढ़ सकती है परेशानी

वास्तुशास्त्र में घर के हर एक कोने के बारे में कुछ खास नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि अगर घर वास्तु के अनुसार बना हो तो इसका सकारात्मक प्रभाव परिवार के सभी सदस्यों के जीवन पर पड़ता है। वहीं, अगर घर की खिड़की से लेकर दरवाजे तक कोई भी वस्तु सही दिशा या स्थान पर न हो तो इसका प्रतिकूल प्रभाव घर और परिवार के जीवन पर भी पड़ सकता है। साथ ही, परेशानियां भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में घर के अंदर खिड़कियां बनवाते समय दिशा, स्थान और कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

खिड़की के दरवाजे से जुड़ा वास्तु

घर में खिड़की लगवाते समय वास्तु के इस नियम का ख्याल जरूर रखें की उसके दरवाजे अंदर की ओर खुलते हों। मान्यता है कि खिड़की के दरवाजे बाहर की ओर खुलना शुभ नहीं होता है। इससे वास्तु दोष लग सकता है। जिसके चलते परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और कार्यों में बाधाएं भी आने लगती हैं।

दक्षिण दिशा में हो खिड़की तो क्या करें

वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा की ओर खिड़की बनवाना शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन किसी कारण आपको दक्षिण दिशा में खिड़की बनवानी पड़े या पहले से इस दिशा में खिड़की हो तो एक बात का ख्याल जरूर रखना चाहिए कि उसे कम से कम ही खोलें। साथ ही, खिड़कियां हमेशा साफ रखें और उसमें से किसी प्रकार की आवाज भी आना शुभ नहीं माना जाता है।

किस दिशा में बनवाएं खिड़की

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में उत्तर दिशा में खिड़की बनवाना सबसे शुभ होता है। मान्यता है कि उत्तर दिशा कुबेर देवता की होती है। ऐसे में इस स्थान पर खिड़की बनवाने से कुबेर देवता की कृपा प्राप्त हो सकती है और घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। साथ ही, धन-दौलत में भी वृद्धि होती है और घर से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं।

पूर्व दिशा भी रहेगी शुभ

उत्तर दिशा के अलावा आप पूर्व दिशा में खिड़कियां बनवा सकते हैं। वास्तुशास्त्र में इस दिशा को बेहद उत्तम माना जाता है। इस स्थान पर खिड़की बनवाने से सूर्य की पहली किरणें घर में प्रवेश करती हैं। साथ ही, इससे सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वास्तु के इस नियम का ध्यान रखने से परिवार के सदस्यों की तरक्की भी हो सकती है।

मुख्य द्वार की ओर ऐसे बनवाएं खिड़कियां

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मेन गेट के दोनों तरफ खिड़कियां होनी भी शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखें की खिड़कियां समान आकार की हों। मान्यता है कि इससे चुंबकीय चक्र पूरा होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। साथ ही, नकारात्मकता घर से दूर रहती है।

खिड़कियों की संख्या का रखें ध्यान

माना जाता है कि घर में खिड़कियां बनवाते समय उनकी संख्या का भी ध्यान अवश्य रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर में खिड़कियों की संख्या हमेशा सम होनी चाहिए जैसे- 2,4,6 आदि। विषम संख्या 3,5,7 आदि में खिड़कियां होना शुभ नहीं माना जाता है। इससे वास्तु दोष लगने की आशंका रहता ही। घर में वास्तु अनुसार खिड़कियां न हो तो इससे जीवन में समस्याएं आ सकती हैं।

संपादकीय

एक राष्ट्रपति अमरीकी बंधक

अमरीका का राष्ट्रपति कोई भी हो, वह किसी भी देश पर हमला करा सकता है, किसी भी संप्रभु एवं स्वतंत्र देश के राष्ट्रपति को अगवा करा अमरीकी जेल में डाल सकता है अथवा फांसी पर लटका सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति किसी भी देश के बेशकीमती संसाधनों, तेल एवं खनिज और सत्ता पर कब्जा कर सकता है। कोई भी देश, रूस और चीन भी, अमरीकी राष्ट्रपति को कोसते रहें अथवा चेतावनियां जारी करते रहें, लेकिन अमरीका ही दुनिया का सबसे 'खूंखार डॉन' है। उसके सामने संयुक्त राष्ट्र आम सभा और सुरक्षा परिषद बिल्कुल नपुंसक और बेमानी हैं। अमरीकी राष्ट्रपति का आदेश ही 'वैश्विक कानून' है। अमरीकी राष्ट्रपति को वहां की संसद (कांग्रेस) और अदालत की भी परवाह नहीं है। वह ही 'वैश्विक साम्राज्यवादी शासक' है। मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला पर गहरी रात में, करीब 2 बजे, चौतरफा हमला करा और वहां के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बेडरूम में ही बंधक बना कर साबित कर दिया है कि दुनिया अमरीका के मुताबिक ही चलेगी। अमरीकी सत्ता को कोई चुनौती नहीं दे सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया कि जो मादुरो के साथ हुआ है, वह किसी के भी साथ हो सकता है। लिहाजा डर, खौफ और खतरा भांपते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेनाओं को अलर्ट कर दिया है और सीमाओं पर तैनाती के आदेश दिए हैं। क्या अगली बारी ईरान के सुप्रीम लीडर की है? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तानाशाह मादुरो को हटाने और नार्को आतंकवाद के अपराध में दंडित करने के लिए ही वेनेजुएला के रक्षा मंत्री के आवास, हवाई अड्डे, एयरबेस, वायुसेना मुख्यालय, सैन्य रणनीतिक कार्यालय आदि पर बम-वर्षा के आदेश दिए हों, दरअसल ऐसा नहीं है। अमरीका की नजरें वेनेजुएला के करीब 305 अरब बैरल तेल के भंडारों और 1.36 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के बेशकीमती खनिजों पर थी। दुनिया के 20-22 फीसदी से अधिक तेल के भंडार वेनेजुएला में हैं। मादुरो को बंधक बनाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें उन्होंने साफ ऐलान कर दिया कि अब वेनेजुएला पर अमरीका का कब्जा है। जो ऑपरेशन किया गया, वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा ऑपरेशन था। अब वेनेजुएला के तेल कारोबार को अमरीकी कंपनियां ही देखेंगी। अमरीका खूब पैसा कमाएगा। मादुरो के शासन में अमरीकी तेल की चोरी की गई। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमरीका में ही मुकदमा चलाया जाएगा। हम मादुरो को कड़ी सजा दिलवाएंगे। अमरीका ने पनामा के तानाशाह राष्ट्रपति मैनुअल नोरिएगा, ग्रेनेडा के शासक, इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन, लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी आदि को गिरफ्त में लेकर जो बर्ताव किया था, संभवतः वही नियति मादुरो की लगती है। अमरीकी विशेष कमांडोज ने ही अलकायदा के सरगना लादेन और आईएसआईएस के खलीफा सरगना बगदादी को भी खत्म किया था। दरअसल अमरीका के सामने वेनेजुएला 'मेमना देश' है, लिहाजा वह क्या चुनौती देता! राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को 'सेफ हाउस' से ही अगवा किया गया, तब पूरी सुरक्षा व्यवस्था क्या कर रही थी? वेनेजुएला के लाखों सैनिक और मिलिशिया कहां थे? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि हमने वेनेजुएला की सैन्य-क्षमता को बिल्कुल शक्तिहीन कर दिया। बेशक यूरोपीय संघ के अधिकतर देशों, रूस, चीन, ईरान, क्यूबा, ब्रिटेन, मेक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया आदि ने अमरीकी हमले की निंदा की है। उसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। इन बयानों से क्या होगा? यदि मामला सुरक्षा परिषद में जाता है, तो अमरीका उस प्रस्ताव के खिलाफ 'वीटो' कर देगा। इसी तरह प्रस्ताव रूस और चीन के खिलाफ आए हैं, तो वे 'वीटो' करते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने साबित कर दिया है कि वह ही दुनिया के 'सुप्रीम' हैं। जो अमरीका का विरोध करेंगे या साजिशों में शामिल होंगे, उनका हश्र मादुरो जैसा ही होगा। लिहाजा यूरोप का यह कथन सटीक लगता है कि ट्रंप दुनिया के लिए नया खतरा हैं। वेनेजुएला की नेता प्रतिपक्ष मारिया कोरिना को 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था। संभव है कि उन्हें वेनेजुएला का नेतृत्व सौंप दिया जाए!

अमरीकी राष्ट्रपति किसी भी देश के बेशकीमती संसाधनों, तेल एवं खनिज और सत्ता पर कब्जा कर सकता है। कोई भी देश, रूस और चीन भी, अमरीकी राष्ट्रपति को कोसते रहें अथवा चेतावनियां जारी करते रहें, लेकिन अमरीका ही दुनिया का सबसे 'खूंखार डॉन' है। उसके सामने संयुक्त राष्ट्र आम सभा और सुरक्षा परिषद बिल्कुल नपुंसक और बेमानी हैं। अमरीकी राष्ट्रपति का आदेश ही 'वैश्विक कानून' है। अमरीकी राष्ट्रपति को वहां की संसद (कांग्रेस) और अदालत की भी परवाह नहीं है। वह ही 'वैश्विक साम्राज्यवादी शासक' है। मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला पर गहरी रात में, करीब 2 बजे, चौतरफा हमला करा और वहां के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बेडरूम में ही बंधक बना कर साबित कर दिया है कि दुनिया अमरीका के मुताबिक ही चलेगी। अमरीकी सत्ता को कोई चुनौती नहीं दे सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया कि जो मादुरो के साथ हुआ है, वह किसी के भी साथ हो सकता है। लिहाजा डर, खौफ और खतरा भांपते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेनाओं को अलर्ट कर दिया है और सीमाओं पर तैनाती के आदेश दिए हैं। क्या अगली बारी ईरान के सुप्रीम लीडर की है? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तानाशाह मादुरो को हटाने और नार्को आतंकवाद के अपराध में दंडित करने के लिए ही वेनेजुएला के रक्षा मंत्री के आवास, हवाई अड्डे, एयरबेस, वायुसेना मुख्यालय, सैन्य रणनीतिक कार्यालय आदि पर बम-वर्षा के आदेश दिए हों, दरअसल ऐसा नहीं है।

दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है

गिग-वर्कर्सः डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ललित गर्ग

ऑनलाइन बाज़ार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि ज़रा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के ज़रिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोज़मर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है। गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज्या अन्य ऐप्स के ज़रिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्ज़ी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम

बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है।

करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है। निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल काग़ज़ी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज़ थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति-निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज़ दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है। तेज़ी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफ़े की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोज़गार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

देश दुनिया से

विकास को मुंह चिढ़ाती दूषित जल से होने वाली मौतें

केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी से पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए। यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसो दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120 वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं। इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी 'जहरीली मौत' की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है। जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40% है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढ़ने के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं, जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई जिले ऐसे हैं, जिन्हें अति-दोहित, गंभीर और 'अर्ध-गंभीर श्रेणी में रखा गया। इसके बाद राजस्थान में 29 और तमिलनाडु में 22 जिले हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा मूल्यांकित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों का राष्ट्रीय संकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 जिलों को 'अति-दोहित', 22 जिलों को 'गंभीर' और 69 जिलों को 'अर्ध-गंभीर' श्रेणी में रखा गया है। हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में 16 अति-दोहित जिले हैं। पंजाब में 19 अति-दोहित और 1 गंभीर जिला है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिये राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च उपयोग परिदृश्य में वर्ष 2050 तक जल की आवश्यकता 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। देश में जल की उपलब्धता वर्तमान में 1,137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिये प्रतिदिन 135 लीटर जल की आवश्यकता होती है जबकि सिर्फ भारत के कुछ बड़े शहरों जैसे- मुंबई, दिल्ली इत्यादि में शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद प्रति दिन प्रति व्यक्ति को 150 लीटर से अधिक जल दिया जाता है। भारत प्रति व्यक्ति जल की खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। यहाँ प्रति व्यक्ति प्रति दिन जल की खपत लगभग 250 लीटर है। इसका प्रमुख कारण जल की बर्बादी तथा औद्योगिक खपत है। बढ़ती जनसंख्या एवं नगरीकरण देश में बढ़ते जल संकट का एक प्रमुख कारण है। वर्ष 2001 में प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता 1816 घन मीटर थी जो कि वर्ष 2011 में घटकर 1545 घन मीटर हो गई और वर्ष 2031 तक इसके घटकर 1367 घन मीटर होने की संभावना है। जल-गहन फसलों की कृषि- देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 54 प्रतिशत भाग पर जल-गहन फसलों जैसे- चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास इत्यादि की कृषि की जाती है। भारत में सिंचाई के लिए भूजल का 65% और पीने के पानी के लिए 85% हिस्सा है। इस पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भूजल स्तर में भारी गिरावट आई है, खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। सीमित जल संसाधनों के आवंटन को लेकर संघर्षों को भी जन्म देता है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को पार्क की जल आवश्यकताओं और स्थानीय किसानों की सिंचाई मांगों के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह महाराष्ट्र की ऊपरी गोदावरी परियोजना में पानी के असमान वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं। जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन और सरकार की अपर्याप्त भागीदारी इन तनावों को और बढ़ा देती है। जनसंख्या वृद्धि से पानी के लिए प्रतिस्पर्धा तेज हो जाती है।

आप का नज़रिया

शिमला में दफ्तरी बोझ

अंततः रेरा अपने स्थानांतरण का मुकदमा हार गया। कार्यालय स्थानांतरण के कारणों में सरकार के तर्क अदालय को अमान्य हो गए। जिरह यह कि कार्यालय छोटा है और कर्मचारी वजूद की निशानियों में यह फैसला अमल में नहीं लाया जा सकता। कुछ और भी व्यावहारिक कारण अदालत के फैसले में दिखाई दिए हैं, लेकिन दफ्तरों के स्थानांतरण की बुनियाद खारिज नहीं हुई है। माननीय उच्च न्यायालय का मानना है कि अगर शिमला का बोझ हटाना है, तो बड़े कार्यालय शिफ्ट करने चाहिएं। यहां शिमला अपनी विभाजक रेखाओं पर खड़ा नजर आता है, जहां उसके बाजुओं पर क्षमता से अधिक दबाव है। शिमला की सूरत सुधारने के लिए स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत अगर विजन डाला होता, तो पर्वतीय शहर की स्थिति सुधर जाती। कंक्रीट और लोहे के समाधान में शिमला अनियंत्रित व उद्देश्यहीन विकास की चारपाई पर सो रहा है। शिमला अपने लिए कैसे भविष्य को चुनना चाहता है, यह स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में दिखाई नहीं देता। दरअसल स्मार्ट सिटी के बजट का इस्तेमाल विभागीय योजनाओं में सिमट कर रह गया है। कमोबेश यही हाल धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का भी है, जहां खर्च की काबिलीयत, निर्माण की गुणवत्ता में दर्ज नहीं होती। शिमला का भविष्य स्टेट कैपिटल रिजन यानी (एससीआर) के तहत ही मुकम्मल होगा। कर्मचारी चाहे शिमला रहें, धर्मशाला रहें या कहीं और रहें, उनकी रिहायश व जीवनशैली के दबाव को देखते हुए राज्य में दो-तीन शहरों के कलस्टर में कर्मचारी नगर बसा कर ही समाधान होगा। मसलन धर्मशाला-पालमपुर के बीच चामुंडा के आसपास कर्मचारी नगर बसाया जा सकता है। इसी तरह मंडी से सुंदरनगर के बीच, हमीरपुर और बिलासपुर या ऊना के बीच, शिमला और सोलन के बीच कर्मचारी नगर बसा कर, एक नई सुबह होगी। बावजूद इसके शिमला को राजधानी, ब्रिटिश लिगेसी एवं धरोहर, पर्यटन तथा हिमाचल के चिंतन मनन का शहर बनाने के लिए अनावश्यक बोझ हटाना पड़ेगा। अगर नेरचौक में मेडिकल यूनिवर्सिटी का परिसर करवट ले सकता है, तो वहीं कहीं चिकित्सा निदेशालय को ले जाना चाहिए। बागबानी विभाग का मुख्यालय सोलन विश्वविद्यालय के साथ, तो कृषि विभाग का मुख्यालय पालमपुर विश्वविद्यालय के आसपास होना चाहिए। स्कूल शिक्षा बोर्ड के साथ शिक्षा विभाग का मुख्यालय धर्मशाला में औचित्य सिद्ध कर सकता है। इसी तरह स्पोर्ट्स, भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग धर्मशाला आ सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ विभागों का युक्तिकरण या नए विभागों की शुरुआत करके इनके औचित्य को विभिन्न शहरों से जोड़ा जा सकता है। मसला किसी कार्यालय को कहां शिफ्ट करने से भी हल नहीं होगा, लेकिन आफत में शिमला में शहर और शहर में राजधानी को बचाने का भी है। हिमाचल की भौगोलिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थिति ने अलग-अलग क्षेत्रों को अलग-अलग विशिष्टता व समाधान दिए है, तो इस हिसाब से भी कार्यालयों का पुनस्र्थापन, पुनर्निमाण तथा पुनर्निर्धारण करना होगा। फोरलेन परियोजनाओं, कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार तथा रेलवे विस्तार होने से, एक बार फिर हिमाचल खुद की स्थापना में नए कारोबार-नए दबाव चुनेगा। शिमला की आबादी भले ही शहरीकरण की मजबूत इकाई है, लेकिन राज्य की आबादी के संबोधन निचले हिमाचल में हैं। रेरा आज अगर सोलन को अपार्टमेंट सिटी के नजदीक मुख्यालय देता है, तो ऐसे कई विभाग हैं, जिनका औचित्य शिमला में पूरा नहीं होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल हाई कोर्ट खंड पीठ की धर्मशाला में पिछले चालीस सालों से मांग हो रही है। बहरहाल यह तो तसदीक हो रहा है कि शिमला को उसकी स्वच्छता, सिस्टम, आबोहवा तथा प्रबंधन के उच्चतम दायरे में रखना है, तो कुछ दफ्तरी बोझ कम करना ही पड़ेगा।

शिमला अपने लिए कैसे भविष्य को चुनना चाहता है, यह स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में दिखाई नहीं देता। दरअसल स्मार्ट सिटी के बजट का इस्तेमाल विभागीय योजनाओं में सिमट कर रह गया है। कमोबेश यही हाल धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का भी है, जहां खर्च की काबिलीयत, निर्माण की गुणवत्ता में दर्ज नहीं होती। शिमला का भविष्य स्टेट कैपिटल रिजन यानी (एससीआर) के तहत ही मुकम्मल होगा। कर्मचारी चाहे शिमला रहें, धर्मशाला रहें या कहीं और रहें, उनकी रिहायश व जीवनशैली के दबाव को देखते हुए राज्य में दो-तीन शहरों के कलस्टर में कर्मचारी नगर बसा कर ही समाधान होगा। मसलन धर्मशाला-पालमपुर के बीच चामुंडा के आसपास कर्मचारी नगर बसाया जा सकता है। इसी तरह मंडी से सुंदरनगर के बीच, हमीरपुर और बिलासपुर या ऊना के बीच, शिमला और सोलन के बीच कर्मचारी नगर बसा कर, एक नई सुबह होगी। बावजूद इसके शिमला को राजधानी, ब्रिटिश लिगेसी एवं धरोहर, पर्यटन तथा हिमाचल के चिंतन मनन का शहर बनाने के लिए अनावश्यक बोझ हटाना पड़ेगा। अगर नेरचौक में मेडिकल यूनिवर्सिटी का परिसर करवट ले सकता है, तो वहीं कहीं चिकित्सा निदेशालय को ले जाना चाहिए। बागबानी विभाग का मुख्यालय सोलन विश्वविद्यालय के साथ, तो कृषि विभाग का मुख्यालय पालमपुर विश्वविद्यालय के आसपास होना चाहिए। स्कूल शिक्षा बोर्ड के साथ शिक्षा विभाग का मुख्यालय धर्मशाला में औचित्य सिद्ध कर सकता है।

कुछ अलग

हम पागलों का कुनबा

पूरे विश्व की तरक्की में पागलों के योगदान की कभी पूरी तरह से समीक्षा ही नहीं हुई, हुई होती तो हमारे बीच कई निकल आते। पागलपन का भी दरअसल एक प्रोफेशन है और सबसे प्रोफेशनल पागल ही होते हैं। यह भी लाजिमी नहीं कि हर पागल को पागलपन मिले या पागलपन के भीतर ही पागल मिलें। देश में कौन कहां मिल जाए, पता नहीं। इसलिए बाबाओं में बलात्कारी, शासकों में भ्रष्टाचारी और मीडिया में खुद दुकानदारी मिल जाएगी। सरकार को अपने किए पर इतना भरोसा हो गया कि उसने सोचा कि वह भी सामान्य नहीं है। उसे लगा असमान्यता से ही परिवर्तन आते हैं। देश को आगे बढ़ाने के लिए पागल ढूंढने होंगे या नागरिकों को पागल बनाना ही पड़ेगा। एक दिन सरकार के मुखिया ने फैसला लिया कि नागरिकों के बीच पागलों का कुनबा खोजा जाए। अप्रत्यक्ष रूप से पागल ही पागल दिखाई दे रहे थे, जबकि प्रत्यक्ष हालात में पागलों के रूप में कवि, कहानीकार व व्यंग्यकार ही मिले। हैरानी यह हुई कि ये भी आपस में एक नहीं थे। कवि अपने सामने कहानीकार को, तो व्यंग्यकार किसी साहित्यकार को पागल मान रहा था। दूसरी ओर नेताओं की जमात में अद्भुत करिश्मा, गठजोड़ और ऐसा बुद्धि विवेक था कि ये सभी निश्चिंत थे कि पागल बनाना, इन्हीं का आर्ट है। सरकार पागलों की खोज में संपन्न हो रही थी क्योंकि जो स्कूल-कालेज खोले थे, वहां शिक्षा पागल बना रही थी। जो सरकारी अस्पताल खुले थे, वहां खुद इलाज ही पागल बना रहा था। कानून की शरण में लोग कोर्ट-कचहरी में पागल बन चुके थे, तो अपराध की शिकायत में पुलिस चौकियां-थाने, आम जनता को पागल होने का सबूत बांट रहे थे।

दृष्टि कोण

भारत के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाएं

नए साल 2026 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित विभिन्न वैश्विक आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों के मुताबिक नया साल 2026 भारत के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाओं वाला वर्ष होगा। जहां केयर एज रेटिंग्स के मुताबिक आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत की अर्थव्यवस्था सात फीसदी की दर से बढ़ सकती है, वहीं एक्सिस बैंक की रिपोर्ट के अनुसार आगामी वर्ष में भारत की विकास दर 7.5 फीसदी के ऊंचे स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगी। जहां भारत वर्ष 2025 में 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, वहीं अब भारत नए साल 2026 से तेज रफ्तार के साथ अगले ढाई से तीन साल में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर आगे बढ़ेगा। वैश्विक निवेश फर्म इन्वेसको के मुताबिक साल में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा। भारत को वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ बढना होगा। गौरतलब है कि नए वर्ष 2026 में घरेलू बाजार की मजबूती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। नए वर्ष में भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। नए वर्ष 2026 में महंगाई घटने, टैक्स सुधार और ब्याज दर में कमी से घरेलू बाजार को रफ्तार से बढने के आधार मिलेंगे। रिजर्व बैंक का कहना है कि वर्ष 2026 में महंगाई में कमी बनी रहेगी। जिस तरह नए ऐतिहासिक वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) सुधारों के तहत 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को स्लैब लागू किया गया है, उसका लाभ वर्ष 2026 से उभरकर दिखने लगेगा। निश्चित रूप से नए वर्ष 2026 में जीएसटी सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार दिखाई देंगे। इसके साथ ही एक अप्रैल 2026 से लागू किया जाने वाला नया इनकम टैक्स कानून महज

कुछ धाराओं के बदलाव ही नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था के कायापलट के साथ अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। मध्यम वर्ग के द्वारा उत्पादों की खरीदी पर अधिक धन खर्च करने से मांग बढ़ेगी और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के द्वारा 5 दिसंबर को रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती के बाद रेपो रेट 5.25 प्रतिशत हो गई है और इसमें अब मार्च 2026 में और कमी होने की संभावना है। ऐसे में सस्ते कर्ज से वर्ष 2026 में ग्रामीण मांग के साथ-साथ शहरी मांग में सुधार होने से स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। वैश्विक वित्तीय सलाहकार फर्म ग्लोबल वेल्थ मैनेजर की नई रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2026 में खपत के स्तर में सुधार के मामले में भारत दुनिया का सबसे आकर्षक बाजार होगा। निश्चित रूप से नए वर्ष 2026 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि वर्ष 2026 को जो बेहतर कृषि परिदृश्य विरासत में मिला है, उससे नए वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ेगी, देश में कृषि क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेगा। इसके साथ-साथ देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। ज्ञातव्य है कि नए वर्ष 2026 में खाद्यान्न उत्पादन पिछले वर्ष में हुए खाद्यान्न उत्पादन 37.70 करोड़ टन से अधिक के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई देगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 जनवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रात: 08:04 तक
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 12:18 तक
योग : प्रीति रात्रि 08:20 तक
करण : विष्टि प्रात: 08:04 तक
चन्द्रराशि : कर्क दोपहर 12:18
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:58 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:59 , माघी माई चौथ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट–2026 में बोली स्मृति ईरानी

मेरी जीत हमेशा जीत में नहीं लिखी, मेरी जीत हार में लिखी है

जयपुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के दूसरे दिन सोमवार को मुख्य हॉल में फायरसाइट चैट की शुरुआत पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के सत्र के साथ हुई। 'लीडरशिप बियॉण्ड लेबल्स: वीमन, पावर एंड पब्लिक सर्विस' सत्र में महिला नेतृत्व, सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी, दृढ़ता और अनुशासन जैसे विषयों पर खुलकर अपनी बात रखी। टाई ग्लोबल के कन्वीनर महावीर प्रताप शर्मा से बातचीत करते हुए ईरानी ने अपने अनुभवों के आधार पर नेतृत्व की चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाएं तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने अपने जीवन की यात्रा पर खुलकर चर्चा करते हुए बताया कि कैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश किया और जीवन भर मल्टीटास्किंग की क्षमता विकसित की। उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों पर भी ईमानदारी से चिंतन किया और बताया कि इनसे उन्हें क्या सीख मिली। उन्होंने कहा कि उनकी जीत, जीत में नहीं, बल्कि हार में है। हार ने उनकी किस्मत लिखी है। उन्होंने कहा कि हार या जीत को महिला से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, यह लैंगिक समानता का विषय है। उन्होंने कहा कि अपना जीवन सार्वजनिक भलाई के लिए

समर्पित किया है। चर्चा में ईरानी ने भारत में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों पर भी संवाद किया। उन्होंने लैंगिक समानता पर बात करते हुए महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों को समर्थन देने की अपनी प्रेरणा साझा की। उन्होंने कहा कि 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाएं नए भारत की उजली तस्वीर दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके प्रयासों का उद्देश्य 1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड बनाना है। ये पहलें महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसरों, पूंजी और मेंटरशिप तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उन्होंने एआई को लेकर अपने विचार रखते हुए कहा कि एआई एजेंट्स में इस तरह का डेटा भी ट्रेनिंग के लिए होना चाहिए, जो महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए उनके सर्वांगीण विकास को समानता के साथ आगे ले जा सके।

सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का पंचम अधिवेशन 28 से

इस अधिवेशन में राज्य का बजट भी प्रस्तुत होगा

जयपुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का पंचम अधिवेशन बुधवार, 28 जनवरी से शुरू होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी कर दी है। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस सत्र में राज्य का वर्ष 2026–27 बजट भी प्रस्तुत होगा। देवनानी ने बताया कि लगभग एक महीने तक यह सत्र चलेगा। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। इस सत्र में राज्य सरकार द्वारा राज्य का बजट भी पेश किया जाएगा।

जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा–

वासुदेव देवनानी ने बताया कि सत्र के दौरान राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, विधायी कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे संसदीय कार्य भी संपादित होंगे।

शीतलहर के चलते जयपुर जिले के स्कूलों में अवकाश घोषित

जयपुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी के दृष्टिगत जयपुर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक एवं 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अवकाश के आदेश जारी किये हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीतलहर एवं बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए यह आदेश जारी किये गए हैं। उक्त दिनांक पर अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए लागू रहेगा तथा समस्त स्टाफ के शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही परीक्षाएं भी यथावत संचालित होगी। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा जयपुर को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से जयपुर में राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। आदेशों की अवहेलना होने की स्थिति में संबंधित राजकीय अथवा गैर राजकीय विद्यालय के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष व केंद्रीय पर्यटन मंत्री सहित राजस्थान सरकार के मंत्रियों ने किया उदयपुर डिवीजन की स्टॉल का अवलोकन

कोटा, 05 जनवरी (एजेंसियां)। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कोटा डिवीजन द्वारा आयोजित ट्रैवल मार्ट के समापन अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष, केंद्रीय पर्यटन मंत्री, राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री, ऊर्जा मंत्री तथा राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

उदयपुर डिवीजन के अध्यक्ष एवं होटल संस्थान दक्षिणी राजस्थान के सचिव राकेश चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रैवल मार्ट के समापन अवसर पर सभी माननीय अतिथियों ने उदयपुर डिवीजन द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया।

इस दौरान अतिथियों को अवगत कराया गया कि राजस्थान केवल रेगिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि उदयपुर डिवीजन हरियाली, झीलों, समृद्ध जल संसाधनों और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण क्षेत्र है। साथ ही यह डिवीजन प्रदेश की 7 प्रमुख वन्यजीव अभयारण्यों का भी केंद्र है।

स्टॉल के माध्यम से उदयपुर डिवीजन की ऐतिहासिक एवं पौराणिक हवेलियों, भव्य किलों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का आकर्षक प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर सभी अतिथि अत्यंत प्रभावित हुए और उदयपुर डिवीजन की प्रस्तुति की सराहना की।इस अवसर पर माननीय अतिथियों को उदयपुर में आगामी समय में आयोजित होने वाले ट्रैवल मार्ट के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रण भी प्रदान किया गया।

7 दिन में अवैध खनन पर बड़ा प्रहार

552 कार्रवाई, 76 एफआईआर, 17 गिरफ्तारियां, 2.88 करोड़ से अधिक जुर्माना वसूला

जयपुर, 05 जनवरी (एजेंसियां)। अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पिछले सात दिनों में 552 से अधिक कार्रवाई में 25 एक्सक्वेटर, जेसीबी, क्रेन सहित 512 वाहन और 2 करोड़ 88 लाख से अधिक जुर्माना राशि राजकोष में वसूली गई है। इस दौरान 76 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही 17 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई है। खनि अभियंता जयपुर श्याम कापड़ी ने सोमवार को जयपुर के चाकसू में खनिज गिट्टी के दो डंपर, दौलतपुरा के पास 3 ट्रेक्टर ट्राली मेसेनरी स्टोन, सामोद के हथनोदा में मेसेनरी स्टोन की ही 3 ट्रेक्टर ट्राली जब्त कर संबंधित पुलिस थानों के सुपुर्द की है। एमई कार्यालयों में जयपुर में सर्वाधिक 65 से अधिक, भीलवाड़ा में 61, अजमेर में 36, पाली में 32, ब्यावर में 28, उदयपुर और टोंक में 23–23 कार्रवाई की गई है। अभियान में सम्मिलित सभी जिलों में कार्रवाई जारी है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने सोमवार को सचिवालय में अभियान प्रगति की समीक्षा की। रविकान्त ने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से फील्ड में

और अधिक सक्रिय होकर कार्रवाई के निर्देश दिए।

अभियान में कार्रवाई के दौरान अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत की टीम में जयपुर एमई श्याम कापड़ी ने सर्वाधिक 65 कार्रवाई करते हुए 8 एफआईआर दर्ज कराई है। जयपुर टीम द्वारा 2 एक्सक्वेटर और 68 वाहन जब्त किये हैं। जयपुर में अवैध कार्रवाई के दौरान 50 लाख रु. से अधिक की वसूली कर राजकोष में जमा कराये हैं। एमई अलवर मनोज कुमार ने 34 कार्रवाई कर 2 एक्सक्वेटर, 21 वाहन जब्त करने के साथ ही 14 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही 10 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। कोटपुतली बहरोड़ में भी कार्रवाइयां की गई है। टोंक में सर्वाधिक 17 एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अग्निवीरों को रोजगार सुरक्षा देने वाला पहला राज्य बना हरियाणा: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़, 05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय सशस्त्र बलों में युवा प्रोफाइल को सशक्त बनाने तथा युवाओं में देश सेवा के प्रति जोश, जज़्बा और अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से जून 2022 में अग्निपथ योजना की शुरुआत की गई। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को अग्निवीर के रूप में चार वर्ष की अवधि के लिए सेवा करने का अवसर प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि अग्निपथ योजना के तहत पहले बैच की सेवा अवधि जुलाई 2026 में पूरी होनी है। इसके उपरांत अग्निवीरों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार ने हरियाणा अग्निवीर नीति–2024 तैयार की है जिसे अगस्त 2026 से प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। इस नीति के माध्यम से अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों एवं अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि सेना में सेवा उपरांत अग्निवीरों को रोजगार का सुरक्षा कवच देने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री ने बताया कि वर्ष 2022–23 में जल, थल एवं वायु सेना के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 26,649 अग्निवीरों की भर्ती का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

तैयार रेलखंड पर इंटरसिटी अथवा वंदे भारत ट्रेन शीघ्र चलाई जाए : सैलजा

सिरसा, 05 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने रेलवे मंत्रालय से मांग की है कि सिरसा–दिल्ली रेल मार्ग पर इंटरसिटी एक्सप्रेस अथवा वंदे भारत ट्रेन का संचालन अविलंब शुरू किया जाए ताकि आम यात्रियों के साथ–साथ विशेष रूप से व्यापारी वर्ग को सीधा और व्यावहारिक लाभ मिल सके। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह उल्लेखनीय तथ्य है कि वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा इस नए रेल खंड का विधिवत शिलान्यास किया गया था। यह परियोजना क्षेत्र की भविष्य की आवश्यकताओं, व्यापारिक गतिविधियों और यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि अब जब यह रेलवे लाइन बनकर पूरी तरह तैयार हो चुकी है, तो रेलवे विभाग को चाहिए कि वह इस पर बिना किसी देरी के यात्री रेल सेवाएं प्रारंभ करे। सिरसा, हिसार, एवं आसपास के क्षेत्रों के व्यापारी, नौकरीपेशा लोग और विद्यार्थी लंबे समय से ऐसी रेल सेवा की मांग कर रहे हैं, जिससे वे सुबह दिल्ली जाकर अपने कार्य पूरे कर सकें और शाम को वापस लौट सकें। कुमारी सैलजा ने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध रेलगाड़ियों के समय यात्रियों की दैनिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

कुरुक्षेत्र में पत्नी की हत्या के बाद पति ने किया सुसाइड

कुरुक्षेत्र, 05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दबखेड़ा गांव में एक युवक ने पहले अपनी पत्नी की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी और इसके बाद गांव के तालाब (जोहड़) में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस सोमवार तड़के मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लिया। गोताखोरों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान रणदीप सिंह (35) और उसकी पत्नी निशा (32) के रूप में हुई है। दंपती के दो छोटे बच्चे हैं। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल घटना के पीछे की असली वजह सामने नहीं आई है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला के मोबाइल फोन पर बार–बार कॉल और मैसेज आ रहे थे, जिसको लेकर पति–पत्नी के बीच अनबन की आशंका जताई जा रही है। साथ ही विदेशी नंबर से कॉल आने और पैसे ट्रांसफर किए जाने की बात भी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि स्वर्ण सिंह के अनुसार, घटना से एक दिन पहले रणदीप उनसे मिला था और पत्नी से तलाक लेने की बात कही थी। वह थाने भी गया था, लेकिन वहां कोई नहीं मिलने पर वापस लौट आया। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि दंपती के बच्चों के अनुसार उनके बीच किसी तरह का झगड़ा नहीं हुआ था और वे रविवार को गुरुद्वारे भी गए थे।मामले में एसए–चओ जगदीश टामक ने बताया कि शुरुआती जांच में कुछ अहम तथ्य सामने आए हैं, लेकिन हत्या और आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

विकसित भारत के लिए मनरेगा में सुधार हेतु लाया गया है जी राम जी एक्ट : सैनी

चंडीगढ़, 05 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत - रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) कानून, 2025 भ्रष्टाचार मुक्त ग्रामीण रोजगार की गारंटी प्रदान करता है। यह ग्रामीण रोजगार नीति अधिक गारंटी वाले कार्यदिवस, उच्च मजदूरी, पारदर्शी भुगतान और टिकाऊ संपत्तियों के निर्माण को सुनिश्चित करता है। इस नए कानून से पहले की मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार और खामियों को दूर किया गया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों के कल्याण और गांवों के विकास में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विकसित भारत–जी राम जी योजना शुरू की है। यह विषय देश के करोड़ों ग्रामीण श्रमिकों, किसानों और मेहनतकश परिवारों से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि वीबी जी–राम जी कानून का उद्देश्य उन वास्तविक श्रमिक लाभार्थियों का समर्थन करना है, जिन्हें पिछली सरकारों ने धोखा दिया था। यह अधिनियम परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था करता है, मजदूरी भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। श्रमिकों को गारंटीकृत रोजगार बढ़ाकर अधिक मजदूरी देती है। ये श्रमिक अब भ्रष्ट ठेकेदारों, अधिकारियों या राजनेताओं की तिजोरियाँ भरने के लिए नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा योजना लगभग 20 वर्ष पहले शुरू की गई थी। मनरेगा और ऐसी ही अन्य कई योजनाओं की प्रकृति ही ऐसी होती है कि इन्हें तैयार किया जाता है, पारित किया जाता है, लागू किया जाता है और इनमें सुधार भी किया जाता है। मनरेगा के अंतर्गत कई समस्याएं सामने आईं, जैसे कि श्रमिकों के बजाय मशीनों का उपयोग करना, बजट का अत्यधिक अनुमान, पहले से पूर्ण की गई परियोजनाओं को दोबारा करना, और ऐसी ही कई कमियां देखने को मिलीं, लेकिन आज सच्चाई यह है कि देश, समाज और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पिछले 20 वर्षों में मूल रूप से बदल चुके हैं। ग्रामीण गरीबी वर्ष 2011–12 में जहां 25 प्रतिशत से अधिक थी, वहीं आज यह घटकर लगभग 5 प्रतिशत से भी नीचे आ चुकी है।

आसिफाबाद: जनसुनवाई में जमीनी जांच व शीघ्र समाधान के निर्देश

आसिफाबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की जमीनी स्तर पर जांच कर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। सोमवार को एकीकृत जिला कलेक्टर भवन के सम्मेलन कक्ष में एडीसी (राजस्व) डेविड व मंडल राजस्व अधिकारी लोकेश्वर राव ने विभिन्न आवेदन ग्रहण किए।

रेब्बना मंडल के नारायणपुर की अम्माक्का ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की मांग की। कागजनगर के अंकुसपुर के सोगला सोमैया ने जमीन माप व सीमांकन का अनुरोध किया। कागजनगर की कामपेला ललिता ने बेटे की मृत्यु पर बीमा राशि मांगी। आसिफाबाद के ईदुलवाड़ा के मारेशेट्टी वेंकय्या ने खेत ऑनलाइन अपलोड करने, चिर्राकुंटा की राम टेनकी अम्मू बाई ने कृषि भूमि पंजीकरण का आवेदन दिया।

कागजनगर के दुर्गा नगर के सुधीर मिस्त्री व पेंचिकलपेट के एल्कापल्ली की चंदा करुणाकर ने इंदिरम्मा घर के लिए आवेदन किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को समन्वय से जांच कर आवेदकों को राहत देने को कहा। संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगरपालिका चुनाव तैयारियां पूरी करें

आसिफाबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने नगरपालिका चुनाव की सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। सोमवार को एकीकृत कलेक्टर कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एसी (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, उपकलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, मंडल राजस्व अधिकारी लोकेश्वर राव, नगर आयुक्तों व वार्ड अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।चर्चा में मतदाता सूची मसौदा, आपत्ति निस्तारण (8 जनवरी तक), मतदान केंद्र व्यवस्था व एक परिवार-एक वार्ड सुनिश्चित करने पर जोर। आसिफाबाद के 20 व कागजनगर के 30 वार्डों में सुविधाएं पूरी करने को कहा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 100% घरेलू कर वसूली, स्वच्छता प्रबंधन, रोजाना कूड़ा संग्रह व स्वच्छ नगरपालिका कार्यक्रम पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए।

मदनूर मंडल में कांग्रेस-भाजपा को 24 घंटे में दूसरा झटका, कई नेता बीआरएस में हुए शामिल

मदनूर, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । आगामी स्थानीय चुनावों को ध्यान में रखते हुए कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल के बड़ा एकलारा गांव से कांग्रेस व भाजपा को 24 घंटे में दूसरा बड़ा झटका लगा। गांव के प्रमुख नेता व कार्यकर्ता जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे के नेतृत्व में सोमवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए।

मदनूर सहकार सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष पंडित राव पाटिल ने कहा, तीन वर्ष बाद तेलंगाना में केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस सत्ता में लौटेगी। इसलिए बड़ा एकलारा के कांग्रेस व भाजपा नेता बड़ी संख्या में बीआरएस में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के शासन में राज्य का तेज विकास हुआ और गरीबों को विभिन्न योजनाओं से आर्थिक सहायता मिली।पाटिल ने जुक्कल पूर्व विधायक हणमंत शिंदे के सहयोग से हुए विकास कार्यों का भी जिक्र किया, जो इस शामिल होने का प्रमुख कारण बने। बीआरएस ने नए सदस्यों का स्वागत कर चुनावी रणनीति मजबूत करने का ऐलान किया।

नल्ला पोचम्मा मंदिर और पाठशाला परिसर में कचरे से दुर्गंध, ग्रामीणों में रोष

मदनूर, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल केंद्र के ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सभी वार्डों से एकत्र कचरे को मंडल डंपिंग यार्ड में डालने के बजाय, ग्राम पंचायत कर्मचारियों ने नल्ला पोचम्मा देवी मंदिर के पास ही डंप कर दिया। इससे मंदिर परिसर में तेज दुर्गंध फैल गई है।

मंदिर के निकट तेलंगाना गुरुकुल छात्रावास और पाठशाला में भी बदबू से छात्रों व भक्तों को परेशानी हो रही है। सड़क किनारे चलने वाले पैदल यात्रियों को भी इसकी मार झेलनी पड़ रही है, क्योंकि कचरे के ढेर कई दिनों से सड़ रहे हैं। स्थानीय जनता ने पंचायत अधिकारियों की निगरानी की कमी और सचिव की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

ग्रामीणों का कहना है कि कर्मचारियों को स्वच्छता जागरूकता नहीं दी जा रही। उन्होंने मांग की है कि पूर्व सरकार द्वारा बनाए गए डंपिंग यार्ड का उपयोग करें, ताकि मंदिर व गांव स्वच्छ रहें।

सांसद गड्डाम वामसी ने किया 11 इंक्लाइन खदान निरीक्षण, श्रमिक सुरक्षा पर जोर

मंचेरियाल, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली सांसद गड्डाम वामसी कृष्णा ने रामागुंडम के गोदावरी-खानी स्थित 11 इंक्लाइन खदान का दौरा कर कोयला उत्पादन प्रक्रिया व श्रमिक कार्यों का जायजा लिया। खदान के अंदर करीब 6 किलोमीटर पैदल चलकर उन्होंने महाप्रबंधक ललित कुमार से उत्पादन, सुरक्षा उपकरणों व आपातकालीन उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

दौरे में वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन, मंचेरियाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुनाथ सहित अन्य उपस्थित रहे। सांसद ने श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं व कार्य परिस्थितियों पर विशेष ध्यान दिया। बोलते हुए सांसद ने कहा, कोयला खदानों के मजदूर देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हम उनकी सुरक्षा, कल्याण व सुविधाओं के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने श्रमिक समस्याओं को समय-समय पर सरकार तक पहुंचाने व समाधान का आश्वासन दिया।

श्री दादी धाम बैंगलोर भक्त मैसूर श्याम महोत्सव में शामिल

मैसूर, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री दादी धाम प्रचार समिति बैंगलोर के करीब 90 भक्त रविवार को मैसूर के श्री श्याम परिवार द्वारा आयोजित साम-खांटूवाले महोत्सव में शामिल हुए। दो वॉल्वो बस व निजी वाहनों से पहुंचे भक्तों ने त्रिवेणी संगम नरसिपुरा में स्नान कर दादीजी की पूजा-अर्चना की।

दादीजी को लघु मंगलपाठ, भजन-कीर्तन के साथ चूड़ा-चुड़ी, ड्राई फ्रूट गजरा, 56 भोग, फल सवामणी व पंचमेवा अर्पित किया गया। समिति कलाकार रामसुंदर बगड़िया, श्यामसुंदर बगड़िया व किशन बगड़िया ने भजन प्रस्तुत किए। मैसूर समिति ने बैंगलोर भक्तों का स्वागत किया।अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल व सचिव संजय चौधरी ने कोलकाता के कलाकार रूपेश शर्मा का सम्मान किया। यात्रा में विनय-मीणा राय, शशिकांत-इंदु गुप्ता, संजय-स्वेता क्याल सहित कई भक्त शामिल थे।समिति ने 28 दिसंबर को बनरघट्टा रोड श्याम मंदिर स्थापना दिवस पर निशान यात्रा में जल व फल वाटर सेवा दी। 24 जनवरी से झुंझुनू धाम के वसंतोत्सव में भी भक्त भाग लेंगे व भजन सुनाएंगे।

मुरली मेमोरियल क्रिकेट अकादमी की पहली वर्षगांठ भव्य रूप से मनाई

बेल्लमपल्ली, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुरली मेमोरियल क्रिकेट अकादमी ने रविवार शाम रेलवे स्टेशन के पास अपने परिसर में पहली वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस मौके पर अकादमी के आयोजकों ने क्रिकेट सीख रहे बच्चों के माता-पिता को शॉल भेंटकर सम्मानित किया, जिन्होंने संस्था को निरंतर समर्थन दिया।

आयोजक अल्लम वेंकटेश्वरलू ने बताया कि एसजीएफ में अंडर-14, अंडर-17 व अंडर-19 श्रेणियों के छात्र राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित हुए हैं। साथ ही हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी भाग लेंगे। कार्यक्रम में बेल्लमपल्ली के पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष बथुला सुदर्शन, कैरियर समूह अध्यक्ष राजेश गौड़, एसजीएफ कॉलेज पीडी बाबूराव सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। अकादमी ने भविष्य में और सफलताओं का संकल्प लिया।

बिजली शिकायतों के लिए 1912 टोल-फ्री सेवा शुरू

आसिफाबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीजीएनपीडीसीएल ने कुमारभीम आसिफाबाद जिले में बिजली उपभोक्ताओं के लिए 1912 टोल-फ्री सेवा का विस्तार किया। अधीक्षण अभियंता उत्तम जादे ने बताया कि कॉर्पोरेट कार्यालय से संचालित यह 24 घंटे सेवा तकनीक व अधिक कर्मचारियों से मजबूत बनी है।

उपभोक्ता ट्रांसफॉर्मर खराबी, बिजली कटौती, बिल विवाद, मीटर/नाम/श्रेणी/लोड बदलाव जैसी किसी भी समस्या के लिए 1912 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत पंजीकरण के बाद एसएमएस दोनों पक्षों को भेजा जाएगा।

उच्चाधिकारियों द्वारा शिकायतों की समीक्षा कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित होगा। जादे ने जिले में शहरी, ग्रामीण व कृषि क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं का तत्काल निपटारा किया। उपभोक्ताओं से सेवा का लाभ उठाने व राय देने का आह्वान किया।

दृष्टिबाधित विद्यालय में लुई ब्रेल व सावित्रीबाई फुले जयंती उत्साह से मनाई गई

किनवट, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिवासी कला शिक्षण संस्था किनवट संचालित दृष्टिबाधित विद्यालय बोधड़ी में लुई ब्रेल व क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई।

मुख्य वक्ता न्यासी व भावी जिला परिषद सदस्य नंदिनीताई राजेश टारपे ने कहा, सावित्रीबाई फुले पहली शिक्षिका बनीं, जिन्होंने समाज के विरोध के बावजूद महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोले।कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजना विष्णु गडाम (पुलिस पाटिल, बोधड़ी) ने की। मुख्य अतिथि नंदताई नवसागरे (प्रधानाचार्य), अनीता येरावर, सुचिता बिजामवार सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रतिमा पूजा से शुभारंभ हुआ।छात्रों ने दोनों हस्तियों की रचनाओं पर प्रस्तुतियां व स्वागत गीत सुनाए।

सुजाता विनोद एड्डलवार ने संभाला नगराध्यक्षा पद

किनवट, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। किनवट नगरपरिषद की नवनिर्वाचित नगराध्यक्षा सुजाता विनोद एड्डलवार का पदग्रहण समारोह सोमवार को जोरदार उत्साह के बीच संपन्न हुआ। महिंदु हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे, जय भवानी-जय शिवाजी महाराजफ के जयकारों से स्थान गूंज उठा।

नगरपरिषद भवन में आयोजित समारोह में छत्रपति शिवाजी महाराज, बालासाहेब ठाकरे व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पार्पण के बाद सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर व राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) नेता बेबीताई प्रदीप नाईक ने सुजाता एड्डलवार को आसन पर बैठाकर पदभार सौंपा। सभी नवनिर्वाचित नगरसेवकों को भगवा फेटा बांधा गया।

सांसद नागेश पाटिल ने कहा, किनवटवासियों ने महाविकास आघाडी पर भरोसा जताते हुए शिवसेना (ठाकरे गुट) को एकतरफा जनादेश दिया है।

शहर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी एकजुट होंगे।

नगराध्यक्षा सुजाता ने आश्वासन दिया कि शहरी समस्याओं, जल संकट, स्वच्छता व विकास कार्यों पर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

समारोह में मुख्याधिकारी मुगाजी काकडे, पूर्व नगराध्यक्ष, पार्षद, राजनीतिक नेता व बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। युवा नेता करण एड्डलवार ने भी मार्गदर्शन किया।

शटडाउन के बावजूद करंट से मजदूर झुलसा, बड़ा हादसा टला

आसिफाबाद/राजस्थान, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जालौर जिले के सांचौर में बिजली विभाग की लापरवाही से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक लाइन का शटडाउन लेने के बावजूद दूसरी लाइन में अचानक करंट दौड़ गया। जलदाय विभाग के ठेकेदार के मजदूर कार्यरत थे।भीमगुड़ा के हुकमा राम उर्फ लिछुराम जाट को तेज झटका लगा, वह गंभीर रूप से झुलस गया। सहकर्मियों ने तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। जिसको राखे साइयां, मार सके ना कोए चरितार्थ हुआ।

शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने के कदमों पर जोर

आसिफाबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला एसी व प्रभारी शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों को सशक्त कर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सक्रिय है। सोमवार को उन्होंने कौतला के बोडमपल्ली जिला परिषद हाई स्कूल, श्याम मॉडल प्राइवेट स्कूल, बेज्जूर के ओवरकम्स अपर प्राइमरी स्कूल व कागजनगर के श्री विद्या निकेतन व श्री विश्वशांति हाई स्कूल का दौरा किया। उन्होंने सुविधाओं, नवीनीकरण, शैक्षिक मानकों, तारापिडी काडा प्रबंधन व आसपास के वातावरण का जायजा लिया। एसी ने निर्देश दिए कि हर सरकारी स्कूल में बुनियादी ढांचा, कुशल शिक्षक व पौष्टिक भोजन सुनिश्चित हो। उन्नयन वाले स्कूलों में सभी सुविधाएं पूरी हों।शिक्षकों को छात्र संख्या बढ़ाने, सीखने की क्षमता आंकने व सरल भाषा में पढ़ाने की सलाह दी। संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश ने आईपीएल 2026 के प्रसारण पर लगाई रोक, मुस्तफिजुर को बाहर करने पर लिया फैसला

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजने का फैसला करने के बाद अब बांग्लादेश ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी है। आईपीएल की शुरुआत मार्च में होनी है।

बांग्लादेश के प्रेस सूचना विभाग ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम से बाहर करने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले से बांग्लादेश के लोग बेहद दुखी, आहत और आक्रोशित हैं। इन परिस्थितियों में बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सूचित किया है कि अगले आदेश तक बांग्लादेश में आईपीएल के सभी मैच और संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण निलंबित रहेगा।

यह विवाद उस वक्त से शुरु हुआ है, जब बीसीसीआई के कहने पर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किया है। केकेआर ने पिछले महीने मिनी नीलामी में मुस्तफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुस्तफिजुर को लेकर भारत में कई नेताओं और कथावाचक ने विरोध किया था।

इससे पहले रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजने का फैसला किया था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से श्रीलंका में उसके मैच कराने की मांग की है।

टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होगा। बांग्लादेश टीम के तीन लीग मैच कोलकाता में, जबकि एक मुकाबला मुंबई में तय है।

न्यूज ब्रीफ

शार्दुल और सरफराज के चोटिल होने से मुम्बई की मुश्किलें बढ़ीं, मंगलवार को हिमाचल के खिलाफ मैच में इन दोनो के बिना ही उतरना होगा

मुम्बई। कप्तान शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सरफराज खान के चोटिल होने की विजय हजारे ट्राफी खेल रही मुंबई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मुंबई की टीम ने ग्रुप सी में अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। मुम्बई ने अपने 5 मैचों में से 4 जीते है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी दो लीग चरण के मैच खेलने हैं। ऐसे में अब नाकआउट मैचों में प्रवेश के लिए मुंबई को कम से कम एक मुकाबला जीतना होगा और नेट रन रेट को भी बेहतर बनाये रखना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शार्दुल ठाकुर पूरे टूर्नामेंट से भी बाहर हो सकते हैं। जयपुर में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह पूरे ओवर भी नहीं फेंक पाये थे। मुंबई की टीम को अपना अगला मैच 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से खेलना है। शार्दुल अगर अगले मैचों के लिए बाहर हुए तो ये मुंबई के लिए करारा झटका होगा। उनके अलावा बल्लेबाज सरफराज का खेलना भी मुश्किल है। ऐसे में दो अनुभवी खिलाड़ियों की कमी पूरी करना मुम्बई के लिए कठिन होगा। राहत की बात है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टीम से जुड़ रहे हैं।

बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेजे सकता है। इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया। बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है। ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है। तय कार्यक्रम के अनुसार विश्कप के मैच 7 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं। वर्तमान कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश को अपने चार ग्रुप मैचों में से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं, जबकि एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलना है। अब ये सभी मैच सहमेजबान श्रीलंका को स्थानांतरित किये जा सकते हैं।

डब्ल्यूपीएल के लिए सभी पांच टीमों ने कप्तानों के नाम घोषित किये

नई दिल्ली। इसी माह 9 जनवरी से शुरु हो रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र के लिए सभी पांच कप्तानों की घोषणा हो गयी है। इस बार कई टीमों के कप्तान भी बदले गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वारियर्ज ने नए सत्र से पहले नए कप्तानों के नाम घोषित कर दिये हैं। साल 2024 में पहली बार डबल्यूपीएल खिताब विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान एक बार फिर स्मृति मंधाना करेंगी। वहीं मुंबई इंडियंस की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। गुजरात जायंट्स ने कप्तान के तौर पर आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एशली गार्डनर को बनाये रखा है। वहीं आस्ट्रेलिया की ही मेग लैनिंग इस बार यूपी वारियर्ज की कप्तानी करेंगी जबकि दिल्ली कैपिटल्स की ने युवा जैमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। 9 जनवरी से 5 फरवरी तक खेले जाने वाले डब्ल्यूपीएल मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में रखे गये है। डब्ल्यूपीएल 2026 की टीमें और उनके कप्तान, मुंबई इंडियंस – हरमनप्रीत कौर, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु – स्मृति मंधाना, गुजरात जायंट्स – एशली गार्डनर , दिल्ली कैपिटल्स – जेमिमा रोड्रिग्स, यूपी वारियर्ज – मेग लैनिंग।

गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान, पोंटिंग लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे। खराब फार्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है। हालांकि, आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं। हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की। उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है।

आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्राप करने को लेकर कहा, मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बाल क्रिकेट में उनका हालिया फार्म बहुत अच्छा नहीं रहा है। लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा। मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है। उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, हम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है। पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग काम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा काम्बिनेशन की बात है...जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं। हम काम्बिनेशन देख रहे हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन चोट से जूझ रहे, टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बढ़ा टेंशन

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड को चिंता सता रहा है क्योंकि टीम के सबसे तेज़ और अनुभवी गेंदबाज़ लाकी फर्ग्यूसन पिंडली चोट से जूझ रहे हैं और इससे उबरने वह संघर्ष कर रहे हैं। आईएलटी20 के दौरान लगी इस चोट ने न सिर्फ उनकी फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट योजनाओं को पटरी से उतार दिया, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। चयनकर्ता अब उनके विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बता दें दिसंबर में दुबई में खेले गए आईएलटी20 मुकाबले के दौरान लाकी फर्ग्यूसन को बड़ा झटका लगा। एमआई एमिरेट्स के खिलाफ डेजर्ट वाइपर्स की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने अपने दूसरे ओवर में सिर्फ तीन गेंदें ही फेंकी थीं कि पिंडली में तेज दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। शुरुआती जांच में चोट गंभीर पाई गई, जिसके चलते उन्हें पूरे आईएलटी20 सीजन से बाहर होना पड़ा। यही नहीं, इसके बाद उनकी बिग बैश लीग में वापसी की उम्मीद भी खत्म हो गई। फर्ग्यूसन के बाहर होते ही डेजर्ट वाइपर्स ने तुरंत पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक को टीम में शामिल किया और सैम कुरेन ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। वहीं बिग बैश लीग में सिडनी थंडर को भी बड़ा फैसला लेना पड़ा। फर्ग्यूसन की अनुपलब्धता की पुष्टि होते ही थंडर ने इंग्लैंड के आलराउंडर डेविड विली को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में साइन कर लिया। सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने फर्ग्यूसन के बाहर होने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि लाकी सिर्फ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाज़ी करने वाले तेज गेंदबाज़ नहीं हैं, बल्कि टीम के माहौल में भी उनका योगदान अहम रहा है। उनके अनुभव और व्यक्तित्व की कमी टीम को खलेगी। 34 साल के फर्ग्यूसन नवंबर 2024 के बाद से न्यूजीलैंड के लिए कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेले हैं। वह पहले भी हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण चैंपियंस ट्राफी से बाहर हो चुके हैं।

शमी टीम से बाहर, इरफान हुए नाराज.......लेकिन कमबैक करने का रास्ता बताया

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

चैंपियंस ट्राफी 2025 में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मोहम्मद शमी टीम इंडिया में वापसी नहीं कर सके हैं। पहले वह चोट के चलते टीम से बाहर थे, मगर अब उन्होंने अपनी फिटनेस पूरी तरह से हासिल कर ली है और वे घरेलू क्रिकेट में तहलका मचा रहे हैं।

लेकिन इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं। इस लेकर पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान मोहम्मद शमी के चयन ना होने से काफी निराश है, उन्होंने इसके लिए चयनकर्ताओं को लताड़ा भी है, साथ ही उन्होंने शमी को टीम इंडिया में कमबैक करने का आखिरी रास्ता भी दिखाया है।

इरफान पठान ने कहा, सबसे बड़ी बात शमी हैं। उनका भविष्य क्या है वह कोई इसतरह के खिलाड़ी नहीं हैं जो कल आए, कुछ मैच खेलकर चले गए। उन्होंने 450-500 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जो बहुत बड़ी संख्या है। अगर आपने 400 से ज्यादा विकेट लिए हैं और फिर आपको टीम से बाहर कर दिया जाता है और आपकी फिटनेस पर सवाल उठाए जाते हैं, तब ऐसा सबके साथ होता है।

जब तक आप क्रिकेट खेलते हैं, आपको खुद को साबित करते रहना होता है। उन्होंने कहा, लेकिन शमी पहले ही 200 ओवर फेंक चुके हैं। 200 ओवर फेंकने के बाद, अगर फिटनेस की बात है, तब फिटनेस पहले ही दिख चुकी है। और क्या सुधार चाहिए, यह तो सिर्फ सिलेक्शन कमेटी ही जानती है कि वे क्या सोच रहे हैं।

अगर मैं उनकी जगह होता, तब मैं आईपीएल खेलने जाता और धमाल मचा देता। मैं नई गेंद लेता और उस लेवल पर परफार्म करता। घरेलू क्रिकेट परफार्मेंस की बात होती है, लेकिन जब आईपीएल आता है और आप अपनी पुरानी लय और फिटनेस दिखाते हैं, तब कोई भी आपको नजरअंदाज नहीं कर सकता। पूरी दुनिया आईपीएल देखती है।

आईएलटी20 में कुर्रन को रेड और ग्रीन बेल्ट मिली

दुबई। डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान सैम कुर्रन को टी20 टूर्नामेंट्स के दौरान अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए दो-दो अवार्ड रेड और ग्रीन बेल्ट मिले हैं। कुर्रन ने एमआई अमीरात के खिलाफ फाइनल में तेजी से अर्धशतक लगाकरडेजर्ट वाइपर्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। सबसे अधिक रनों के लिए उन्हें ग्रीन बेल्ट मिली वहीं टूर्नामेंट में ओवरआल अच्छे प्रदर्शन के कारण मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर के अवार्ड के तौर पर रेड बेल्ट दी गयी। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए डेजर्ट वाइपर्स की ओर से कुर्रन ने नाबाद 74 रन बनाये थे। इससे उनकी टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाये। इसका पीछा करते हुए कीरोन पोलार्ड की एमसआई अमीरात 18.3 ओवर में 136 रन ही बना पायी। इस प्रकार डेजर्ट वाइपर्स को 46 रनों से हार का सामना करना पड़ा। कुर्रन ने फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाये। वहीं मेजबान टीम यूएई के मोहम्मद वसीम को अच्छे प्रदर्शन के कारण ब्ल्यू बेल्ट जबकि वकार सलामखेल को व्हाइट बेल्ट मिली।

सिडनी टेस्ट : दूसरे दिन सोमवार का खेल खत्म, जो रूट ने की पोंटिंग की बराबरी

आस्ट्रेलिया की मजबूत शुरुआत

सिडनी,05 जनवरी (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की ऐशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा है। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन सोमवार का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 2 विकेट खोकर 166 रन बना लिए हैं।

दूसरे दिन इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। रूट ने 242 गेंदों का सामना करते हुए 15 चौकों की मदद से शानदार 160 रन की शतकीय पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 41वां शतक रहा, जिसके साथ ही उन्होंने आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। पोंटिंग ने अपने टेस्ट करियर में 168 मैचों में 41 शतक लगाए थे। अब जो रूट भी सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस सूची में अब रूट से आगे केवल भारत के महान सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस (45 शतक) हैं। खास बात यह भी है कि 2021 के बाद से रूट का यह 24वां टेस्ट शतक है, जो इस अवधि में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक है। इंग्लैंड की पहली पारी में रूट के अलावा हैरी ब्रूक ने 84 रन और जेमी स्मिथ ने 46 रन की अहम पारी खेली। वहीं विल जैक्स और बेन डकेट ने 27-27 रन का योगदान दिया। आस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में माइकल नेसर सबसे सफल रहे, जिन्होंने 4 विकेट झटके। इसके अलावा मिचेल स्टार्क और स्काट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए, जबकि कैमरून ग्रीन और मार्नस लाबुशेन को एक-एक सफलता मिली।

जवाब में आस्ट्रेलिया ने मजबूत शुरुआत की है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 166 रन बना लिए हैं। ट्रेविस हेड 87 गेंदों में नाबाद 91 रन बनाकर शानदार लय में नजर आ रहे हैं, जबकि नाइट वाचमैन के रूप में उतरे माइकल नेसर 15 गेंदों में एक रन बनाकर नाबाद हैं।

ढाका में आलीशान घर, लग्जरी गाड़ियां... बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास कितने करोड़ के हैं मालिक

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले माह होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। 20 टीमों वाले मेगा इवेंट में बांग्लादेश को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली के साथ रखा गया है। इस बार टीम की कमान लिटन दास को सौंपी गई है, जिनके नेतृत्व में बांग्लादेश पहली बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

कौन हैं लिटन दास

लिटन दास बांग्लादेश के प्रमुख क्रिकेटर में शुमार हैं। उनका जन्म 13 अक्टूबर 1994 को पारंपरिक बंगाली हिंदू कायस्थ परिवार में हुआ था। वे सार्वजनिक तौर पर हिंदू त्यौहार मनाते दिखाते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी निजी जिंदगी की झलक साझा करते रहते हैं। वे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ हैं और उन्हें अनुभवी मुशफिकुर रहीम का काबिल उत्तराधिकारी माना जाता है। वनडे क्रिकेट में बांग्लादेश के लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाने का रिकार्ड भी उनके नाम दर्ज है। लिटन दास तीनों फार्मेट—टेस्ट, वनडे और टी20—में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। लिटन दास बांग्लादेश के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले क्रिकेटरों में शामिल हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के सेंट्रल कान्ट्रैक्ट से उन्हें सालाना करीब 50,000 डालर (लगभग 45 लाख रुपये) मिलते हैं। इसके अलावा उन्हें हर टेस्ट मैच के लिए 2500 डालर, हर वनडे के लिए 1500 डालर और हर टी20 मैच के लिए 1000 डालर की मैच फीस दी जाती है। आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने उन्हें 50 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं, बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) 2024 और 2025 से उन्होंने क्रमशः 45 लाख और 72 लाख रुपये कमाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लिटन दास की कुल नेटवर्थ करीब 3 मिलियन डालर यानी लगभग 27 करोड़ रुपये आंकी जाती है। ढाका में उनका एक आलीशान घर है और वह कई लग्जरी गाड़ियों के मालिक हैं। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन देखने को मिलता है। पेस अटैक की जिम्मेदारी मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद के कंधों पर होगी, जबकि स्पिन विभाग में मेहदी हसन और रिशाद हुसैन अहम भूमिका निभाएंगे। बल्लेबाज़ी में कप्तान लिटन दास पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मारुति ई-वितारा की विदेशों में पहुंची 13 हजार यूनिट्स

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

अगस्त 2025 में लॉन्च और एक्सपोर्ट की शुरुआत के साथ ही मारुति ई-वितारा इलेक्ट्रिक कार ने इंटरनेशनल मार्केट में शानदार एंट्री की है। कंपनी के मुताबिक अब तक ई-वितारा की 13 हजार से ज्यादा यूनिट्स 29 देशों में एक्सपोर्ट की जा चुकी हैं, जिनमें यूरोप इसका सबसे बड़ा बाजार बनकर सामने आया है। कम समय में मिली यह सफलता भारतीय इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाती है। खास बात यह है कि ई-वितारा का मास प्रोडक्शन भारत में लॉन्च से पहले ही गुजरात स्थित मारुति सुजुकी के प्लांट में शुरू कर दिया गया था। यहीं तैयार की गई गाड़ियों को पिपावाव पोर्ट के जरिए अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही मारुति सुजुकी ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी बड़ा फोकस किया है।परफॉर्मेंस के लिहाज से भी ई-वितारा को काफी दमदार बताया जा रहा है। कंपनी का दावा है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी एक बार फुल चार्ज होने पर 543 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है। फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ इसकी बैटरी करीब 50 मिनट में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। इसमें बीवाडी से ली गई 48.8 केडब्ल्यूएच और 61.1 केडब्ल्यूएच की दो एलएफपी बैटरी का विकल्प मिलता है, जो क्रमशः 144बीएचपी और 174बीएचपी की पावर जेनरेट करती हैं। सेफ्टी और फीचर्स के मामले में भी मारुति ई-वितारा काफी आगे है। यह हरटेक्ट-ई इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर बनी है और इसमें बड़े टचस्क्रीन, डिजिटल क्लस्टर, 360 डिग्री कैमरा, 7 एयरबैग्स, लेवल-2 अडास जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं।

हुंडई क्रेटा ने देश की बेस्ट-सेलिंग एसयूवी का खिताब जीता

नई दिल्ली। बीते साल के बिक्री आंकड़ों पर नजर डालें तो हुंडई क्रेटा ने देश की बेस्ट-सेलिंग एसयूवी का खिताब अपने नाम किया। इतना ही नहीं, यह कार पूरे देश में दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली पैसेंजर व्हीकल भी रही। वर्ष 2025 में हुंडई क्रेटा को कुल 2.01 लाख नए ग्राहकों ने खरीदा, जबकि पहले स्थान पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 2.14 लाख यूनिट तक पहुंची। इन आंकड़ों से साफ है कि क्रेटा भारतीय ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। हुंडई क्रेटा की लोकप्रियता के पीछे इसके दमदार फीचर्स और प्रीमियम केबिन का बड़ा योगदान है। एसयूवी के इंटीरियर में कंपनी ने आधुनिक टेक्नोलॉजी और आराम का बेहतरीन तालमेल पेश किया है। इसमें नया 10.25-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो कनेक्टेड कार फीचर्स के साथ आता है। इसके साथ ही 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर ड्राइवर को जरूरी जानकारियां स्पष्ट रूप से दिखाता है। वॉइस कमांड सपोर्ट वाला पैनोरमिक सनरूफ भी इस एसयूवी को अपने सेगमेंट में खास बनाता है, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव देता है। सेफ्टी के मामले में भी हुंडई क्रेटा ने मजबूत पकड़ बनाई है। कंपनी ने इसमें 70 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स शामिल किए हैं, जिससे यह परिवार के लिए एक सुरक्षित विकल्प बनती है। पावरट्रेन के लिहाज से हुंडई क्रेटा ग्राहकों को कई विकल्प देती है। इसमें 1.5-लीटर का नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन, 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर डीजल इंजन का विकल्प मिलता है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन देने रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया है। समिति के एक सदस्य ने कहा कि महंगाई दर उम्मीद के अनुसार बनी हुई है और वर्तमान में कम स्तर पर है। अक्टूबर 2025 में समग्र महंगाई दर केवल 0.3 प्रतिशत थी, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित महंगाई दर 2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि पिछले चरणबद्ध कटौती के असर से ऋण और जमा दरों में बदलाव महसूस किया गया है, और मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने के लिए 25 आधार अंक और कटौती की संभावना दिखाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च ट्रंप शुल्क के कारण कारोबार पर असर पड़ रहा है। ऐसे माहौल में नीतिगत कदम लेने से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। समिति का यह निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और निवेश एवं व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है, जबकि महंगाई दर नियंत्रण में बनी हुई है।

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पेश किया 500 रुपए का कॉम्बो ऑफर

जम्मू। नए साल 2026 की शुरुआत माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए विशेष सौगात के रूप में हुई है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधा और यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए एक बजट फ्रेंडली कॉम्बो ऑफर पेश किया है। यह पैक केवल 500 रुपए में उपलब्ध है और इसका उद्देश्य भक्तों को कम खर्च में व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन का अनुभव देना है। श्राइन बोर्ड ने इस पैक में भक्तों की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जोड़ी हैं। इसमें विशेष आरती के समय उचित प्रबंधन के साथ शामिल होने का अवसर, माता के दरबार से मिलने वाला पवित्र प्रसाद, और लंबी चढ़ाई के बाद आराम करने के लिए डॉरमेट्री या विश्राम गृह की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, यात्रियों के लिए पौष्टिक भोजन और जलपान की व्यवस्था भी इस पैक में शामिल है। नए साल के दौरान कटरा और मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। श्राइन बोर्ड का उद्देश्य भक्तों को अलग-अलग सुविधाओं के लिए लंबी लाइन में न खड़ा होना पड़े और सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर आसानी से मिल जाएं। इस सोच के तहत यह कदम उठाया गया है। भक्त माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इस 500 रुपए वाले कॉम्बो की अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा कटरा में निहारिका परिसर और अन्य काउंटर पर भी इसकी जानकारी और बुकिंग उपलब्ध है। यह पैक डिजिटल और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आसानी से बुक किया जा सकता है।

आईटी कंपनियों की तीसरी तिमाही में भी कमाई सपाट रहने के आसार

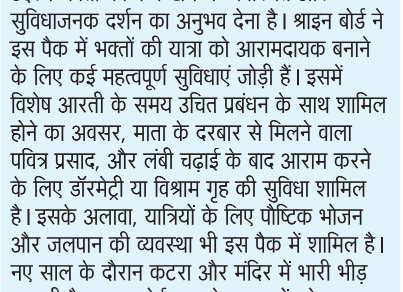

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों का कहना है कि वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में ग्राहकों के गैर-जरूरी खर्च दबाव में हैं। इससे आईटी कंपनियों को साल की दूसरी छमाही में वृद्धि बढ़ाने के लिए कस्टिंग घटाने, लागत नियंत्रण और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही सामान्यतः कमजोर होती है, क्योंकि अमेरिका और यूरोप में छुट्टियों का मौसम होता है। तीसरी तिमाही में निवेशक एआई पर प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष ध्यान देंगे। कंपनियां एआई आधारित सेवाओं और सौदों को तेजी से अपनाने में लगी हैं। बाजार के जानकारों अनुसार ओपनएआई और क्लाउड एलएलएम के साथ साझेदारी बढ़ रही है, जिससे अगले 6 महीनों में एआई सेवाओं की मांग में तेजी आने की उम्मीद है। ग्राहक बजट, एच1बी वीज़ा निर्भरता और गैर-जरूरी खर्च पर अपडेट भी निवेशकों की नजर में हैं। एक अनुमान है कि शीर्ष छह आईटी कंपनियों की आय वृद्धि 1-4 फीसदी तक रह सकती है।

27 जनवरी को बैंक हड़ताल, चार दिन ठप रह सकता है कामकाज

पब्लिक सेक्टर बैंकों पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

साल 2026 की शुरुआत में ही बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने के आसार हैं। देशभर के बैंक कर्मचारी संगठनों ने 27 जनवरी को एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल सप्ताह में पांच कार्यदिवस लागू करने की मांग को लेकर की जा रही है। हालांकि हड़ताल सिर्फ एक दिन की होगी, लेकिन इससे पहले लगातार छुट्टियां होने के कारण बैंक ग्राहकों को लंबी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

हड़ताल से पहले ही बैंकों में लगातार तीन दिन अवकाश रहेगा। 24 जनवरी को चौथा शनिवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 25 जनवरी को रविवार और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय छुट्टी है। ऐसे में 27 जनवरी को प्रस्तावित हड़ताल होने पर लगातार चार दिन तक बैंकों का सामान्य कामकाज पूरी तरह ठप रह सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर पड़ने की संभावना है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के नेतृत्व में बैंक कर्मचारी लंबे समय से सप्ताह में पांच दिन काम और दो दिन अवकाश की मांग कर रहे हैं। फिलहाल बैंकों में रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को ही छुट्टी मिलती है। कर्मचारियों का कहना है कि आरबीआई, एलआईसी और वित्तीय बाजार पहले से ही पांच दिन के कार्य सप्ताह पर काम कर रहे हैं, ऐसे में बैंकों को इससे अलग रखने का कोई औचित्य नहीं है। मार्च 2024 में हुए वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और यूएफबीयू के बीच पांच दिन का कार्य सप्ताह लागू करने पर सहमति बनी थी। बैंक यूनियनों का आरोप है कि अब तक इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसके चलते उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।

नए फास्टेग से केवायवी वेरिफिकेशन प्रक्रिया होगी पूरी तरह समाप्त

नई दिल्ली। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने घोषणा की है कि 1 फरवरी 2026 से कार, जीप और वैन के लिए जारी किए जाने वाले नए फास्टेग पर क्नो योर वेहिकल (केवायवी) वेरिफिकेशन प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। देशभर में हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए फास्टेग से जुड़ी प्रक्रिया को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इस नए फैसले से वाहन मालिकों को टैग जारी होने के बाद होने वाली देरी, बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की परेशानी और अनावश्यक शिकायतों से राहत मिलने की उम्मीद है। अब तक फास्टेग जारी होने के बाद केवीवाय प्रक्रिया के तहत वाहन की जानकारी का दोबारा सत्यापन किया जाता था। हालांकि, यह प्रक्रिया कई बार परेशानी का कारण बन जाती थी। सही और वैध दस्तावेज होने के बावजूद वाहन मालिकों को बार-बार फोटो अपलोड करने, दस्तावेज भेजने और टैग के सत्यापन के लिए फॉलो-अप करना पड़ता था। कई मामलों में टैग एक्टिव होने के बावजूद टोल प्लाजा पर दिक्कतें सामने आती थीं, जिससे यात्रियों को असुविधा झेलनी पड़ती थी। नए नियम के तहत अब यह पूरी जिम्मेदारी बैंकों और फास्टेग जारी करने वाली एजेंसियों की होगी। एनएचएआई ने स्पष्ट किया है कि सभी जरूरी जांच और वेरिफिकेशन टैग के एक्टिव होने से पहले ही पूरे किए जाएंगे। बैंक अब वाहन की जानकारी वीएचएचएएन डेटाबेस के जरिए पहले ही जांच लेंगे। यदि किसी कारण से वीएचएचएएन में वाहन का विवरण उपलब्ध नहीं होता है, तो रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट यानी आरसी के आधार पर सत्यापन किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि टैग जारी होने से पहले ही सभी डिटेल्स सही और प्रमाणित हों। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टैग मिलने के बाद वाहन मालिकों को किसी अतिरिक्त प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। फास्टेग खरीदते ही उसका सत्यापन पहले ही पूरा हो जाएगा और चालक बिना किसी रुकावट के टोल प्लाजा पर इसका उपयोग कर सकेंगे। साथ ही, बार-बार दस्तावेज जमा करने या कस्टमर केयर से संपर्क करने की जरूरत भी खत्म हो जाएगी।

वेनेजुएला के तेल संकट पर अमेरिका की नजर भारत के लिए अवसर भी

नई दिल्ली,05 जनवरी (एजेंसियां)।

देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन में गिरावट

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की 3 जनवरी को गिरफ्तारी के बाद देश के तेल सेक्टर पर चर्चा तेज हो गई है। देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन लगातार गिरता रहा है। 2010 में रोजाना लगभग 20 लाख बैरल तेल निकाला जाता था, जबकि नवंबर 2025 में यह घटकर केवल 9 लाख बैरल प्रति दिन रह गया। विशेषज्ञों के अनुसार वेनेजुएला में तेल उत्पादन तेजी से बढ़ाना आसान नहीं है। सरकारी तेल कंपनी पीडीवीएसए में लंबे समय से निवेश की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण 2026 में केवल 1.5 लाख बैरल प्रति दिन की बढ़ोतरी संभव है। बंदरगाहों पर जहाजों को तेल भरने में पांच दिन लगते हैं, पाइपलाइन लीकेज हो रही हैं और कई रिफाइनरी बंद हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए अगले 10 साल में करीब 100 अरब डॉलर निवेश की जरूरत होगी। अमेरिका की तेल कंपनियां भारी कच्चा तेल निकालने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। हालांकि, स्थिरता और सुरक्षा न होने के कारण बड़े निवेश में हिचकिचाहट है। भारत की कुछ सरकारी तेल कंपनियां पहले से पीडीवीएसए के साथ काम कर रही हैं। अगर निवेश और मशीनरी आसानी से मिलें, तो उत्पादन बढ़ सकता है। भारत पहले वेनेजुएला से रोजाना लगभग 4 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो सस्ता और भारी कच्चा तेल होने के कारण रिफाइनरियों के लिए लाभकारी है। 2026 में वेनेजुएला से ज्यादा तेल आने की उम्मीद नहीं है, इसलिए ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61.5 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है। हालांकि, 2027 से उत्पादन बढ़ा तो वैश्विक तेल कीमतों पर असर पड़ सकता है।

सनाया होम्स का सऊदी अरब में बड़ा निवेश

मदीना और रियाद की रियल एस्टेट परियोजनाओं में लगाएगी 100 मिलियन रियाल

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रियाद (सऊदी अरब) स्थित हयात होम्स की संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुश्री संतोषी रूपा ने हाल ही में रियाद के डिजाइन फिट-आउट और ई-कॉमर्स क्षेत्रों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हैदराबाद का दौरा किया।

हयात होम्स सऊदी अरब में आतिथ्य, वाणिज्यिक और विलासितापूर्ण आवासीय परियोजनाओं, जिनमें आलीशान घर और महल शामिल हैं, के लिए डिजाइन और फिट-आउट समाधान प्रदान करने वाली एक अग्रणी कंपनी है।

इस दौरे के दौरान हैदराबाद में एक विशेष उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें सनाया ग्रुप के चेयरमैन इलियास खान और सनाया होम्स के मुख्य सलाहकार मोहम्मद शम्सुद्दीन उपस्थित थे। इस बैठक में मदीना और रियाद में उभरते रियल एस्टेट अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई।

चर्चा का मुख्य केंद्र सनाया ग्रुप और हयात होम्स के बीच एक रणनीतिक संयुक्त उद्यमको आकार देना था।

इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, सनाया होम्स प्रस्तावित विकास परियोजनाओं में 100 मिलियन सऊदी रियाल का निवेश करेगी।

इस सहयोग के तहत विकसित होने वाली परियोजनाओं में प्रीमियम हाई-एंड अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स और लग्जरी विला शामिल होंगे, जिन्हें किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराया जाएगा। इन परियोजनाओं का पहला चरण मध्य-2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।

यह पहल सऊदी अरब के प्रगतिशील रियल एस्टेट सुधारों के अनुरूप है, जो विदेशी निवेशकों को स्थानीय साझेदारी की आवश्यकता के बिना, पूर्ण स्वामित्व के साथ संपत्ति खरीदने की अनुमति देते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उप्पल-नारपल्ली ...

कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद मंत्री कोमटीरेड्डी ने इन परियोजनाओं की समीक्षा की थी और एक साल के भीतर काम पूरा करने का वादा किया था। बाद में एक और समीक्षा बैठक में इसे अगले साल दशहरा (अक्टूबर-2026) तक पूरा करने की नई समय सीमा दी गई। लेकिन जिस गति से काम चल रहा है, उसे देखते हुए जनता को जल्द राहत मिलने की उम्मीद कम ही दिख रही है। लोग मांग कर रहे हैं कि सरकार इन दोनों परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और निर्माण कार्य में तेजी लाकर यात्रियों की समस्याओं का समाधान करे।

हरीश राव को...

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हरीश राव और पूर्व पुलिस अधिकारी राधाकिशन राव के पक्ष में फैसला सुनाया और सरकार की याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि चूंकि तेलंगाना हाईकोर्ट पहले ही इस संबंध में आदेश पारित कर चुका है, इसलिए वह उन आदेशों में दखल नहीं देगी।

बीआरएस सरकार पर लगे थे गंभीर आरोप

आरोपों के अनुसार, बीआरएस शासन के दौरान विपक्षी नेताओं, व्यापारियों और कुछ मशहूर हस्तियों के फोन अवैध रूप से टैप किए गए थे। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आते ही इस संबंध में मामला दर्ज किया गया और जांच तेज कर दी गई। इस जांच के दौरान कई अहम हस्तियों से पूछताछ भी की गई। मामले के मुख्य आरोपियों में स्पेशल इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व प्रमुख प्रभाकर राव, पूर्व डीएसपी प्रणीत राव और राधाकिशन राव के नाम शामिल हैं। राज्य सरकार ने आरोप लगाया था कि फोन टैपिंग के जरिए जुटाई गई जानकारी का उपयोग हरीश राव ने अपने राजनीतिक हितों के लिए किया था। इसी जांच को और प्रभावी बनाने और कार्रवाई को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेशों का सम्मान करते हुए सरकार के अनुरोध को ठुकरा दिया। हाईकोर्ट के स्टे (रोक) के कारण हरीश राव और राधाकिशन राव को फिलहाल इस मामले में बड़ी राहत मिली है। पीठ ने यह भी याद दिलाया कि इस मामले से संबंधित पिछली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट पहले ही रद्द कर चुका है।

ओएनजीसी रिग...

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जब वर्कओवर रिग का संचालन चल रहा था, तब कथित तौर पर कच्चे तेल के साथ भारी मात्रा में गैस तेजी से बाहर निकली और आग पकड़ ली। आग की लपटें 100 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गईं, जिससे आसपास के सैकड़ों नारियल के पेड़ जलकर राख हो गए। स्थानीय लोगों ने जिला अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद मंडल तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। ओएनजीसी के अधिकारी स्थिति का आकलन करने और घटना के कारणों का विश्लेषण करने के लिए स्थल पर पहुंच गए हैं। कोणासीमा जिला प्रशासन भी अग्निशमन और सुरक्षा उपायों के समन्वय में जुटा हुआ है।

ग्रामीणों की निकासी और सरकार की प्रतिक्रिया

एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने इरुसुमंडा गांव के निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है और पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को घर छोड़ने की सलाह दी जा रही है। श्रम, कारखाना, बॉयलर और बीमा चिकित्सा सेवा मंत्री वासमशेट्टी सुभाष ने घटना की जानकारी ली और जिला कलेक्टर व ओएनजीसी प्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने आग पर जल्द काबू पाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी गैस रिसाव के बारे में पूछताछ की और स्थिति की समीक्षा के लिए मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। यह आग मोरी-5 कुएं में पाइपलाइन रिसाव के कारण लगी, जिसे पिछले एक साल से प्रोडक्शन एनहांसमेंट ऑपरेशंस के तहत मडीप इंडस्ट्रीज लिमिटेडफ द्वारा संचालित किया जा रहा है।

ओएनजीसी का संकट प्रबंधन और सुरक्षा उपाय

ओएनजीसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कुआं एक दूरदराज के इलाके में स्थित है और लगभग 500-600 मीटर के दायरे में कोई मानवीय आवास नहीं है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और कूलिंग ऑपरेशन शुरू हो गया है। ओएनजीसी ने अपनी क्राइसिस मैनेजमेंट टीमों और को तैनात कर दिया है। कुएं को नियंत्रित करने और आवश्यकता पड़ने पर उसे बंद करने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा, ओएनजीसी ने उन्नत वेल-कंट्रोल कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ समन्वय शुरू कर दिया है। नरसपुर सहित नजदीकी स्थानों से अतिरिक्त उपकरण मंगवाए जा रहे हैं। ग्रामीण सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं और भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए ओएनजीसी से कड़े उपायों की मांग कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 06 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ईसीआईएल ने सरकार को 129.66 करोड़ का लाभांश सौंपा

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पिछले साढ़े पांच दशकों से अधिक समय से कार्यरत मिनीरत्न (श्रेणी-1) कंपनी, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लाभांश के रूप में 129.66 करोड़ रुपये का चेक परमाणु ऊर्जा विभाग (भारत सरकार) को सौंपा। 2 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमामय समारोह के दौरान यह लाभांश राशि प्रदान की गई।

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष डॉ. ए. के. मोहंती ने साल-दर-साल बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए ईसीआईएल के प्रबंधन और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने संस्थान की निरंतर वृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा में इसके योगदान की सराहना की।

ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता सभी कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने संस्थान की प्रगति में टीम वर्क के महत्व पर विशेष बल दिया और भविष्य में और भी बेहतर लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प दोहराया।

नई दिल्ली में लाभांश चेक सौंपने के समारोह के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इनमें डॉ. अनेश कुमार शर्मा (ओएस और निदेशक - तकनीकी), प्रोतीक कुमार चक्रवर्ती (निदेशक - वित्त), ब्रिगेडियर राहुल मलिक (सेवानिवृत्त, महाप्रबंधक - उत्तर) और रंजन श्रीवास्तव (अतिरिक्त महाप्रबंधक - वित्त, ईसीआईएल) शामिल थे।

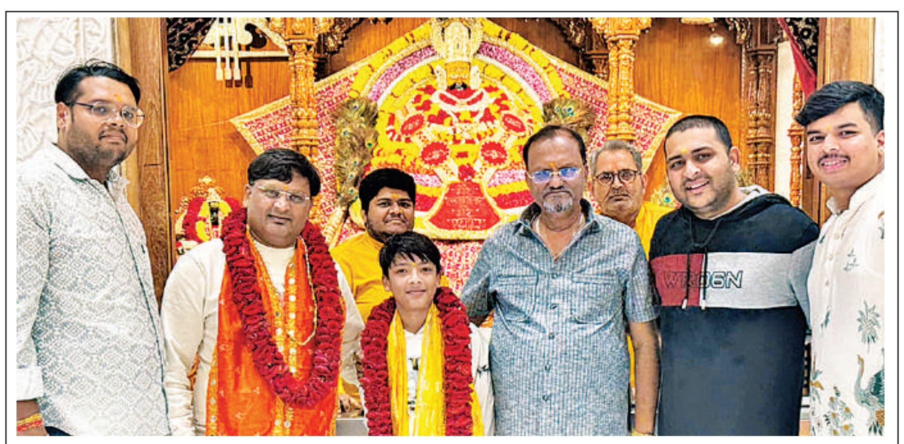

जयपुर से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक मनीष घी वाला का पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स दर्शन हेतु पधारने पर सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया एवं अन्य ।

नृसिंह मंदिर (ख्याली की बगीची) में सखी सहेली भजन मंडल, बेगम बाजारा द्वारा धनुर्मास में श्री गोदा रंगनाथ स्वामी पावन उत्सव पर भजन-कीर्तन करते हुए वसुंधरा तिवारी, कांता व्यास, ऊषा पलोड, शकुंतला तिवारी, किरण डोबा, दुर्गा तिवारी, सपना पलोड, तारा बाई जोशी, निर्मला बीसावा, पद्मा पलोड, प्रेमलता तिवारी, प्रभावती, बसंती खटेड़ व्यास एवं अन्य।

राजस्थानी फ़ाउण्डेशन तेलंगाना द्वारा मंगलवार दि. 6 से 10 जनवरी तक चुड़ी बाजार कार्यालय में 9वीं से डिग्री तक के छात्रों को 5 दिन का निःशुल्क कम्युटर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सायं 4.30 से रात्रि 7.00 बजे तक चलेगा। इसी संदर्भ में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें- रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, राजेंद्र ओझा, संदीप जायलवाल, रमेश व्यास, विनोद तिवारी व ओम नारायण पंडित व अन्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की।

पुरुषोत्तम गुप्ता का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के चुनावों में भारी बहुमत से विजयी होने पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता का विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, महासर माता भक्त मंडल के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, संघी समिति के परामर्शदाता राजिंदर संघी, डालमिया समाज के परामर्शदाता सावरमल डालमिया तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना अत्तापुर सेंट्रल शाखा के अध्यक्षत्मुकेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह के दौरान पुरुषोत्तम गुप्ता को उनकी जीत पर बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता व्यापारियों के विश्वास और उनके निरंतर प्रयासों का परिणाम है। समाज के प्रतिनिधियों ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में एसोसिएशन व्यापारिक हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती के लिए नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां सभी अतिथियों ने एकजुट होकर व्यापारिक समुदाय की एकता, सहयोग और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। यह सम्मान न केवल श्री पुरुषोत्तम गुप्ता के लिए, बल्कि समस्त व्यापारी समाज के लिए गौरव का विषय रहा।

कुमावत समाज तेलंगाना की महत्वपूर्ण आम बैठक कल

नए प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के गठन पर होगा निर्णय

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कुमावत समाज तेलंगाना के समस्त आजीवन सदस्यों एवं तेलंगाना की सभी शाखाओं के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण आम बैठक दिनांक 7 जनवरी 2026 (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। बैठक का समय प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह बैठक कुमावत समाज हैदराबाद, ज्ञान बाग कॉलोनी में आयोजित होगी तथा इसे निर्धारित समयानुसार ही संपन्न किया जाएगा। बैठक के उपरांत सभी उपस्थित सदस्यों के लिए भोजन व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इस बैठक में कुमावत समाज तेलंगाना के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा का दो वर्षीय कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। इसी के मद्देनज़र बैठक के दौरान नए प्रदेश अध्यक्ष एवं नवीन कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

चुनाव प्रक्रिया में केवल आजीवन सदस्य एवं तेलंगाना की सभी शाखाओं के अध्यक्ष ही भाग ले सकेंगे। साथ ही, कुमावत समाज तेलंगाना में प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सभी पदों के लिए केवल आजीवन सदस्य ही पात्र होंगे। समाज के सभी पात्र सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण बैठक को सफल बनाने की अपील की गई है।

जन सेवा संघ की संयुक्त बैठक सम्पन्न

नई केंद्रीय कमेटी ने प्रस्तुत की भावी कार्ययोजना

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर. पी. सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नई एवं पुरानी केंद्रीय कमेटी की संयुक्त बैठक बुलाई गई, जिसमें संस्था के पूर्ववर्ती कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। बैठक में अब तक किए गए कार्यों के साथ-साथ जो कार्य लंबित हैं, उनके विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई। सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान नई केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से आगामी कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने संगठन को और अधिक सशक्त एवं जनोपयोगी बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी।

बैठक के अंत में नई केंद्रीय कमेटी को हार्दिक मुबारकबाद एवं शुभकामनाएँ दी गईं। सभी पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य पदाधिकारियों में आर. पी. सिंह, गोविंद तिवारी, राजीव चौबे, बिनीत सिंह, बिस्वजीत सिंह, प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, पी. पी. पांडेय, सीताराम ठाकुर, श्री सुरेश पंडित, मदन लाल रावल, एस. पी. सिंह, मोहम्मद मुनव्वर, कॉपीराज सिंह, राधेश्याम राय यादव, बसंत सोलंकी, नेमीचंद गोयल, दिनेश चंदन सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निस्वार्थ सेवा की सच्ची मिसाल है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : सोहनलाल दायमा

हैदराबाद, 5 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

नामपल्ली पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास राधे-राधे ग्रुप ने सोमवार को नियमित अन्नदान सेवा श्रद्धा से संपन्न की। दाहिमा भवन निर्माण समिति अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी सोहनलाल दायमा ने कहा, यह निस्वार्थ सेवा अनुकरणीय है। भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है।दायमा ने ग्रुप की निरंतरता व समर्पण की प्रशंसा की।

बिना प्रचार के जरूरतमंदों तक पहुंचना मानवता की सच्ची पहचान बताया। युवाओं से ऐसे कार्यों में जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, गौरव गोयल, भारखा गोयल, भीखाराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, उमाकांत जी गुप्ता, सुरेश सिंघल तथा सोहनलाल दायमा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। सेवा से जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष झलका। सभी ने निरंतरता का संकल्प लिया।

बहादुरपुरा में श्रीमद् भागवत पुराण कथा कलश यात्रा सम्पन्न

भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ महिलाओं की रही विशेष सहभागिता

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विटेंज काउंटी, बहादुरपुरा स्थित शिव मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत पुराण कथा के शुभारंभ अवसर पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस कलश यात्रा में कॉलोनी की महिलाओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कलश यात्रा के दौरान कथा व्यास आचार्य गजेन्द्र शुक्ला की पावन उपस्थिति रही। इस अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, नंदलाल तिवारी, पुरुषोत्तम शर्मा, नागेन्द्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।कलश यात्रा के माध्यम से श्रीमद् भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ। महिलाओं द्वारा सिर पर कलश धारण कर की गई यात्रा ने धार्मिक परंपराओं और सामूहिक सहभागिता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्री खेमदास मठ, बेगम बाजार में छह मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा एवं राम रसोई की तैयारियां अंतिम चरण में

हैदराबाद, 04 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चूड़ी बाजार, बेगम बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में छह मंदिरों की भव्य प्राण प्रतिष्ठा एवं राम रसोई की स्थापना को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मठ परिसर में धार्मिक एवं सेवा कार्यों को लेकर विशेष उत्साह का वातावरण है।

छह प्रमुख देवालयों की हो रही प्राण प्रतिष्ठा

इस पावन अवसर पर जिन मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है, उनमें- महासर माता, बावलिया बाबा (पंडित गणेश नारायणजी), अग्रसेनजी महाराज, सिद्ध श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज तथा बाबा श्री बालकदासजी महाराज के मंदिर शामिल हैं।

राम रसोई की व्यवस्था को अंतिम रूप

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ-साथ श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सेवा हेतु राम रसोई की भी व्यापक व्यवस्था की जा रही है। सेवा, भक्ति और समर्पण की भावना के साथ ट्रस्ट एवं सहयोगी संस्थाओं के कार्यकर्ता दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं।

इन व्यवस्थाओं को सफल बनाने में शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विकास मोदी, दिनेश सिंघल, अमित मोदी, शिशिर केडिया, विकास केडिया, सुनील मोदी, नरेंद्र जांगिड़, वेणुगोपाल भालोठिया, कृष्णा केडिया, नीरज केडिया, गोपाल अग्रवाल, नवरत्न कनोडिया, मनीष अग्रवाल सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

धूलपेट के गंगा बावली स्थित कल्याण सिंह प्रतिमा पर उनकी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, गोशामहल के पार्षद पी. लाल सिंह, पूर्व पार्षद जी. मुकेश सिंह, पूर्व पार्षद परमेश्वर सिंह, लोध क्षत्रिय सदर पंचायत के अध्यक्ष माता वाले महेश सिंह एवं अन्य।

दुर्गा विहार कॉलोनी, तिरुमलगिरी, सिकंदराबाद में अय्यप्पा स्वामी पडी पूजा करते हुए विकास राठौड़ गुरु स्वामी एवं परिवारजन।

सीएसआईआर-आईआईसीटी का पूर्व छात्र मिलन समारोह 24 को

पूर्व छात्रों की उत्कृष्टता और यादों का होगा संगम

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद, शनिवार, 24 जनवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे संस्थान के परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में पूर्व छात्र मिलन समारोह 2026 (अश्रींपळ चशशीं 2026) का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम आईआईसीटी एलुमनाई एसोसिएशन आईआईसीटीएए) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य संस्थान और उसके प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत करना है।

इस अवसर पर सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यह पूर्व छात्र मिलन समारोह पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के साथ फिर से जुड़ने, उनकी उपलब्धियों को स्वीकार करने और दीर्घकालिक संस्थागत संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। ये संबंध अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस आयोजन का लक्ष्य पूर्व छात्रों और शोधकर्ताओं को अपने मातृ संस्थान (अश्रार चरींशअ) के साथ फिर से जुड़ने, संकाय व साथियों के साथ बातचीत करने और सार्थक नेटवर्किंग करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में संवादात्मक सत्र, विशिष्ट अतिथियों के संबोधन, पूर्व छात्रों के बीच चर्चा और एक नेटवर्किंग लंच शामिल होगा। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तहत भारत की प्रमुख राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में से एक, सीए-सआईआर-आईआईसीटी का रासायनिक विज्ञान, फार्मास्यूटिकल्स, सामग्री, ऊर्जा और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता का एक समृद्ध इतिहास रहा है। इसके पूर्व छात्र भारत और विदेशों में शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान और सार्वजनिक सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।सीएसआईआर-आईआईसीटी अपने सभी पूर्व छात्रों को इस कार्यक्रम में भाग लेने और इसे एक यादगार पुनर्मिलन बनाने के लिए सौहार्दपूर्वक आमंत्रित करता है। इच्छुक पूर्व छात्रों से अनुरोध है कि वे 10 जनवरी 2026 तक नीचे दिए गए गूगल फॉर्म लिंक के माध्यम से पंजीकरण करके अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें:पंजीकरण लिंक:

https://docs.google.com/foA°ms/d/e/1FAIpQLSf TbBkULKhpEdRšPztA°š8šuLoA4tLR27PA°7Cm4 ztvStHsmC2g/viewfoA°m

सीएसआईआर-आईआईसीटी परिवार अपने पूर्व छात्रों का परिसर में वापस स्वागत करने और उत्कृष्टता व नवाचार की साझा विरासत का जश्न मनाने के लिए उत्सुक है।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के चुनावों में भारी बहुमत से विजयी होने पर नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल का अभिनंदन एवं सम्मान करते हुए चेतन अग्रवाल और अनूप अग्रवाल ।

सीसीआरएएस0एनआईआईएमएच की वैद्युला अपूरोपा सम्मेलन में प्रभावशाली सहभागिता

भारतीय चिकित्सा संपदा के संरक्षण, अनुसंधान और नवाचार को मिला नया मंच

हैदराबाद, 4 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दि. 4 जनवरी को सीसीआरएएस0राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने आरोग्य भारती द्वारा जी.एस.आर. कन्वेंशन हॉल, हैदराबाद में आयोजित वैद्युला अपूरोपा सम्मेलनम (डॉक्टर्स का भव्य सम्मेलन) में सक्रिय सहभागिता की। यह सम्मेलन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े चिकित्सकों एवं शोधकर्ताओं के लिए विचार-विमर्श और अनुभव-साझा का एक महत्त्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिश्नु देव वर्मा जी द्वारा किया गया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन को विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। दीप प्रज्वलन समारोह के उपरांत माननीय राज्यपाल ने एनआईआईएमएच के प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया तथा भारतीय चिकित्सा संपदा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार हेतु संस्थान द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

संपदा और नवाचार का प्रभावी प्रदर्शन

डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में एनआईआईएमएच की टीम ने संस्थान की बहुआयामी गतिविधियों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी स्टॉल पर सीसीआरएएस के विविध प्रकाशनों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें शोधपरक अध्ययनों के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान की समृद्ध परंपरा को रेखांकित किया गया।

इसके साथ ही डिजिटल पहलों के अंतर्गत एचएएचआई, एएमएआर तथा एनआईआईएमएच की प्रमुख गतिविधियों पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किए गए, जिन्होंने आगंतुकों में विशेष रुचि उत्पन्न की। जन-जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न रोगों से संबंधित आईईसी सामग्री का वितरण भी किया गया, जिससे आगंतुकों को भारतीय चिकित्सा प्रणाली और स्वास्थ्य संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी प्राप्त हुई।

सम्मान, संवाद और शोध की सशक्त प्रस्तुति

इस अवसर पर एनआईआईएमएच द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद को सम्मानित किया गया, जो समस्त संस्थान के लिए गौरव का विषय रहा।

संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सकोंडॉ. वी. सुभोस, डॉ. टी. साकेत राम, डॉ. संतोष एस. माने एवं डॉ. बिस्वो रंजन दासने आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा तथा अन्य चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े पाँच सौ से अधिक चिकित्सा पेशेवरों के साथ गहन एवं सार्थक विचार-विमर्श किया। वहीं, डॉ. एन. सिंधुजा एवं डॉ. पी. प्रियंका (एसआरएफ) ने आगंतुकों को साही परियोजना तथा एनआईआईएमएच में संचालित शोध कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिससे शोध और नवाचार के प्रति उत्सुकता एवं विश्वास दोनों में वृद्धि हुई।

जन-जुड़ाव और सहयोग से सुदृढ़ होता संस्थागत संकल्प

सम्मेलन के दौरान चिकित्सकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में आम जनता ने भी एनआईआईएमएच के स्टॉल का भ्रमण किया और संस्थान के प्रकाशनों में गहरी रुचि दिखाई। श्रीनिवास राव एवं विजय कुमार ने प्रकाशनों की बिक्री तथा स्टॉल प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

यह सहभागिता एनआईआईएमएच के उस सशक्त संकल्प को अभिव्यक्त करती है, जिसके अंतर्गत प्राचीन भारतीय चिकित्सा ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के बीच सेतु का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल भारतीय चिकित्सा संपदा का संरक्षण होता है, बल्कि उसे जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में भी ठोस और सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं।

जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला का निरीक्षण

गौ संरक्षण एवं कल्याण व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ़ इंडिया के मेंबर रघुराम शर्मा ने जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में संचालित गौ संरक्षण, देखभाल एवं प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर गौशाला इंचार्ज प्रभादत्त महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

निरीक्षण कार्यक्रम में टीटीडी गौ संरक्षणशाला एक्सपर्ट कमिटी के मेंबर एवं गौ रक्षा दल के ऑल इंडिया जनरल सेक्रेटरी कोटि श्रीधर, कार्तिक गौ रक्षा दल के स्टेट ऑर्गेनाइज़िंग सेक्रेटरी (तमिलनाडु), कालू सिंह (गौ रक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट) शंकर यादव (गौ रक्षा दल तेलंगाना सिटी प्रेसिडेंट) विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज शेखर, सतीश सिंह, कोटि मयूरेश, पुखराज एवं शशिकांत (प्रेसिडेंट) सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने गौशाला में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की तथा गौ संरक्षण और पशु कल्याण के क्षेत्र में निरंतर सहयोग और समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

संत सूर्य समान : श्री बोधायन जी

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिस तरह सूर्य भगवान जगत पर छाये अंधकार को मिटाते हैं, ठीक उसी प्रकार संत भी मनुष्य के भीतर अज्ञान रुपी अंधेरे को दूर करते हैं, हृदय में सूर्य के समान ऊर्जा भरते हैं। उक्त उद्गार व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक त्रिदण्डी स्वामी भक्त भूषण श्री वृंदावन धाम के पूज्य श्री बोधायन जी महाराज ने अपने मुखारबिंद से व्यक्त किये।

स्वामीजी फीलखाना, बेगमबाजार स्थित श्री श्रृंग ऋषि भवन (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में बालुंदा वाले मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस उपस्थित कथाप्रेमियों को संबोधित कर रहे थे। अवसर पर श्रद्धेय बोधायन महाराजश्री ने श्रीमद् भागवत कथा के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए मथुरा के विश्राम घाट का उल्लेख किया। महात्मा जी ने वराह पुराण के हवाले से बताया कि इसे श्रेष्ठ तीर्थ माना जाता है, जहाँ मथुरावासी न केवल यमुना मैय्या को चुनरी भेंट करते हैं, बल्कि अपने पित्तरों का तर्पण भी करते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने मामा कंस का वध करने के बाद इसी घाट पर विश्राम किया था। स्वामीजी ने चतुर्वेदी नामक एक व्यक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि भाँग के शौकीन चतुर्वेदी जी ने खूब छानने के बाद विश्राम घाट के बजाये ब्रह्माण्ड घाट पर स्नान करने की ठानी और रातभर बिना विश्राम किये नौका चलाते रहे। सुबह जब वहाँ से गुजर रहे दुबेजी से चतुर्वेदी जी ने पूछा कि भाई ये कौनसी जगह है तो उन्होंने बताया यह तो विश्राम घाट है। भाँग का नशा उतर गया और चतुर्वेदी सोचने लगे ये कैसे हुआ, दरअसल उन्होंने नाव का लंगर खोला ही नहीं था। ठीक इसी तरह जब तक मनुष्य लोभ, क्रोध, मोह आदि बंधनों से मुक्त नहीं होता, तब तक वह संसार रुपी मायाजाल से जकडा रहता। भगवत् प्राप्ति के लिए भक्ति की वैतरिणी जरूरी है। प्रथम दिवस की कथा में परीक्षित जन्म, सूत शौनकादि संवाद, कुन्ती स्तुति, भीष्म स्तुति व शुकदेव आगमन के प्रसंग भी सुनाये गये। आरती, महाप्रसाद व आकर्षक झाँकियों में सभी ने बढ चढकर भाग लिया।

सत्य सुंदर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन और मेडिसिटी अस्पताल द्वारा

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

हैदराबाद, 6 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सत्य सुंदर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन द्वारा इसके संस्थापक ठाकुर गोपाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित दूसरे मेगा मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह दो दिवसीय शिविर 5 और 6 जनवरी 2026 को मेडिसिटी अस्पताल के सहयोग से सनातन धर्म भवन, चूड़ी बाजार, हैदराबाद में आयोजित किया गया था। इस स्वास्थ्य सेवा पहल को स्थानीय समुदाय का जबरदस्त समर्थन मिला, जहाँ पहले ही दिन 1,000 से अधिक लोग अपनी जाँच कराने पहुँचे।शिविर को संबोधित करते हुए मेडिसिटी अस्पताल के सीईओ इनिश मर्चेंट ने सुलभ स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने दोहराया कि अस्पताल उन मरीजों को व्यापक चिकित्सा, नैदानिक और शल्य चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनकी पहचान इस शिविर के दौरान की गई है। फाउंडेशन के संस्थापक ठाकुर गोपाल सिंह ने कहा कि उनका संगठन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए प्रारंभिक निदान और निवारक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए बड़े पैमाने पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करना जारी रखेगा। साथ ही, अमारा लैंड सिक्योरिटीज के एमडी रानू सिंह राजपूत ने समुदाय के कल्याण के लिए स्वास्थ्य संस्थानों और सामाजिक संगठनों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।शिविर के दौरान विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें सामान्य चिकित्सा, सामान्य सर्जरी, ईएनटी (नाक-कान-गला), बाल रोग, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग, पल्मोनोलॉजी, त्वचा विज्ञान, स्त्री रोग और ऑन्कोलॉजी (कैंसर) संबंधित सेवाएं शामिल थीं। जिन मरीजों को उन्नत उपचार या सर्जरी की आवश्यकता थी, उन्हें चिह्नित किया गया और मेडिसिटी अस्पताल तक उनके नि:शुल्क परिवहन की व्यवस्था की गई। चयनित दिनों में इन मरीजों की सर्जरी और उपचार अस्पताल में किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता दिनेश यादव, भाजपा गोलकोण्डा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंदर, नरसिम्हा अन्ना, राम सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

सेवा का अवसर राधे-राधे ग्रुप ने दिया : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंदों तक अन्न पहुँचाकर मानव सेवा एवं गौसेवा को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ऐसा संगठन है, जो सबका सहयोग और सबका साथ लेकर समाजसेवा के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सेवा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि सौभाग्य है और राधे-राधे ग्रुप यह अवसर सभी को प्रदान करता है।

पन्नालाल अग्रवाल ने आगे कहा कि वे राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की संयोजक आदरणीय सतीश जी गुप्ता, जगत नारायण जी अग्रवाल, राम प्रकाश जी अग्रवाल एवं महेश जी अग्रवाल के विशेष रूप से आभारी हैं, जिन्होंने अन्नदान एवं सेवा जैसे पुण्य कार्यों में उन्हें भी सहभागी बनने का अवसर दिया।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, जगन भाई (चंपापेट), राजेश सर (योगा), पन्नालाल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, अनिल भाई, गोविंद राम जी, विनोद तोष-णीवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, पूजा संघी, जेविका संघी एवं अर्चना सहित अनेक सेवा भावी सदस्य उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क पर अन्नदान, सेवा से सशक्त हुई मानवता की भावना : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, केबीआर पार्क के समीप जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, करुणा और मानवता की भावना को और अधिक मजबूत बनाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण भाव से अन्नदान करते हुए कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान है और यही सच्ची मानवता की पहचान है। सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।इस सेवा कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। सेवा कार्य में सहयोग करने वालों में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, गौरव गोयल, भार्खा गोयल, रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Kalekhan, (Old Name) resident of H No. 9-2-64/2A, Muslim Basthi Hashmathpet, Tirumalagiri, Hyderabad, Telangana-500009 Changed my Name As " MOHAMMED KHAN, (New Name) S/o. MOHAMMED RAMZAN KHAN" for all purposes

CHANGE OF NAME
I, SUVARNA, is legally wedded spouse of Service No:614448R, Rank: EX-SERGEANT, Name: MULA MOHAN REDDY, presently residing at VILL:Thirmalgiri, TEH:Thirmalgiri, Dist- Suryapet, State-Telangana, PIN:508223, I have changed my name from SUVARNA to MULA SWARNA REDDY, and my DOB is 20-05-1963 Affidavit dated 03/01/2026

CHANGE OF NAME
I, T MEENAKSHI, is legally wedded spouse of Service No. 651399R Rank: Ex. SERGENT, Name T SANTHANAM, residing at P.No.130, SRI CBR KRISHNAVENI ESTATES, YAPRAL, J J NAGAR COLONY, Dist: Medchal-Malkajgiri, State- Telangana, PIN: 500087, That I have changed my name from T MEENAKSHI to TIRUNAVAKU GEETA RANI, affidavit dated 05/01/2026

CHANGE OF NAME
I, JANARDHAN, dependent Father of Service No: 14683629P, Rank:NK, Name:KALE GANESH JANARDHAN, Unit: MCEME B Coy Secunderabad-15, residing at Vill:KEDGAON, Post:KEDGAON, Teh:NAGAR, Dist:AHMEDNAGAR, State:MAHARASHTRA, Pin 414001, I have changed my name from JANARDHAN to JANARDHAN RAMDAS KALE And my DOB is 01/6/1963, Affidavit Singed by P DAYAVATHI, LLM, dated 03/01/2026

CHANGE OF NAME
I, VAISHALI, is legally Wedded Wife of Service No. 14683629P, Rank: NK, Name:KALE GANESH JANARDHAN, Unit:MCEME, B-COY, Secunderabad, residing at Vill:KEDGAON, Post:KEDGAON, Teh:NAGAR, Dist:AHMED NAGAR, State:Maharashtra, Pin: 414001, I have changed my name from VAISHALI to KALE VAISHALI GANESH, And my date of birth is 13-09-1988, vide Affidavit dated 03/01/2026

CHANGE OF NAME
I, RUKMINI Spouse of Service No. 638162K Ex.Sgt GUNDA VISHNUVARDHANA RAO, Residing at G-1, Mandava Towers, Tirumala Nagar, Near Anand Sai High School, Moulali, Medchal Malkajgiri Dist-500040, Telangana have changed my name from RUKMINI to GUNDA RUKMINI vide affidavit dt:05-01-2026 before X Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, MUHAMMED TAYABA FARHEEN (old Name), D/o MUHAMMED ABDUL MATEEN, R/o. H.No.5-1-191, Teacher Club Road , Town & Mandal:KORUTLA, Pincode: 505326, Dist. JAGTIAL, Telangana State, India, have changed my name to TAYABA FARHEEN. Here after my name is known as TAYABA FARHEEN.

CHANGE OF NAME
I, MARIYAMMA, Legally wife of Army NO. 2609636M, Rank: Hav, Name: Ramesh Chavala, Residing at Uppalapadu Village, Podili Mandalam, Prakasam Dist, AP-523253. I have changed my name from **MARIYAMMA to CHAVALA MARIYAMMA.** Here after my name is known as **CHAVALA MARIYAMMA.** Vide affidavit Dt 29 Dec 2025 Before Shaik Shabbir, Advocate Notary Podili-523240, Prakasam Dist, Andhra Pradesh.

तेलंगाना विधानसभा शीतकालीन सत्र का चौथा दिन

बीआरएस का बहिष्कार, कविता का औपचारिक इस्तीफा स्वास्थ्य-पर्यटन सहित कई अहम घोषणाएँ

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार, 5 जनवरी को अपने चौथे दिन में प्रवेश कर गया। इस दौरान विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने सदन की कार्यवाही में भाग नहीं लिया। बीआरएस विधायकों ने कृष्णा नदी के जल मुद्दे पर प्रस्तुति देने की अनुमति मांगी थी, जिसे विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने बहिष्कार का निर्णय लिया।

विधान परिषद में के. कविता का इस्तीफा

विधान परिषद में तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने औपचारिक रूप से अपने एमएलसी पद से इस्तीफा सौंप दिया और परिषद के अध्यक्ष जी. सुखेन्द्र रेड्डी से उसे स्वीकार करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि उन्हें पिछले वर्ष सितंबर में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था।

भावुक संबोधन में कविता ने अपने पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस पर तीखा हमला बोलते हुए पार्टी के शासनकाल में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और बीआरएस के संविधान को मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति रातोंरात बनाई गई और उन्हें बिना कारण बताओ नोटिस के निलंबित कर दिया गया।कविता ने यह भी स्पष्ट किया कि बीआरएस शासन के दौरान लिए गए कुछ अलोकप्रिय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने 3 सितंबर को ही इस्तीफा सौंप दिया था, जिसे अब तक स्वीकार नहीं किया गया।

औद्योगिक नीति और शहरी नवीनीकरण पर चर्चा

विधानसभा में हैदराबाद औद्योगिक भूमि रूपांतरण नीति पर संक्षिप्त चर्चा हुई। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बताया कि इस नीति का उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले या बंद पड़े उद्योगों को आउटर रिंग रोड के पार स्थानांतरित कर शहर का नवीनीकरण करना है।

उन्होंने जानकारी दी कि लगभग 9,292 एकड़ औद्योगिक भूमि का उपयोग आवासीय, वाणिज्यिक और सूचना प्रौद्योगिकी विकास जैसे मिश्रित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

इंदिराम्मा साड़ी वितरण योजना

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनुसूया सीताक्का ने सदन को बताया कि इंदिराम्मा साड़ी वितरण योजना के पहले चरण में 30 लाख साड़ियां वितरित की जा चुकी हैं। योजना का दूसरा चरण 01 मार्च से 8 मार्च तक चलेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी घोषणाएँ

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रिया समय को 16 मिनट से घटाकर 11 मिनट कर दिया गया है, जबकि आदिवासी क्षेत्रों में इसे 10 मिनट तक लाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में वर्तमान में 1,770 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं और फरवरी तक 58 करोड़ रुपये की लागत से 485 नए वेंटिलेटर खरीदे जाएंगे।

इसके अलावा, निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 213 डॉक्टरों सहित कुल 813 पदों को मंजूरी देने की प्रक्रिया चल रही है। एनआईएमएस को 32 करोड़ रुपये की नई लिनैक मशीन तथा मार्च 2026 तक 8 करोड़ रुपये की रिकवरी थेरेपी मशीन भी प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि 78 नई एम्बुलेंस और 70 नए डायलिसिस केंद्र शुरू किए गए हैं, जिससे औसतन 25 किलोमीटर के दायरे में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

पर्यटन और विधायी गतिविधियाँ

पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने सदन को सूचित किया कि राज्य ने पर्यटन क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है। उन्होंने चारमीनार और चौमहल्ला पैलेस के विकास के लिए विशेष निधि का आश्वासन भी दिया। इसी दौरान उन्होंने तेलंगाना वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक भी सदन में पेश किया।

अन्य प्रमुख मुद्दे

विधायक एन. श्रीगणेश ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (ऋक्ष्वउ) में विलय करने की मांग की तथा क्षेत्र के विकास के लिए 50 करोड़ रुपये के वार्षिक कोष की सिफारिश की।

शीतकालीन सत्र के दौरान विस्तृत चर्चाओं के उपरांत विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

हैदराबाद की महिला की अमेरिका में हत्या फरार आरोपी पूर्व रूममेट भारत में गिरफ्तार

तमिलनाडु में पकड़ा गया अर्जुन शर्मा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही थी तलाश

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद निवासी एक महिला की अमेरिका में हुई हत्या के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। खबरों के अनुसार, 26 वर्षीय अर्जुन शर्मा को सोमवार, 5 जनवरी को तमिलनाडु में गिरफ्तार किया गया। उस पर अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के कोलंबिया शहर में अपनी पूर्व रूममेट निकिता गोदिशाला की हत्या कर देश से फरार होने का आरोप है।

जानकारी के मुताबिक, अर्जुन शर्मा ने 2 जनवरी को हॉवर्ड काउंटी पुलिस को निकिता के लापता होने की सूचना दी थी। उसने दावा किया था कि उसने निकिता को आखिरी बार न्यू ईयर ईव पर ट्विन रिवर रोड स्थित अपने अपार्टमेंट में देखा था।

हालांकि, पुलिस द्वारा जांच शुरू किए जाने के अगले ही दिन निकिता गोदिशाला का शव मैरीलैंड के कोलंबिया स्थित शर्मा के अपार्टमेंट में बरामद हुआ। इसके बाद आरोपी कथित तौर पर अमेरिका छोड़कर फरार हो गया, जिसके चलते उसकी तलाश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू किया गया।

हॉवर्ड काउंटी पुलिस ने बताया था कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वे संघीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता सेथ हॉफमैन ने सीबीएस न्यूज़ को बताया था कि अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इंटरपोल के साथ समन्वय कर रहा है और आरोपी के खिलाफ ङ्गरेड नोटिसफ जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट के समान होता है।

पुलिस के अनुसार, निकिता गोदिशाला के शरीर पर कई चाकू के घाव पाए गए थे। इस मामले को हत्या करार देते हुए अर्जुन शर्मा के खिलाफ प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी हत्या के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

हत्या का मकसद अब भी रहस्य

फिलहाल इस जघन्य अपराध के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस प्रवक्ता हॉफमैन ने कहा कि हमें इन दोनों के बीच किसी पूर्व हिंसा या मदद की गुहार से जुड़ी कोई जानकारी नहीं है। रिश्ता खत्म होने के बाद भी उनका मिलना-जुलना असामान्य नहीं था, लेकिन अभी तक हत्या के कारण का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है।

परिजनों की कड़ी सजा की मांग

इस बीच, मृतका के पिता आनंद गोदिशाला ने अपनी बेटी की हत्या के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में इस बात से इनकार किया कि अर्जुन शर्मा निकिता का पूर्व प्रेमी था।

आनंद ने कहा कि वह उसका पूर्व रूममेट था, प्रेमी नहीं। खबरों के अनुसार उसने अमेरिका में शिकायत दर्ज कराई और फिर भारत भाग गया।

उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी को पता चला था कि शर्मा ने कई लोगों से कर्ज लिया था और भारत लौटने की योजना बना रहा था, हालांकि किसी वित्तीय विवाद को हत्या का कारण मानने की पुष्टि उन्होंने नहीं की।

उनके चाचा संतोष ने समाचार एजेंसी को बताया कि निकिता गोदिशाला पिछले चार वर्षों से एलिसॉट सिटी में स्वतंत्र रूप से रह रही थीं। अमेरिका से एमएस की डिग्री पूरी करने के बाद वह वेडा हेल्थ में डेटा और रणनीति विश्लेषक के रूप में कार्यरत थीं। वह आखिरी बार तीन साल पहले भारत आई थीं। उनके माता-पिता को उनकी मृत्यु की जानकारी अमेरिका में रह रहे उनके चचेरे भाई से मिली। हैदराबाद के मूल निवासी आनंद गोदिशाला का परिवार वर्तमान में तारनाका क्षेत्र में रहता है।

चीनी मांजा से दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस का विशेष अभियान

दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए निःशुल्क लगाए गए सुरक्षा रॉड

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चीनी मांजा से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाते हुए हैदराबाद पुलिस ने पुराने शहर में एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया है। इस पहल का नेतृत्व दक्षिण जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) किरण खरे ने किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों को पतंग की नुकीली और जानलेवा डोर से होने वाली गंभीर चोटों से सुरक्षित रखना है।

अभियान के तहत सैकड़ों चीनी मांजा सुरक्षा रॉड न केवल वितरित किए गए, बल्कि बाइक और स्कूटर पर मौके पर ही लगाए भी गए। ये सुरक्षा रॉड गर्दन और चेहरे पर पतंग की डोर से होने वाली गंभीर चोटों के जोखिम को कम करने में सहायक होते हैं, खासकर पतंग उड़ाने के मौसम के दौरान।

अभियान की प्रमुख विशेषताओं में- सैकड़ों सुरक्षा रॉड निःशुल्क वितरित। दोपहिया वाहन चालकों पर विशेष फोकस, जो सबसे अधिक असुरक्षित। चीनी मांजा के खतरों को लेकर जन-जागरूकता अभियान और मीर चौक जंक्शन पर जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं।

यह विशेष सुरक्षा कार्यक्रम पुराने शहर के व्यस्त यातायात क्षेत्र मीर चौक जंक्शन पर आयोजित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों से संवाद कर उन्हें बताया कि किस प्रकार सुरक्षा रॉड घातक दुर्घटनाओं को रोकने में मदद कर सकते हैं।

अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चालकों से स्वेच्छा से इन सुरक्षा उपकरणों को लगाने और प्रतिबंधित चीनी मांजा के उपयोग व बिक्री से दूर रहने की अपील की।

डीसीपी किरण खरे ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि चीनी मांजा का उपयोग कर पतंग उड़ाने से बचें। प्रतिबंधित पतंग की डोर की अवैध बिक्री की सूचना पुलिस को दें और दोपहिया वाहनों पर सुरक्षा रॉड अनिवार्य रूप से लगवाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल हैदराबाद में सड़क सुरक्षा और जन-सुरक्षा को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

मेहदीपटनम में सड़क हादसे में ज़ेप्टो डिलीवरी बॉय की मौत, बस चालक गिरफ्तार

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेहदीपटनम पुलिस थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय ज़ेप्टो डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब युवक टोलीचौकी से मेहदीपटनम की ओर जा रहा था। घटना के बाद इलाके में शोक और चिंता का माहौल है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभिषेक (25) के रूप में हुई है, जो ज़ेप्टो में डिलीवरी एक्जीक्यूटिव के तौर पर कार्यरत था।

टोलीचौकी0मेहदीपटनम रोड पर दोपहिया वाहन चलाते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़ा। इसी दौरान पीछे से आ रही गणेश ट्रेवल्स की बस ने उसे कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मेहदीपटनम पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा।

फिल्म पायरेसी के खिलाफ सख्त कदम

टीजीसीएसबी और टॉलीवुड के बीच एमओयू

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिजिटल फिल्म पायरेसी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) और तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) ने सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य तेलुगु फिल्म उद्योग को प्रभावित करने वाली ऑनलाइन पायरेसी और कॉपीराइट उल्लंघनों के खिलाफ तकनीक-संचालित, समन्वित और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

एमओयू पर टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल और टीएफसीसी अध्यक्ष दग्गुबाती सुरेश बाबू ने पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

एमओयूक के प्रमुख प्रावधानों में- 1) रीयल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करना और संगठित पायरेसी नेटवर्क पर त्वरित कार्रवाई।

2) आईसीसीसी (एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र) में टीएफसीसी के एंटी-पायरेसी एजेंटों की तैनाती।

3) सत्यापित शिकायतों व डिजिटल साक्ष्यों पर तेजी से कानूनी कार्रवाई (टीजीसीएसबी नोडल एजेंसी)। 4) आईएसपी, ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया कंपनियों और ऐप स्टोर्स के साथ समन्वय कर पायरेटेड कंटेंट का त्वरित टेकडाउन/ब्लॉक।

5) स्वचालित क्रॉलर, एनालिटिक्स और कंटेंट पहचान जैसे तकनीकी टूल्स का उपयोग।

6) उद्योग व जनता के लिए जागरूकता अभियान और

7) प्रमुख फिल्म रिलीज़ के दौरान समन्वित विशेष कार्रवाई, नियमित समीक्षा बैठकें और एसओपी का विकास शामिल हैं।

इस अवसर पर डीजीपी शिवधर रेड्डी ने कहा कि डिजिटल पायरेसी अब एक संगठित साइबर अपराध बन चुकी है, जिससे निपटने के लिए कानून प्रवर्तन और उद्योग के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है।

शिखा गोयल ने बताया कि पायरेसी अत्यंत समय-संवेदनशील अपराध हैकुछ मिनटों की देरी भी भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है।

दग्गुबाती सुरेश बाबू ने तमिल-ब्लास्टर्स और आईबोम्मा जैसे गिरोहों पर हालिया कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एमओयू पायरेसी विरोधी प्रयासों को और मजबूत करेगा। उन्होंने बताया कि तेलुगु उद्योग के पास 15+ वर्षों से समर्पित एंटी-पायरेसी सेल है।

यह एमओयू डिजिटल पायरेसी के खिलाफ संस्थागत, तेज और प्रभावी कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हैदराबाद में कोहरे का कहर : लुढ़केगा पारा, भीषण सर्दी पड़ने की आशंका

हैदराबाद, 05 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद और तेलंगाना के विभिन्न जिलों में कोहरे की घनी चादर छाए रहने की संभावना के बीच, मौसम रिपोर्टों ने संकेत दिया है कि आने वाले कुछ दिनों में तापमान में एक से दो डिग्री की और गिरावट आ सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के हालिया राष्ट्रीय पूर्वानुमान के अनुसार, हवा के पैटर्न में बदलाव आया है। इसके परिणामस्वरूप, अगले 3 से 4 दिनों में मध्य भारत (जिसमें तेलंगाना की उत्तरी सीमाएँ भी शामिल हैं) में न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस से 4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट का अनुमान है।आईएमडी नई दिल्ली के अनुसार, मौसम में इस अचानक बदलाव का मुख्य कारण उत्तर में पश्चिमी विक्षोभ के

गुजरने के बाद ठंडी उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की आवाजाही है। इस शीत लहर का सबसे ज्यादा असर उन जिलों पर पड़ेगा जो इस सर्दी के मौसम में पहले से ही ठंड की मार झेल रहे हैं। आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, संगारेड्डी और मेदक जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस से 5 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट दर्ज होने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से हैदराबाद और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी आने वाले दिनों में मौसम और अधिक सर्द होने की संभावना है।घने कोहरे को देखते हुए आईएमडी हैदराबाद के अधिकारियों ने यात्रियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। मोटर चालकों, विशेष रूप से आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वालों को लो-बीम हेडलाइट्स और फॉग लैंप का उपयोग करने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और अचानक ब्रेक लगाने से बचने की सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, शमशाबाद का उपयोग करने वाले यात्रियों को घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है, क्योंकि कोहरे की स्थिति 8 जनवरी तक बनी रहने की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.